शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 02 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-120

दुनिया के कई देशों में आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है पाकिस्तान

पाकिस्तान की नस्ल में हैं आतंकवाद का गंदा कीड़ा

भारत, अफगानिस्तान, रूस, ब्रिटेन, ईरान, फ्रांस समेत कई घटनाओं में हाथ

आतंकी ओसामा बिन लादेन को दी थी शरण, अमेरिका ने घुस कर मारा था

लश्कर-हिजबुल को पालता रहा, अब बांग्लादेश के आतंकियों को दे रहा पैसा

पूरे पाकिस्तान में फैले हैं आतंकियों के प्रशिक्षण शिविर, सेना देती है ट्रेनिंग

पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवाद को प्रायोजित करने, आतंकियों को पनाह देने और उन्हें दुनियाभर में भेजने में पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड फिर से दुनिया के सामने आ गया है। दशकों से पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल सीमापार आतंकवाद, चरमपंथी विचारधारा के लिए लॉन्चपैड के लिए किया जाता रहा है। कश्मीर से काबुल, मास्को से लंदन तक आतंकी हमलों में पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क का खुलासा होता रहा है। भारत की ओर तैयार किए डोजियर में दुनियाभर की आतंकी हमलों का जिक्र किया गया है। इसमें पाकिस्तानी नेताओं के बयानों को भी शामिल किया गया है।वर्ष 2018 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ

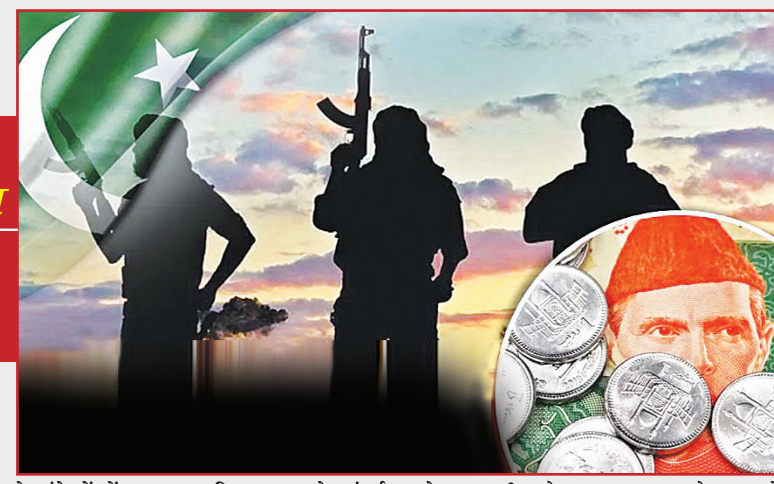

ने संकेतों में कहा था कि 2008 के मुंबई हमलों में पाकिस्तान सरकार की भी भूमिका हो सकती है। लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की ओर से अंजाम दिए गए इस हमले में पाकिस्तान का हाथ साफ तौर पर सामने आया था। अजमल कसाब जिंदा न पकड़ा जाता तो पाकिस्तान इसे भी झुठला देता। पूर्व पाकिस्तानी सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने भी स्वीकार किया था कि सेना ने जम्मू-कश्मीर में भारत से लड़ने के लिए आतंकवादी समूहों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने माना था कि सरकार ने जानबूझकर इसकी अनदेखी की ताकि भारत को वार्ता के लिए मजबूर किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर मुद्दा उठाया जा सके। अभी हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने माना कि देश ने तीन दशकों से अधिक समय तक आतंकवादी समूहों का समर्थन किया, जिसे उन्होंने अमेरिकी नेतृत्व ▶10पर

विश्व ऑडियो विजुअल और इंटरटेनमेंट समिट में बोले प्रधानमंत्री मोदी

संवेदनशीलता और मानवता को बढ़ावा देना लक्ष्य होना चाहिए

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में विश्व ऑडियो विजुअल और इंटरटेनमेंट समिट-2025 (वेव्स) का उद्घाटन किया और इसे सृजनात्मकता का वैश्विक उत्सव बताया।

हमें गीत, संगीत, कला, नृत्य, संस्कृति को महत्व देना होगा

उन्होंने कहा कि यह भारत में सृजन करें, विश्व के लिए सृजन करें की अवधारणा को अपनाने का एकदम सही समय है। इंसान की समृद्धि सूचनाओं के पहाड़ से नहीं आएगी, ये तकनीक की गति और पहुंच से भी नहीं आएगी। इसके लिए हमें गीत, संगीत, कला, नृत्य को महत्व देना होगा। प्रधानमंत्री ने समिट में गुरुदत्त, पी. भानुमति और ऋत्विक घटक सहित भारतीय सिनेमा के पांच दिग्गजों के नाम पर स्मारक डाक टिकट भी जारी किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि वेव्स केवल शब्द-संक्षेप नहीं है। बल्कि यह संस्कृति, रचनात्मकता, फिल्में, संगीत, गेमिंग, कहानी कहने की शैली की एक लहर है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक जगत का आह्वान करते हुए कहा, भारत की हर गली में एक कहानी है। मैं हमेशा कहता हूं, यही समय है, सही समय है। यह भारत में सृजन करने और विश्व के लिए सृजन करने का सही समय है। आज जब विश्व कहानी कहने के नए-नए तरीके खोज रहा है, भारत के पास हजारों वर्षों की कहानियों का खजाना है और यह खजाना कालातीत, विचारोत्तेजक और सही मायने में वैश्विक है।

प्रधानमंत्री ने रचनात्मक जिम्मेदारी के विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि 21वीं सदी की तेज-तर्रार, तकनीक-संचालित दुनिया में हर व्यक्ति के जीवन में टेक्नोलॉजी की भूमिका बढ़ती जा रही है। ऐसे में मानवीय संवेदनाओं को बनाए रखने के लिए ▶10पर

आतंक के पनाहगार पाकिस्तान मनोवैज्ञानिक दबाव में

नौसेना ने अरब सागर में तेज किया अभ्यास

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। पहलगाम की आतंकी हरकत के बाद भारत के हमले की आशंका से पाकिस्तान मनोवैज्ञानिक दबाव में है। वायुसेना के युद्धाभ्यास के फौरन बाद अरब सागर में भारतीय नौसेना का युद्धाभ्यास शुरू हो गया है। पहलगाम आतंकी के बाद से ही भारतीय सेनाएं अपना शक्ति प्रदर्शन कर रही हैं। नौसेना ने अपने युद्धपोतों को सतर्क रखा है। भारतीय तटरक्षक जहाज भी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्रों में तैनात हैं। गुजरात तट से सटी समुद्री सीमा पर कड़ी निगरानी हो रही है। तीनों सेनाएं अलर्ट मोड पर हैं।

भारत के हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमान की इंट्री बंद

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र में अभ्यास तेज कर दिया है। अरब सागर में कई जहाज-रोधी और विमान-रोधी फायरिंग की गई है। भारतीय तटरक्षक जहाज भी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्रों में तैनात हैं। गुजरात तट से सटी समुद्री सीमा पर कड़ी निगरानी हो रही है। भारतीय नौसेना पूरे क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को अरब सागर में तैनात किया है। यह भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। तैनाती 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद की गई।

भारत ने पाकिस्तान की सभी एयरलाइंस के लिए भारतीय एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान होगा क्योंकि उड़ानों की दूरी और वक्त दोनों में इजाफा होगा। यह कदम पाकिस्तान के लिए सख्त कूटनीतिक संदेश भी है। इससे पहले भारत ने सिंधु जल समझौते को रद्द कर पाकिस्तान के खिलाफ वाटर स्ट्राइक की थी और अब एयरस्पेस रोक कर बड़ा एयर स्ट्राइक करने जा रहा है। भारत के इस कदम का असर दक्षिण पूर्व एशिया जाने वाली उड़ानों पर खास तौर पर पड़ेगा और वहां जाने के लिए विमानों को भारत के चारों तरफ चक्कर लगानी होगी। ▶10पर

पहलगाम कांड की जांच और सुरक्षा गारंटी वाली याचिका खारिज

बेहद गंभीर वक्त है, सेना का मनोबल न गिराएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर दाखिल याचिका पर याचिकाकर्ता को फटकार लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा, आपने मांग की है कि रिटायर्ड जज की अगुवाई में इस मामले की जांच हो। जज कब से ऐसे मामलों में जांच करने के एक्सपर्ट हो गए? मामले की गंभीरता को देखिए। यह कठिन समय है। आतंकवाद से सबको मिलकर लड़ना है। अदालत ने सेना का मनोबल न गिराने को कहा। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर वक्त है। ▶10पर

तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर करेंगुट्टा से खदेड़े गए नक्सली

नक्सलियों के दुर्दांत गढ़ पर फहराया तिरंगा

रायपुर, 01 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित नक्सलियों के दुर्दांत गढ़ करेंगुट्टा की पहाड़ी से नक्सलियों को खदेड़ भगाया गया। पांच हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित करेंगुट्टा पहाड़ी का इलाका नक्सलियों का दुर्दांत गढ़ माना जाता था। अब नक्सलियों का यह किला भी ढह गया। सुरक्षाबलों ने करेंगुट्टा पहाड़ी पर तिरंगा फहरा दिया है। बीते नौ दिनों से जारी ऑपरेशन करेंगुट्टा अभी भी जारी है। करेंगुट्टा पहाड़ी पर ही नक्सलियों के शीर्ष नेता जैसे हिडमा, देवा, दामोदर, आजाद और सुजाता का ठिकाना था, लेकिन अब इस पर पूरी तरह से सुरक्षाबलों का नियंत्रण हो गया है और वहां तिरंगा लहरा रहा है। नक्सली भाग कर तेलंगाना की सीमा में घुस रहे हैं। नक्सलियों के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और मौजूदा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दोनों ही सीजफायर की अपील कर चुके हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ तेलंगाना के नक्सलियों का अड्डा बनते जाने की आशंका लगातार जाहिर कर रहे हैं। ऑपरेशन करेंगुट्टा देश

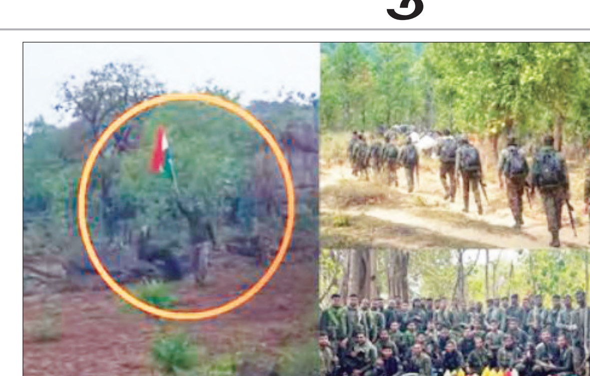

नक्सलियों का साथ दे रहे हैं केसीआर और रेवंत रेड्डी

में उग्रवाद के खिलाफ चलाए गए सबसे बड़े ऑपरेशन में से एक है। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में चलाए गए ऑपरेशन में करीब 24 हजार सुरक्षाकर्मी शामिल हुए। इनमें डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड), बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ समेत राज्य पुलिस की सभी यूनिट के जवान, सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन के जवान शामिल हुए। साथ ही हेलीकॉप्टर, ड्रोन यूनिट के जरिए पूरे ऑपरेशन पर नजर रखी गई। करेंगुट्टा पहाड़ी नक्सलियों का अहम रणनीतिक ठिकाना था।

ऑपरेशन करेंगुट्टा की शुरुआत 21 अप्रैल को हुई थी। करेंगुट्टा पहाड़ी इलाका करीब 800 वर्ग किलोमीटर इलाके में फैला है और यह छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना के मुलुगु जिले से सटा है। यह नक्सलियों के छिपने के लिए सबसे मुफीद जगह मानी जाती थी और यही वजह थी कि नक्सलियों के शीर्ष नेताओं का यह ठिकाना था। यह नक्सलियों की सैन्य ताकत के लिहाज से सबसे अहम पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन नंबर एक का केंद्र था। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0

न्यूनतम : 26^0

बिहार चुनाव के पहले तैयार होगी खामी रहित मतदाता सूची

वोटिंग प्रक्रिया को आसान बनाएगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसी सिलसिले में चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों को और ज्यादा सटीक और भरोसेमंद बनाने के लिए तीन नई पहलें शुरू की हैं, जिसका मकसद है कि मतदान की प्रक्रिया को लोगों के लिए आसान और भरोसेमंद बनाया जा सके। मार्च 2025 में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में ये फैसले लिए गए थे, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी मौजूद थे।

वोटर लिस्ट से होगी मृतकों की छुट्टी, बीएलओ को मिलेगी आईडी

चुनाव आयोग की ओर से किए गए तीन अहम एलान में सबसे पहली घोषणा मृत्यु पंजीकरण का डेटा से संबंधित मामले में किया गया है। इसके तहत अब चुनाव आयोग को पंजीयक जनरल ऑफ इंडिया से मृत लोगों का रिकॉर्ड सीधे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि मृतकों के नाम समय पर मतदाता सूची से हटाए जाएं। इसके बाद बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) फील्ड में जाकर जानकारी की दोबारा जांच कर सकेंगे, बिना किसी औपचारिक शिकायत के।

अब मतदाता स्लिप को और मतदाता के अनुकूल बनाया जाएगा। वोटर की सीरियल नंबर और पार्ट नंबर अब बड़े फॉन्ट में दिखेगा, जिससे मतदाताओं को अपना पोलिंग स्टेशन पहचानना आसान होगा और चुनाव अधिकारी भी जल्दी से नाम ढूंढ़ सकेंगे। ▶10पर

पहलगाम हमले की जांच में तेजी

एनआईए के महानिदेशक पहुंचे पहलगाम

जम्मू, 01 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते आज घटनास्थल पर पहुंचे।

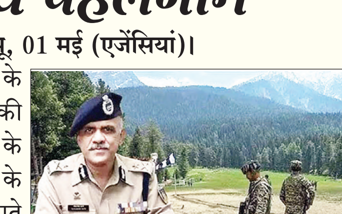

22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की एनआईए जांच कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष टीम हाईटेक उपकरणों के साथ बुधवार को फिर से बायसरन में घटनास्थल पर पहुंची। एनआईए बायसरन घाटी में 3डी मैपिंग कर रही है, ताकि आतंकियों के एंट्री-एग्जिट पॉइंट का सटीक पता लगाया जा सके। अब तक दर्ज चश्मदीदों के बयानों के आधार पर 3डी मैपिंग की जाएगी। इससे आतंकियों की एंट्री और एग्जिट पॉइंट की पुख्ता जानकारी मिल पाएगी। 3डी मैपिंग के जरिए आतंकियों के भागने के सही रास्तों की जानकारी भी मिलेगी। ▶10पर

नेपाल में पाकिस्तान के दूतावास के अधिकारियों को सौंपा गया ज्ञापन, असीम मुनीर और आतंकियों के बीच सांठगांठ का आरोप

काठमांडू,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इस समय अधिकांश देशों में पाकिस्तान के दूतावासों के सामने विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लेकिन नेपाल में यह पहली बार हुआ जब पाकिस्तानी दूतावास के अंदर जाकर वहां के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में पहलगाम आतंकी हमले के लिए सेना प्रमुख असीम मुनीर को दोषी बताया गया। मुनीर के भड़काऊ भाषण के कारण पहलगाम घटना होने की बात कहते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।

यह वाकया बुधवार को काठमांडू में हुआ जब हिन्दू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान के पदाधिकारियों ने पाकिस्तान के दूतावास के अंतर एक ज्ञापन दिया।

वैसे तो काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर पिछले कुछ दिनों से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं लेकिन पहली बार पाकिस्तानी दूतावास के भीतर जाकर दूतावास के कर्मचारियों को दिए ज्ञापन में उनके ही कूटनीतिक अधिकारियों के सामने पहलगाम घटना के लिए उन्हें दोषी बताया गया।

अभियान के महासचिव देवेश झा ने कहा कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने हिंदुओं के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिया। इसका नतीजा है कि पहलगाम में धर्म पूछ कर हिन्दुओं को गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि इन आतंकियों से मुनीर की कोई न कोई सांठगांठ जरूर रही होगी।

ज्ञापन में यूएन चार्टर्ड का हवाला देकर धर्म के नाम पर एक नेपाली नागरिक सुदीप न्यौपाने सहित 26 लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। ज्ञापन में सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2178 का सम्मान करते हुए अंतरराष्ट्रीय आतंकियों की कार्रवाई को रोकने की भी मांग की गई है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने बालाकोट की सैफुल मलूक झील को पर्यटकों के लिए खोला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बालाकोट की काघन घाटी में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सैफुल मलूक झील को छह महीने बंद रहने के बाद पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। राजकुमार सैफुल मलूक और परी बदीउल जमाल की रोमांटिक किंवदंती से जुड़ी यह झील प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। खबर के अनुसार, पिछले साल नवंबर में भारी बर्फबारी के कारण झील की ओर जाने वाली सड़क बंद कर दी गई थी। अब इसे साफ कर यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। अब पर्यटक एक बार फिर झील के आसपास बर्फ से ढके नजारों का आनंद ले सकेंगे। बालाकोट पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के मनसेहरा जिले में स्थित है। बालाकोट इस्लामाबाद से लगभग 190 किलोमीटर, जम्मू-कश्मीर के उरी से 81 किलोमीटर और नियंत्रण रेखा से 50 किलोमीटर दूर है। पर्यटन सलाहकार जाहिद चानजेब और काघन विकास प्राधिकरण के महानिदेशक शब्बीर खान कहना है कि भारी मशीनरी की मदद से सड़क को साफ कर झील तक जाने का मार्ग बहाल कर दिया गया है। मुल्क के बाकी हिस्सों में गर्मी का प्रकोप है, मगर यहां का मौसम सुहावना है। झील के खुलने से सैकड़ों स्थानीय जीप चालकों के लिए आजीविका के अवसर मिलने की भी उम्मीद है।

यूक्रेन को आखिरकार करना पड़ा अमेरिका से खनिज समझौता

वाशिंगटन। रूस के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका के अहसानों से दबे यूक्रेन को ना-नुकुर करते हुए आखिरकार खनिज समझौते पर सहमत होना पड़ा। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने पुष्टि की है कि अमेरिका और यूक्रेन ने खनिज संसाधन समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। यह समझौता, दोनों देशों के बीच खनिज संसाधन समझौते के समन्वय में अमेरिका और यूक्रेन के बीच एक निवेश कोष स्थापित करेगा। एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, यह समझौता अमेरिका को यूक्रेनी दुर्लभ पृथ्वी खनिजों पर अधिकार देता है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने विज्ञप्ति में कहा कि यह समझौता रूस को स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि ट्रंप प्रशासन लंबे समय तक एक स्वतंत्र, संप्रभु और समृद्ध यूक्रेन पर केंद्रित शांति प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी लोगों और यूक्रेनी लोगों के बीच इस साझेदारी की कल्पना की। इसके अलावा बेसेंट ने एक्स पोस्ट भी इस समझौते की चर्चा की है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की फरवरी के अंत में खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने वाले थे। ओवल ऑफिस में दोनों के बीच तनावपूर्ण बातचीत के बाद यह योजना पटरी से उतर गई थी।

पाकिस्तान ने आईएसआई प्रमुख आसिम मलिक को एनएसए की दी जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। बढ़ते तनाव और युद्ध के हालातों के बीच पाकिस्तान ने अपनी खुफिया एजेंसी आईएसआई के

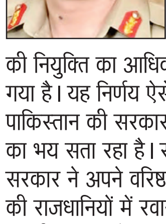

प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद आसिम मलिक को पाकिस्तान का नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया है। उन्हें यह जिम्मेदारी अतिरिक्त कार्यभार के रूप में सौंपी गई है। मलिक की नियुक्ति का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। यह निर्णय ऐसे समय पर लिया गया है जब पाकिस्तान की सरकार और सेना को भारत के हमला का भय सता रहा है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की सरकार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न देशों की राजधानियों में रवाना किया है ताकि वह अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटा सके। आतंकवादियों को बंकरों में छिपाया जा रहा है और नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बातचीत में कहा कि निकट भविष्य में भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई संभव है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों का इस्तेमाल केवल तब करेगा जब देश के अस्तित्व पर सीधा खतरा हो। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने दावा किया है कि भारत 24 से 36 घंटे में पाकिस्तान पर हमला कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत की किसी भी आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और क्षेत्र में उत्पन्न किसी भी संकट के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है। पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों को देश से निकाला गया है।

पुश-अप्स से हार्ट अटैक का खतरा घटता है, अध्ययन में हुआ खुलासा

हार्वर्ड,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

क्या आप जानते है कि पुश-अप्स से हार्ट अटैक का खतरा घटता है। जी हॉ हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह सामने आया है कि यदि कोई व्यक्ति नियमित रूप से पुश-अप्स करता है तो वह हार्ट से जुड़ी गंभीर बीमारियों के जोखिम से काफी हद तक बच सकता है। आजकल हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और अक्सर खबरों में सुनने को मिलता है कि कोई चलते-चलते या डांस करते समय अचानक गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। अधिकतर मामलों में लोगों को यह पता ही नहीं होता कि उनके दिल में पहले से कोई समस्या मौजूद थी, क्योंकि शुरुआत में इनके लक्षण दिखाई नहीं देते। ऐसे में पुश-अप्स एक प्रभावी तरीका हो सकता है जिससे दिल की सेहत को सुरक्षित रखा जा सकता है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह पाया गया कि यदि 30 से 40 वर्ष की उम्र के बीच नियमित रूप से पुश-अप्स किए जाएं तो इससे दिल की कार्यक्षमता बेहतर होती है और धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमने की संभावना काफी कम हो जाती है। यह अध्ययन हाल ही में एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। रिसर्च के दौरान अग्निशमन दल के कुछ सदस्यों पर अध्ययन किया गया, जिसमें उनकी पुश-अप्स करने की क्षमता और स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया गया। परिणाम में सामने आया कि जो लोग आधे मिनट के भीतर 40 बार पुश-अप्स करने में सक्षम थे, उनमें अगले 10 वर्षों तक हार्ट अटैक या हार्ट फेल्योर जैसी बीमारियों का जोखिम लगभग न के बराबर था। वहीं, जो लोग 30 सेकंड में 10 से कम पुश-अप्स कर पाए, उनमें भविष्य में दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा अधिक पाया गया।

पुश-अप्स करते समय पूरे शरीर में हरकत होती है। केवल हथेलियां और पैरों की उंगलियां जमीन से स्पर्श करती हैं, जबकि शरीर हवा में संतुलित रहता है। इस अभ्यास में शरीर की छाती पर विशेष दबाव पड़ता है, जिससे दिल की पंपिंग क्षमता बढ़ जाती है और खून एक साथ अधिक मात्रा में पंप हो पाता है। साथ ही शरीर के सबसे दूर स्थित हिस्सों तक रक्त का संचार भी बेहतर हो जाता है। एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार कार्डियोलॉजिस्ट का मानना है कि पुश-अप्स हार्ट के लिए बेहद फायदेमंद व्यायाम है।

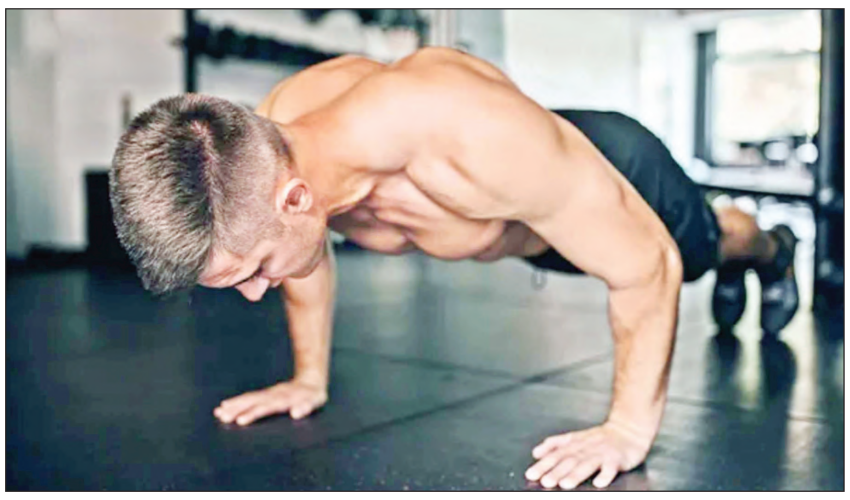

मानव स्वास्थ्य पर मंडरा रहा माइक्रोप्लास्टिक का खतरा: अध्ययन से हुए चौंकाने वाले खुलासे

मैक्सिको सिटी। न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक ताजा अध्ययन में मानव अंडकोष में 12 प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने की पुष्टि की है। यह खोज मानव प्रजनन क्षमता और स्वास्थ्य पर गंभीर खतरे का संकेत देती है। शोध में यह भी पाया गया कि मनुष्य के अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा कुत्तों के अंडकोष में पाई गई मात्रा से लगभग तीन गुना अधिक है। शोध से प्राप्त मुख्य निष्कर्ष में मानव अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक की औसत मात्रा 329.44 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम ऊतक पाई गई है। कुत्तों के अंडकोष में यह मात्रा 122.63 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम रही। सबसे आम माइक्रोप्लास्टिक पॉलीथीन था, जो प्लास्टिक बैग और बोतलों में उपयोग होता है। उसके बाद पीवीसी पाया गया। माइक्रोप्लास्टिक शरीर में कैसे प्रवेश करता है निगलने के माध्यम से: दूषित भोजन (जैसे समुद्री भोजन, नमक, फल-सब्जियाँ) और पानी (खासकर बोतलबंद) से। सांस के जरिये: हवा में मौजूद प्लास्टिक कण, जो सिंथेटिक कपड़ों, टायरों और रोजमर्रा के उत्पादों से उत्पन्न होते हैं। घरेलू वातावरण: बंद घरों में वेंटिलेशन की कमी और प्लास्टिक उत्पादों का अधिक उपयोग। स्वास्थ्य पर प्रभाव इसके स्वास्थ्य में विपरीत प्रभाव की बात करें तो यह शरीर के विभिन्न अंगों में जमा हो जाता है इससे सूजन और कोशिका क्षति की आशंका बनी रहती है। हार्मोनल असंतुलन पैदा कर देता है। ऐसा बिस्फेनॉल ए (बीपीए) और फेथलेट्स जैसे रसायनों के कारण होता है। प्रजनन समस्याएं: अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक मिलने से प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक असर देखने को मिला है। गट माइक्रोबायोटा में असंतुलन पैदा हो जाता है, जिससे पाचन और प्रतिरक्षा तंत्र प्रभावित होता है।

भारत के एक और दुश्मन ने कहा- युद्ध हुआ तो पाकिस्तान का साथ देंगे

ओटावा,01 मई (एजेंसियां)।

भारत का नमक खाकर, भारत की मिट्टी में पला बढ़ा गुरपतवंत सिंह पन्नू अपनी जन्म भूमि के साथ गद्दारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पन्नू का कहना है कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ता है, तो इंडियन पंजाब पाकिस्तान का साथ देगा। इससे पहले भी अलगाववादी ने पाकिस्तान के समर्थक की बात कही थी। साथ ही दावा किया था कि भारतीय सेना को हमला करने के लिए पंजाब पार नहीं करने दिया जाएगा।

इससे पहले एसएफजे यानी सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने पाकिस्तान का साथ देने की बात कही है। उसने कहा, यह न 1965 और न 1971 है... आज है 2025 है। मैं पाकिस्तान की आवाम को भरोसा दिलाता हूं कि हम पाकिस्तान के साथ ईंट की तरह खड़े हैं। कोई भारतीय सेना की इतनी हिम्मत नहीं होने देंगे कि वो पंजाब पार कर पाकिस्तान पर हमला करे। क्योंकि पाकिस्तान का नाम ही पाक है। पन्नू ने कहा, यहां पाकिस्तान को समझने की जरूरत है, सिख समझ चुके हैं। पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा पन्नू ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया, तो यह भारत और मोदी का का आखिरी युद्ध होगा। पंजाब भारतीय कब्जे से आजाद हो जाएगा। उसने ऐलान किया, भारतीय पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा। हम भारतीय सेना को रोकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने यह भी कहा है कि भारतीय पंजाब के कैंट इलाकों में दीवारों पर चॉक से संदेश लिखा जाना शुरू हो गया है। इन संदेशों के जरिए अपील की जा रही है कि सिख सैनिक पाकिस्तान के खिलाफ जंग न लड़ें। इससे पहले भी सिख फॉर जस्टिस ने एक वीडियो जारी किया था।

राहत बचाव के काम में लगा एक कर्मचारी

यूक्रेन में रुसी ड्रोन हमले की जगह पर राहत व बचाव के काम में लगा एक कर्मचारी।

पाकिस्तान के पास परमाणु बम है हम पर कोई भी आसानी से हमला नहीं कर सकता: मरियम

इस्लामाबाद,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने भड़काऊ बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी हमारे देश पर हमला करने की हिम्मत नहीं कर सकता क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। मरियम नवाज़ ने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है, इसलिए कोई उस पर आसानी से हमला नहीं कर सकता है।

मरियम ने एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव का माहौल है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तानी सेना को देश की रक्षा के लिए ताकत दी है। उन्होंने कहा कि हम एक परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, इसलिए पाकिस्तान पर कोई आसानी से हमला नहीं कर सकता। हमारी राजनीतिक विचारधारा चाहे कुछ भी हो, हमें बाहरी हमले के खिलाफ सेना के साथ खड़ा होना चाहिए। मरियम ने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने का श्रेय अपने पिता नवाज़ शरीफ़ को देते हुए कहा कि पाकिस्तान की ताकत उसके शहीदों की कुर्बानी से आती है और नवाज़ शरीफ़ ने देश को परमाणु शक्ति बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

मरियम और नवाज़ शरीफ़ दोनों ने अभी तक जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा नहीं की है, जिसमें 28 लोगों की मौत हुई थी। भारत द्वारा पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पीछा करने की कसम खाने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा है। पिछले चार दिनों में, पाकिस्तानी सेना ने एलओसी पर बिना उकसावे के गोलीबारी की है, जिसका भारतीय सेना ने जवाब भी दिया।

भारत को पाकिस्तान की चेतावनी, किसी भी उकसावे की स्थिति में देंगे करारा जवाब

इस्लामाबाद,01 (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को भारत को किसी भी दुस्साहस से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी भी उकसावे की स्थिति में निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया देगा, हालांकि वह पहले कोई आक्रामक कदम नहीं उठाएगा।

डार का यह बयान हाल ही में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद आया है। भारत की ओर से इस हमले को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिसे लेकर पाकिस्तान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है।

इस्लामाबाद में डार ने आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत की राजनीतिक रूप से प्रेरित और भड़काऊ कार्रवाइयां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद से पीड़ित देश होने के नाते, पाकिस्तान निर्दोष नागरिकों पर हमले की पीड़ा को बेहतर समझता है। साथ ही पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा की और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से इस घटना की सख्त आलोचना करने का अनुरोध किया है।

डार ने भारत पर पाकिस्तान को इस हमले से जोड़ने के मनगढंत और आधारहीन प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सुरक्षा विफलताओं और कश्मीर में जारी दमनकारी नीतियों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान हटाने के लिए ऐसे आरोप लगाता है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 80,000 से अधिक नागरिकों और सैनिकों की जान और 150 अरब डॉलर से अधिक का आर्थिक नुकसान झेल चुका है।

विदेश मंत्री ने दोहराया कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन अगर भारत ने कोई आक्रामक कदम उठाया, तो पाकिस्तान मुंहतोड़ और निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की कार्रवाइयों के क्षेत्रीय प्रभावों को गंभीरता से लेने की अपील की।

इसके अलावा, डार ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को एकतरफा रूप से निलंबित करने की भी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इस संधि को किसी भी पक्ष द्वारा अकेले खत्म नहीं किया जा सकता। डार ने इस हमले की निष्पक्ष जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की मांग दोहराई, जैसा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रस्तावित किया है।

जम्मू कश्मीर के लिए खूनी साबित हुआ अप्रैल का महीना

27 नागरिक, 2 सैनिक और 5 आतंकी मारे गए

जम्मू, 01 मई (ब्यूरो)। अप्रैल का महीना जम्मू कश्मीर के लिए पिछले पांच सालों में सबसे अधिक खूनी महीना रहा है क्योंकि अप्रैल में जम्मू कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ी हिंसा में उछाल देखा गया, जिसमें 25 पर्यटकों सहित 27 नागरिक मारे गए, ये सभी घातक घटनाओं की एक श्रृंखला में शामिल हैं। इस महीने में पांच मुठभेड़ भी हुईं, जिनमें पांच गैर-स्थानीय आतंकवादी मारे गए, जिनमें से दो घुसपैठिए थे, और दो सैनिक मारे गए।

सबसे खूनी हमला पहलगाम के पर्यटक स्थल पर हुआ, जहां बैसरन इलाके में एक क्रूर हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जिसमें हापतनार्ड गांव के एक स्थानीय निवासी सैयद आदिल हुसैन शाह भी शामिल थे। इस हमले में अनजान पर्यटकों को निशाना बनाया गया, जिससे घाटी और अन्य जगहों पर हड़कंप मच गया।

महीने की शुरुआत में ही आतंकी गतिविधियों में वृद्धि के संकेत मिले थे, जब कठुआ के पंजतीर्थी वन क्षेत्र में मुठभेड़ हुई, उसके बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेना के बीच गोलीबारी के बाद नियंत्रण रेखा पर पुंछ में एक माइन ब्लास्ट हुआ।

बिलावर कठुआ में संदिग्ध उग्रवादी गतिविधि के कारण विशेष अभियान समूह की ओर से भी गोलीबारी की गई। इस महीने के अंत में एक ही दिन रामनगर के जोफर वन क्षेत्र और चतरो किश्तवाड़ में दो बड़ी मुठभेड़ों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों में आतंकवादियों की मौजूदगी में वृद्धि का संकेत दिया। किश्तवाड़ आपरेशन में अंततः तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अलावा, अखनूर के केरी बटाल क्षेत्र में भीषण गोलीबारी में जूनियर कमीशंड अधिकारी कुलदीप चंद की मौत हो गई।

बारामुला के उड़ी सेक्टर में सीमा उल्लंघन को विफल करने के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराने के साथ ही घुसपैठ की कोशिशों ने भी सुर्खियां बटोरीं। इसके ठीक एक दिन बाद, उधमपुर के दुदु बसंतगढ़ इलाके में एक लंबी गोलीबारी के दौरान एक और सैनिक मारा गया, जिससे मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ। नागरिक त्रासदी में इज़ाफा करते हुए, कुपवाड़ा के कंडी खास इलाके में एक सामाजिक कार्यकर्ता गुलाम रसूल मगरे की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर काम तेज गति से

दुर्गम पहाड़ियों और पहलगाम तक जाएगी ट्रेन

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। सामरिक महत्व वाली जगहों और दुर्गम पहाड़ी तक भारतीय रेलवे का विस्तार अपनी रफ्तार में है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक ही नहीं पहलगाम तक ट्रेन चलाने के लिए रेल लाइन का सर्वेक्षण किया जा रहा है। अनंतनाग-पहलगाम तक नई लाइन (करीब 78 किलोमीटर) बिछेगी। इसके अलावा जम्मू एवं कश्मीर में आने वाले 4 और सर्वेक्षण हाल ही में शुरू किया गया है।

इसमें मुख्य रूप से बारामूला-उरी नई लाइन (46 किलोमीटर), सोपोर-कुपवाड़ा नई लाइन (37 किलोमीटर), अवंतीपुरा-शोपियां नई लाइन (28 किलोमीटर) और बनिहाल-बारामुला दोहरीकरण (118 किलोमीटर) शामिल है। इस नई लाइन के बन जाने से ना केवल पर्यटकों को सुविधा होगी कि बल्कि घाटी क्षेत्र की आर्थिकी स्थिति मजबूत होने के साथ बार्डर एरिया तक युद्ध की स्थिति में सेना को रसद पहुंचाना आसान होगा।

पहलगाम में हुए हमले ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बना कर कायरता का परिचय दिया है।

केंद्र सरकार ने इसका करारा जवाब देने का निर्णय तो लिया ही है साथ ही जम्मू-कश्मीर के विकास और सामरिक दृष्टिकोण से भी कई अहम योजनाएं तैयार की हैं।

इसमें जम्मू कश्मीर के अलावा भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेल लाइन के पहले चरण में ट्रैक बिछाने का काम चल रहा है। बिलासपुर-मनाली-लेह नई लाइन परियोजना (489 किमी) का सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

इस रेल लाइन के 70-80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। हालांकि अखनूर और राजौरी के रास्ते जम्मू और पुंछ (223 किमी) के बीच नई लाइन का सर्वेक्षण किया गया था। परियोजना की लागत 22,771 करोड़ रुपए आंकी गई थी। यातायात अनुमान कम होने की वजह से फिलहाल इसे रोक लिया गया है। इसी तरह 2016-17 में श्रीनगर-कारगिल-लेह (480 किमी) नई रेल लाइन का सर्वेक्षण किया गया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की अनुमानित लागत 55,896 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा बिलासपुर-मनाली-लेह नई लाइन, जो आंशिक रूप से लद्दाख में पड़ती है, को सामरिक लाइन के रूप में चिन्हित किया गया है।

पहलगाम हमले से गुलमर्ग का पर्यटन चौपट

1150 होटल कमरों में से सिर्फ 50 बुक हुए

जम्मू, 01 मई (ब्यूरो)। यह पूरी तरह से सच है कि पहलगाम में टूरिस्टों पर हुए अपने किस्म के पहले मिले ने विश्व प्रसिद्ध पर्यटनस्थल गुलमर्ग की वाट लगा दी है।

पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले ने कश्मीर के पर्यटन उद्योग को भारी झटका दिया है, जिसके चलते प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट देखी गई है। कश्मीर में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले रिसॉर्ट्स में से एक गुलमर्ग में स्थिति सबसे गंभीर है जहां लगभग 1150 होटल कमरों में से, वर्तमान में केवल 50 ही भरे हुए हैं।

बुकिंग में यह भारी गिरावट होटल व्यवसायियों और टूर आ-परेटरों के लिए एक झटका है, जो इस साल की शुरुआत में बढ़ी दिलचस्पी के बाद एक अच्छे सीजन की उम्मीद कर रहे थे। होटल हिलटाप के महाप्रबंधक अल्ताफ अहमद राथर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि यह हाल के वर्षों में हमने देखा सबसे बुरा समय है। होटल के कर्मचारियों के अनुसार, मंदी के कारण अब लगभग 115 कर्मचारियों को कम कार्यभार का सामना करना पड़ रहा है।

होटल के एक कर्मचारी के बकौल, काम की कमी के कारण प्रत्येक कर्मचारी को महीने में 15 दिन आनलाइन ड्यूटी पर आने के लिए कहा गया है। इससे हमारी कमाई पर सीधा असर पड़ेगा।

अचानक आई गिरावट को पहलगाम हमले के बाद बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं से सीधे तौर पर जोड़ा जा रहा है, जिसमें दुखद रूप से पर्यटकों के एक समूह को निशाना बनाया गया था और कई लोग हताहत हुए थे। इस घटना ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है, जिससे बड़े पैमाने पर बुकिंग रद्द हो रही है और नई बुकिंग में बड़ी गिरावट आई है। इस झटके के बावजूद, जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग ने पर्यटकों से घबराने की अपील नहीं की है। एक सार्वजनिक अपील में, विभाग ने आश्वासन दिया कि टूरिस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए एक जीवन रेखा है, और मौजूदा स्थिति ने दीर्घकालिक प्रभावों की आशंकाओं को जन्म दिया है यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है। स्थानीय हितधारक अब पर्यटन क्षेत्र को वापस पटरी पर लाने के लिए तेजी से सुधार उपायों और बेहतर सुरक्षा विश्वास की उम्मीद कर रहे हैं।

श्रीनगर में पांच मई को लगेगा दरबार, नाम होगा प्रशासनिक मूव

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 01 मई।

जिस डेढ़ सौ साल पुरानी दरबार मूव की व्यवस्था को धारा 370 हटा दिए जाने के बाद बंद कर दिया गया था उसके तहत पांच मई को ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में यह लगभग 500 कर्मचारियों व अफसरों के साथ फिर से लगेगा। धारा 370 हटाए जाने के बाद बस इसे प्रशासनिक मूव का नाम दिया जा रहा है। इतना जरूर था कि पहले इसी मूव के तहत 10 हजार के लगभग सरकारी अमला 6-6 माह दोनों राजधानियों में रहता था। जानकारी के लिए जम्मू कश्मीर में अभी भी दो राजधानियां कायम हैं चाहे दो संविधान और दो निशान समाप्त हो चुके हों।

दरअसल इस प्रक्रिया को सरकारी तौर पर दरबार मूव का नाम नहीं दिया जा रहा है बल्कि कहा जा रहा है कि कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार जम्मू व श्रीनगर के नागरिक सचिवालयों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भिजवाने की परंपरा है क्योंकि प्रदेश में अभी भी दो राजधानियां हैं। और इस मूव के तहत आने वाले कर्मियों की संख्या भी निर्धारित नहीं है जो जरूरत के मुताबिक कम या ज्यादा हो सकती है।

दरबार मूव की नई व्यवस्था के तहत प्रदेश की शीतकालीन राजधानी जम्मू में उप राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री का दरबार पिछले महीने जम्मू में बंद हो चुका हे। हालांकि दरबार मूव के साथ जरूरत के आधार पर कर्मचारियों के अलावा मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मंत्रियों व उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, पुलिस महानिदेशक, मुख्य सचिव व प्रशासनिक सचिव के कार्यालयों के कर्मी 5 मई से कामकाज संभाल लेंगे। जम्मू कश्मीर में लंबे समय से चली आ रही वार्षिक स्थानांतरण परंपरा को 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान रोक दिया गया था। कश्मीर में कड़ाके की ठंड की स्थिति के कारण अक्टूबर से मई तक सरकार को श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित करने की प्रथा थी। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठन के बाद अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री हैं।

इस दरबार मूव की परंपरा को आधिकरिक तौर पर वर्ष 2021 से बंद किया जा चुका है, उसके प्रति सच्चाई यह है कि यह गैर सरकारी तौर पर लगभग 500 कर्मियों के साथ फिलहाल जारी है। ये कर्मी पिछले 4 सालों से उपराज्यपाल, मुख्य सचिव और वित्त विभाग के वित्त आयुक्त, सामान्य प्रशासनिक विभाग के आयुक्त सचिव तथा पुलिस महानिदेशक के कार्यालयों के कर्मचारी हैं जो दोनों राजधानियों में आ-जा रहे थे।

जम्मू में मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों के साथ ही उप राज्यपाल मनोज सिन्हा का दरबार सजाने के लिए नागरिक सचिवालय से लेकर राजभवन में साज सज्जा व मरम्मत कार्य मार्च से ही शुरू हो चुका था। इतना जरूर था कि दरबार मूव की परंपरा को बंद करने का समर्थन मात्र मुट्ठीभर उन लोगों द्वारा ही किया गया था जो एक राजनीतिक दल विशेष से जुड़े हुए हैं जबकि जम्मू का व्यापारी वर्ग इससे दुखी इसलिए है क्योंकि इतने सालों से कश्मीर से दरबार के साथ सर्दियों में जम्मू आने वाले लाखों लोगों पर उनका व्यापार निर्भर रहता था। जो अब उनसे छिन चुका है।

उत्तर प्रदेश में हुआ 582 जजों का तबादला

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल हुआ है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राज्य भर में कुल 582 न्यायाधीशों का तबादला किया गया है। इसमें वाराणसी में हाई प्रोफाइल ज्ञानवापी मामले की सुनवाई करने वाले जज रवि कुमार दिवाकर भी शामिल हैं। उन्हें बरेली से चित्रकूट जिले में ट्रांसफर दे दिया गया है।

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल राजीव भारती द्वारा बुधवार 30 अप्रैल को अधिसूचना जारी की गई। इसके माध्यम से सभी जजों के तबादले की घो-षणा की गई। सूची में 236 अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश, 207 वरिष्ठ डिवीजन सिविल जज और 139 जूनियर डिवीजन सिविल जज शामिल हैं। इससे पहले सोमवार 28 अप्रैल को 62 जजों का ट्रांसफर अन्य जिलों में किया गया था। अब सिर्फ दो दिन बाद एक और बड़ा फेरबदल उत्तर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में देखने को मिला।

अनधिकृत ऑटो और ई-रिक्शा के खिलाफ अभियान का दिखा असर

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सुदृढ़ कानून व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा के लिए अनधिकृत ऑटो व ई-रिक्शा के खिलाफ चलाए गए अभियान का काफी सकारात्मक असर रहा। यह अभियान पहली अप्रैल से 30 अप्रैल तक सभी 75 जनपदों में चला। सुरक्षा के दृष्टिगत इस अभियान को एक तरफ जहां आमजन का समर्थन मिला, वहीं नाबालिगों के हाथों से ई-रिक्शा की कमान भी छुड़वाई गई। परिवहन विभाग, स्थानीय पुलिस व जिला प्रशासन के संयुक्त नेतृत्व में पूरे माह तक जागरूकता अभियान भी चलाया गया। सुगम यातायात व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो, इसके लिए चालकों को जागरूक भी किया गया। अभियान के दौरान नागरिक सुरक्षा व कानून व्यवस्था पर भी पूरा जोर रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के उपरांत अवैध ई-रिक्शा पर कार्रवाई की गई। इसमें 3784 अपंजीकृत ई-रिक्शा के चालान हुए, जबकि 11425 वाहन सीज किए गए। अन्य अभियोगों में 32989 वाहनों का चालान किया गया। एक माह की अवधि में कुल चालान 36773 रहे।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत

एक माह में 6 हजार युवकों को दिया गया लोन

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गई है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अभी एक माह यानी 30 दिन बीते हैं और अब तक प्रदेश भर में 48 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं, जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लक्ष्य 1 लाख 50 हजार रखा है। इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। योजना का लाभ देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है जबकि दूसरे स्थान पर आगरा और तीसरे स्थान पर हापुड़ है।

इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य 1 लाख 50 हजार के सापेक्ष पहले 30 दिनों में पूरे प्रदेश से 48,086 युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि 40,635 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से 9,867 आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है जबकि 5,838 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है। वहीं अगर पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की करें तो एक लाख लक्ष्य के सापेक्ष 1,78,662 आवेदन प्राप्त हुए जबकि 1,44,273 आवेदन बैंकों को फॉरवर्ड किये गये। इनमें से 40 हजार से अधिक आवेदन बैंक ने स्वीकृत किये और 28 हजार से अधिक युवाओं को लोन वितरित किया। इसके लिए एमएसएमई विभाग की ओर से 113 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर जिले ने सबसे अधिक आवेदकों को लोन वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को स्वरोज-गार उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिले को अभियान के तहत 2,200 युवाओं को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष पिछले एक माह में 1,397 आवेदन प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष 1,176 आवेदनों को बैंक को भेज दिया गया है। इनमें से 447 आवेदनों को बैंक ने अपनी स्वीकृति दे दी है जबकि 257 आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में पिछले एक माह में जौनपुर ने सबसे अधिक युवाओं को लोन वितरित कर पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह आगरा ने पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आगरा को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,700 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष एक माह में 986 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 921 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 338 आवेदकों को लोन देने के लिए बैंक ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है जबकि 197 को लोन वितरित किया जा चुका है।

पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में हापुड़ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हापुड़ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1700 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष एक माह में 516 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 314 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 192 आवेदकों को लोन देने के लिए बैंक ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है जबकि 167 को लोन वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा झांसी ने 143 युवाओं को लोन वितरित कर प्रदेश में चौथा और गोरखपुर ने 134 युवाओं को लोन वितरित कर पूरे प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही योजना का लाभ देने में बरेली, आजमगढ़, मेरठ, मुजफ्फरनगर और कानपुर नगर का भी प्रदर्शन शानदार रहा।

अंबेडकर का अपमान करना सपा के डीएनए में : बेबी रानी मौर्य

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने समाजवादी पार्टी द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने पर अखिलेश यादव को आड़े हाथ लिया है। यह विवाद सपा के एक होर्डिंग में बाबा साहब की आधी तस्वीर काटकर उस स्थान पर अखिलेश यादव की तस्वीर लगाए जाने के बाद शुरू हुआ है। मौर्य ने इस कृत्य को बेहद शर्मनाक और बाबा साहब व उनके अनुयायियों का अपमान करार दिया है। मौर्य ने कहा कि अंबेडकर का अपमान करना सपा के डीएनए में है। ये गलती नहीं है। उन्होंने पूर्व सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के उस विवादित बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने बलात्कार की घटना को बच्चों द्वारा की गई गलती बताया था और कहा था कि लड़के हैं, लड़कों से गलतियां हो जाती हैं। उन्होंने हालिया विवाद को लेकर कहा कि अखिलेश यादव बार-बार सोची-समझी साजिश के तहत बाबा साहब का अपमान कर रहे हैं। अब ये जानबूझकर इसे गलती बताकर बचने का बहाना ढूंढ रहे हैं। सच्चाई यह है कि सपा की मानसिकता ही दूषित है, देश की जनता इन्हे कभी स्वीकार नहीं करेगी।

बेबी रानी मौर्य ने अखिलेश यादव के शासनकाल की कई घटनाओं का जिक्र करते हुए सपा पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने बाबा साहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया, उनकी पत्नी रमाबाई अंबेडकर के नाम से बने कानपुर देहात जिले से उनका नाम हटाया और भगवान बुद्ध की प्रतिमा स्वीकार करने से इनकार किया। इसके अलावा महामाया के नाम पर बने जिले का नाम भी बदला गया। मौर्य ने यह भी दावा किया कि अखिलेश सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग की योजनाओं को समाप्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि सपा ने दलित कार्मिकों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई, जिससे लाखों दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना पड़ा। अनुसूचित जाति के बच्चों की छात्रवृत्ति भी रोक दी गई थी, जिसे योगी सरकार ने दोबारा शुरू किया। मौर्य ने सपा की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि बाबा साहब के बराबर खुद को प्रदर्शित करना उनकी घृणा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव बाबा साहब के पैरों की धूल भी नहीं हैं। सपा सरकार में अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोगों पर अत्याचार हुए, जो आज भी जनता के जेहन में हैं। बाबा साहब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव दलितों को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ते।

खराब मौसम से फसल और जनहानि का 24 घंटे में दिया जाएगा मुआवजा

लखनऊ, 01 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेमौसम बारिश, आंधी, तूफान और आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि का मुआवजा 24 घंटे के भीतर देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे कर 24 घंटे में मुआवजा देने के भी निर्देश दिए हैं ताकि प्रभावितों को राहत प्रदान की जा सके।

उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में अचानक मौसम ने करवट ली। इससे गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों तेज आंधी, तूफान, बारिश के साथ आकाशीय बिजली भी गिरी। ऐसे में सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर जनहाानि का सर्वे करने के निर्देश दिये। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि 1 मई को सुबह 8 बजे अचानक पूर्वांचल के जिलों में मौसम ने करवट ली। इस दौरान गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों में तेज आंधी, तूफान, बारिश और आकाशीय बिजली गिरी। इससे यहां के किसानों की फसलों को नुकसान होने के साथ जनहानि भी हुई। उन्होंने बताया कि गोरखपुर और बस्ती में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 4 लोगों की मृत्यु हो गयी।

फिल्म द भूतनी में लव स्टोरी हॉरर-कॉमेडी का तड़का

बदल गया भूत भगाने का तरीका

इन दिनों हॉरर कॉमेडी फिल्मों बनाने को लेकर होड़ मची है। एक ओर निर्माता दिनेश विजन आठ हॉरर कॉमेडी फिल्में लेकर आ रहे हैं तो वहीं द भूतनी के निर्देशक सिद्धांत सचदेव कह चुके हैं कि इसे वह फ्रेंचाइजी में तब्दील करेंगे। हालांकि इसे यूनिवर्स में तब्दील करने के बारे में उन्हें तब सोचना चाहिए, जब फिल्म दर्शकों को पसंद आए।

द भूतनी की क्या कहानी है?

कहानी शुरू होती है दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट विसेंट कॉलेज की, जिसमें वर्जिन ट्री है। उसकी पूजा हर वैलेंटाइन्स डे को वे प्रेमी करते हैं, जो सच्ची मोहब्बत को पाना चाहते हैं। उसके पास ही एक और पेड़ है, जिससे शांतनु (सनी सिंह) वर्जिन ट्री समझकर सच्ची मोहब्बत मांगता है।

बदले में उसे मोहब्बत (मौनी रॉय) मिलती है, लेकिन वह शांतनु के अलावा किसी को नजर नहीं आती, क्योंकि वो भूतनी है। कॉलेज में हो रही पैरानॉर्मल एक्टिविटी की वजह से घोस्ट हंटर और पैराफिजिसिस्ट डॉक्टर कृष्णा त्रिपाठी (संजय दत्त) को बुलाया जाता है। आगे किसे सच्ची मोहब्बत मिलती है, किसे नहीं? उसके लिए फिल्म देखनी होगी।

फिल्मकार करण जौहर ने कॉलेज की एक दुनिया दर्शकों को दिखाई थी, जिसमें फैशन, फैशन और फैशन था। पढ़ाई-लिखाई की कोई बात नहीं थी। ऐसा ही कॉलेज द भूतनी में है, लेकिन यह करण के कॉलेज का सस्ता वर्जन है, फैशन कम, लेकिन पढ़ाई यहां भी नहीं होती। पौधे लगाना, दीवारों पर पेंटिंग करना है, वर्जिन ट्री की पूजा करना, टूटते तारे को देखकर विश मांगने वाला काम चलता है।

कॉलेज में आत्महत्याएं हो रही हैं, लेकिन कोई केस या उसकी खोजबीन की बात नहीं। कॉलेज का मैनेजमेंट भी बस भूत पकड़ने वाले को लाकर बिठा देता है। फिल्म के अनुसार, निर्देशक सिद्धांत सचदेव ने नया कॉन्सेप्ट लाने की कोशिश की है, लेकिन उनकी और वंकुश अरोड़ा का खराब स्क्रीनप्ले फिल्म को न कॉमेडी न हॉरर, कोई दिशा नहीं देता है।

फिल्म में संजय जब भूतों को भगाकार पूछते हैं कि कैसा लगा? इस पर वहां मौजूद व्यक्ति कहता है कि ऐसा लगा जैसे नागिन सीरियल की शूटिंग लाइव देखकर आ रहा हूं। वैसा ही हाल फिल्म का है। हालांकि, फिल्म के डायलॉग्स बीच-बीच में कॉमेडी का तड़का लगाते हैं। अमर मोहिले का बैकग्राउंड स्कोर हॉरर फिल्म के अनुसार दमदार नहीं है।

फिल्म द भूतनी में क्या नया है?

फिल्म में बस नयापन यह है कि भूतों को भगाने के लिए हनुमान चालीसा की बजाय शिव तांडव का प्रयोग है। भूत पकड़ने वाला मॉडर्न तांत्रिक है, जो विज्ञान की मदद से भूतों को पकड़ता है। साल्ट बुलेट से लेकर लोहे से बने हथियार तक सब रखता है, जैसा जिस भूत को मारने में काम आए। फिल्म के गाने ऐसे नहीं जो आप थिएटर से बाहर निकलने पर गुनगुनाएं।

अभिनय की बात करें तो मौनी रॉय अपने चिरपरिचित अंदाज में हैं। उन पर भूतनी, नागिन जैसे रोल सूट करते हैं। कॉमेडी में माहिर सनी सिंह को हॉरर कॉमेडी रास नहीं आई। पलक तिवारी का रोल भी आधा अधूरा सा है। निक और आसिफ खान अपने चुटकुले संवादों से मुस्कान लाते हैं। भूत पकड़ने वाले मॉडर्न बाबा के रोल में संजय दत्त स्वैग तो खूब दिखाते हैं, लेकिन स्क्रीनप्ले कमजोर हो, तो वह भी क्या कर सकते थे। अगर आपको हॉरर कॉमेडी पसंद है तो यह मूवी देखने जरूर जाएं।

विनीत कुमार सिंह के घर आने वाला है नन्हा मेहमान

प्रेग्नेंट पत्नी संग शेयर की फोटो

साल 2018 में फिल्म मुक्काबाज से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता विनीत कुमार सिंह आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अपनी एक्टिंग के दम पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने कदम जमाए हैं। उनकी लास्ट दो रिलीज फिल्मों को ऑडियंस का बेशुमार प्यार मिला है। फरवरी में रिलीज हुई फिल्म 'छावा' में जहां अभिनेता ने कवि कलश बनकर अपनी कविता बोलने के अंदाज से सबका दिल जीता।

वहीं उनकी इस महीने ही रिलीज हुई फिल्म जाट में अभिनेता ने रणदीप हुड्डा के छोटे भाई सोमुलू का किरदार अदा किया, जो सनी देओल की फिल्म में एक खूंखार विलेन बने हैं। प्रोफेशनल लाइफ में लगातार सक्सेस की ऊंचाई छू रहे विनीत कुमार की निजी जिंदगी में भी अब खुशियों ने दस्तक दी है। अभिनेता जल्द ही दो से तीन होने वाले हैं, जिसकी खुशी उन्होंने फैंस के साथ कुछ प्यार भरी तस्वीरों के साथ शेयर की।

हम तुम्हारा स्वागत करने के लिए तैयार हैं

छावा के कवि कलश उर्फ विनीत कुमार सिंह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी जिंदगी में आने वाले नन्हें मेहमान के बारे में जानकारी शेयर करते हुए फोटो पोस्ट की। पहली फोटो में उन्होंने जहां अपनी पत्नी रुचिरा सिंह के बेबी बंप पर हाथ रखा हुआ है, वहीं एक अन्य फोटो में बॉडीकॉन ड्रेस में अभिनेता की वाइफ पेट पर हाथ रखकर बड़े ही प्यार से उसे निहार रहीं हैं।

एक अन्य तस्वीर में विनीत ने पत्नी के बेबी बंप पर हाथ रखा हुआ है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रुचिरा के साथ पूरी फोटो सीरीज शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए विनीत कुमार सिंह ने कैप्शन में लिखा, नई जिंदगी और यूनिवर्स के प्यार के साथ मिला भगवान का आशीर्वाद, बेबी जल्द आ रहा है। नमस्ते, लिटिल वन, हम आपका स्वागत करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

विनीत कुमार की तस्वीरों पर फैंस और सितारों ने लुटाया प्यार

जाट एक्टर ने जैसे ही ये खुशी सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर की, कमेंट बॉक्स में बधाई का तांता लग गया। सितारों ने भी अभिनेता को उनकी जिंदगी में आने वाली इस खुशी के लिए बधाई दी। कपिल शर्मा शो के मशहूर गुलाटी उर्फ सुनील ग्रोवर ने लिखा, बधाइयां और इसके साथ उन्होंने बैलून वाला इमोजी शेयर किया।

इसके अलावा ब्रीद एक्टर अमित साध ने लिखा, ये सबसे बड़ी न्यूज है। ज्वेल थीफ एक्टर कुणाल कपूर ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई मेरे दोस्त। इन सितारों के अलावा निर्देशक जोया अख्तर, एक्टर राघव जुयाल, एक्ट्रेस रिद्धि तिवारी, आकांक्षा सिंह सहित कई सितारों ने उन्हें बधाई दी।

फिल्म केसरी चैप्टर 2 ने तोड़ा जाट का रिकॉर्ड

असली कहानियों के बादशाह अक्षय कुमार एक बार फिर से ऑडियंस के दिलों के किंग बन चुके हैं। जलियांवाला बाग की कहानी पर बनी उनकी फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर तो अच्छी कमाई कर ही रही है, लेकिन विदेशों में भी ऐतिहासिक फिल्म तेज रफ्तार से दौड़ रही है। बीते दिन तक ये फिल्म 'जाट' का रिकॉर्ड तोड़ने से तीन करोड़ पीछे थी, लेकिन अब केसरी 2 जाट को रौंदकर आगे निकल चुकी है।

बुधवार को अक्षय कुमार और अनन्या पांडे स्टारर केसरी चैप्टर 2 ने वर्ल्डवाइड गजब का कलेक्शन किया है। जाट को इस फिल्म ने कितने करोड़ से पीछे छोड़ा और फिल्म का अब तक दुनियाभर में कलेक्शन कहां तक पहुंचा, चलिए फटाफट से देखते हैं फिल्म के बुधवार के बॉक्स ऑफिस आंकड़े: शुरुआत कोई भी करे, लेकिन उसका अंत हमेशा बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ही करते हैं, इस बार का प्रमाण मिल गया है। सनी देओल की 'जाट' ने इंडिया और विदेशों दोनों ही जगह केसरी चैप्टर 2 से अच्छी ओपनिंग ली थी, लेकिन अब बॉक्स ऑफिस की रेस में खिलाड़ी कुमार की फिल्म आगे निकल चुकी है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म भले ही जाट को पीछे नहीं छोड़ पाई, लेकिन वर्ल्डवाइड कलेक्शन में मात दे दी है। केसरी चैप्टर 2 का कलेक्शन बीते दिन मंगलवार को तकरीबन 112 करोड़ के आसपास था। हालांकि, बुधवार को ये कमाई 3 करोड़ तक बढ़ा। सैकनलिक.कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, केसरी चैप्टर 2 ने रिलीज के 13वें दिन तकरीबन 116.3 करोड़ रुपए की कमाई की है, जबकि जाट 21 दिनों में बस 115 करोड़ ही कमा पाई है।

बेहूदा पब्लिसिटी नहीं... पब्लिकली वॉर्डरोब मालफंक्शन का शिकार हुईं हुनर हाली

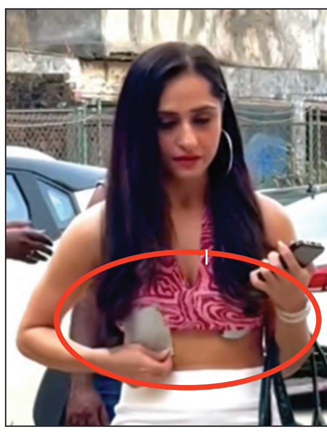

पॉपुलर टेलीविजन एक्ट्रेस हुनर हाली बीते दिनों अपनी दोस्त सारा अरफीन के घर गई थीं। एक्ट्रेस अपनी ड्रेस ठीक कर रही थीं जब पैप्स ने उन्हें अपने कैमरे में कैद कर लिया। उनका ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हुआ।

मेरी सहमति के बिना बनाई वीडियो

एक तरफ जहां कुछ लोग इस तरह के वीडियो वायरल करने के लिए पैप्स की आलोचना करते नजर आए। वहीं कुछ ने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया। अब हुनर ने ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। हुनर ने ईटाइम्स को बताया कि वीडियो उनकी सहमति के बिना शूट किया गया था और बाद में अनावश्यक रूप से सनसनीखेज बनाया गया। एक्ट्रेस ने कहा- यह एक ह्यूमन एलिमेंट है और इस तरह की अप्रत्याशित घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। मेरी सहमति के बिना इस तरह के वीडियो को कैप्चर करना और सर्कुलेट करना गलत है। मेरे शरीर पर गलत तरीके से फोकस करना और अनुचित रूप से ध्यान केंद्रित कराना पैपराजी का व्यक्तिगत निर्णय था। घटना क्या थी? हॉल्टर टॉप का एक कप ही निकल गया, बस इतना ही, लेकिन इसे अनावश्यक रूप से सनसनीखेज बनाया गया।

मैनेजर ने की थी डिलीट करने की रिक्वेस्ट

12/24 करोल बाग फेम एक्ट्रेस ने सवाल उठाया कि अगर उन्हें लगा कि यह एक चूक थी, तो पैप्स ने इसे अपने पेज पर क्यों पोस्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके मैनेजर ने कई मीडिया और पैप पेजों से अनुरोध किया कि वे अपने सोशल मीडिया हैंडल से वीडियो हटा दें, और उन्होंने ऐसा किया भी। हालांकि कुछ लोगों से कहने के बावजूद उन्होंने इसे हटाया नहीं।

एक्ट्रेस ने पैप्स को किया ट्रोल

हुनर ने कहा कि अगर मुझे ये सब पब्लिसिटी के लिए ही करना होता तो मैं इसे सोशल मीडिया से हटवाती क्यों? मेरे फैंस ने मेरा काम देखा है। मैंने कभी भी स्क्रीन पर ऐसा कुछ बोल्ड काम नहीं किया है। मैं हुनर हाली हूं, जिसने कभी भी ऑन-स्क्रीन या ऑफ-स्क्रीन न्यूडिटी नहीं की है। यही वजह है कि मेरे फैंस ने मुझे सपोर्ट किया और वीडियो पोस्ट करने के लिए पैप्स की आलोचना की। हुनर हाली लगभग दो दशकों से टेलीविजन इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। वह टीवी के कुछ सबसे पॉपुलर सीरियलों का हिस्सा रही हैं जिनमें ससुराल गेंदा फूल, थपकी प्यार की, पटियाला बेब्स, छूना है आसमान आदि शामिल हैं।

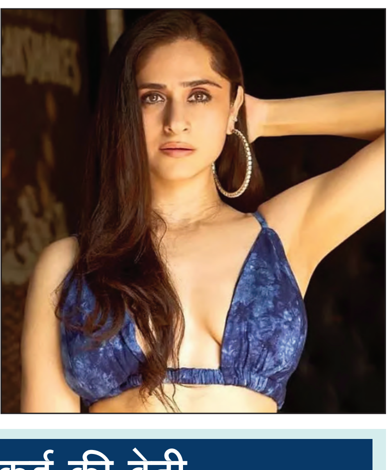

येलो टॉप में मोनालिसा ने कराया फोटोशूट

भोजपुरी इंडस्ट्री और टीवी इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाने वाली टॉप एक्ट्रेस मोनालिसा अपने ग्लैमरस लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। डांस और अपने यूनिक स्टाइल के चलते वह सोशल मीडिया पर खूब छाई रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपना लेटेस्ट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में मोनालिसा येलो कलर के क्रॉप टॉप और ब्लू डेनिम जींस में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने लुक को खास बनाने के लिए लाइट मेकअप किया हुआ है। फैंस को उनका ये लुक काफी पसंद आ रहा है। तस्वीरों में वह अपने दोस्तों के साथ नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में हार्ट इमोजी का इस्तेमाल किया है। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- आप हमारे दिलों की रानी हो, दूसरे यूजर ने लिखा- क्या लग रही हो आप, अन्य यूजर ने लिखा- तुम लाखों में एक हो, वर्कफ्रंट की बात करें तो मोनालिसा इन दिनों सुपरनैचुरल शो श्मशान चंपा में मोहिनी का किरदार निभा रही हैं। श्मशान चंपा टेलीविजन की पसंदीदा डायन मोनालिसा को उनके सबसे पसंदीदा अवतार में वापस लाता है, इससे प्रशंसकों में उत्साह देखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। उन्होंने भोजपुरी फिल्म हो या टीवी इंडस्ट्री, सभी में तहलका मचाया हुआ है। उन्होंने टीवी सीरियल नजर में डायन का किरदार निभाया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, उन्होंने नमक इश्क का, बेकाबू, लाल बनारसी', आखिरी दास्तान जैसे शोज में भी काम किया।

हिंदी फिल्मों के विलेन गैविन पैकर्ड की बेटी

एरिका पैकर्ड के साथ मस्ती करती दिखीं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में वह स्टंट बेस्ड रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 की कंटेस्टेंट एरिका पैकर्ड के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों में दोनों के बीच प्यारी बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। दोनों काफी मस्ती करती दिख रही हैं।

दरअसल, इन तस्वीरों को एरिका पैकर्ड ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- मैं वैसे बीटीएस टाइप की लड़की नहीं हूं, लेकिन इनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा।एरिका का कहना है कि वह आम तौर पर बिहाइंड द सीन मोमेंट में कोई रुचि नहीं रखती, लेकिन कैटरीना से मिलना उनके लिए बेहतरीन अनुभव रहा।आपको बता दें कि एरिका पैकर्ड हिंदी फिल्मों के मशहूर विलेन गैविन पैकर्ड की बेटी हैं, जिन्होंने 90 के दशक में चमत्कार, तड़ीपार, मोहरा, ये है जलवा जैसी कई फिल्मों में काम किया था। गैविन पैकर्ड का साल 2012 में निधन हो गया। एरिका नामी मॉडल हैं। उन्होंने कई बड़े डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक किया है। यही नहीं, वह कई विज्ञापनों का भी हिस्सा रही हैं। एक विज्ञापन में वह रणबीर कपूर के साथ भी नजर आई थीं।

गैविन पैकर्ड

वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को डेट किया था। दोनों करीब 10 साल तक एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में रहे। वहीं कैटरीना कैफ के बारे में बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में नजर आई थीं, जिसमें वह विजय सेतुपति के साथ लीड रोल में थीं। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इससे पहले वह सलमान खान के साथ टाइगर 3 में नजर आई थीं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो कटरीना ने एक्टर विक्की कौशल से 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सवाई माधोपुर में शादी की थी। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में थे।

वैवाहिक जीवन में नहीं मिल रही खुशी, शुक्रवार को करें यह उपाय

बिना किसी वजह के पार्टनर से साथ कहासुनी हो रही है। वैवाहिक जीवन में खटास आ रही है और हंसी खुशी गायब हो गई है। संभव है कि आपको शुक्र ग्रह का आशीर्वाद नहीं मिल रहा हो, क्योंकि यही ग्रह प्रेम का कारक है।

ज्योतिष में प्रेम के लिए शुक्र ग्रह को महत्वपूर्ण माना जाता है। किसी व्यक्ति को कितना प्रेम और सुख मिलेगा, वह कुंडली में इस ग्रह की दशा पर निर्भर करता है। यदि शुक्र ग्रह अस्त हो, वक्री हो, शत्रु क्षेत्री हो या खराब जगह पर बैठ गया हो, तो जीवन में प्रेम की कमी महसूस होने लगती है।

पार्टनर से प्यार पाने के लिए आपको शुक्र को मजबूत करना होगा। इसके लिए आप शुक्रवार के दिन कुछ आसान उपाय कर सकते हैं, जो न सिर्फ आपके वैवाहिक जीवन को सुखी बनाएंगे, बल्कि इसका सकारात्मक प्रभाव आपकी पर्सनेलिटी पर भी दिखेगा।

सफेद खुशबूदार फूल का करें इस्तेमाल

बाल्टी में सफेद खुशबूदार फूल डाल दें। इसके बाद उसमें पानी भरकर नहा लें। इससे शुक्र ग्रह से जुड़े दोष दूर होते हैं। वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

शुक्र के मंत्र का करें जाप

शुक्रवार को 108 बार शुक्र के बीज मंत्र 'द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:' का जाप जरूर करें। इससे भी शुक्र दोष खत्म होता है। इस मंत्र के असर से आपकी सुंदरता भी धीरे-धीरे बढ़ने लगेगी। साथ ही आपका व्यवहार भी मधुर होगा और समाज में आपके संबंध भी अच्छे बनेंगे।

सफेद चीजें जरूरतमंदों को दान दें

शुक्रवार को किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को चांदी, चावल, मिश्री, सफेद कपड़े, दही, सफेद चंदन का दान करें। इस उपाय को करने से आपका वैवाहिक जीवन हमेशा अच्छा रहेगा। यदि पार्टनर के साथ बातचीद बंद भी हो गई हो, तो भी इस उपाय से लाभ मिलेगा और आपका रिश्ता एक बार फिर से अच्छा हो सकता है।

बेडरूम को साफ और शुखबूदार रखें

शुक्रवार के दिन अच्छा सा इत्र खरीदकर अपने पार्टनर को दें। यदि आप भी उस इत्र का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे आपके रिश्ते में मजबूती आएगी और प्रेम भी बढ़ेगा। बेडरूम को अस्त-व्यस्त न रखें। इसे साफ और महकता हुआ रखें। इन उपायों से यदि काम न बने, तो किसी योग्य ज्योतिषी से कुंडली दिखाकर सलाह जरूर लें।

घर में स्थापित शिवलिंग पूजा के नियम

शिवलिंग, भगवान शिव का ही स्वरूप है। हिंदू धर्म में यह माना जाता है कि शिवलिगं पर जल चढ़ाने मात्र से महादेव प्रसन्न हो जाते हैं और साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। अगर आपके घर में भी शिवलिंग विराजमान है, तो ऐसे में आपको कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

किसी दिशा का रखें शिवलिंग

शिवलिंग को पूर्व दिशा में रखना ज्यादा शुभ माना जाता है। ऐसा करने पर पूजा के दौरान भक्त का मुख भी पूर्व दिशा में ही होगा। इसी के साथ शिवलिंग की जलधारी हमेशा उत्तर दिशा की ओर होनी चाहिए। इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि जल अर्पित करते समय आपका मुख पश्चिम या फिर दक्षिण दिशा की ओर नहीं होना चाहिए।

रखें इन बातों का ध्यान

घर में स्थापित शिवलिंग की नियमित रूप से पूजा-अर्चना करनी चाहिए और जल अर्पित करना चाहिए। साथ ही शिवलिंग और उसके आसपास साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखें। इसी के साथ घर में हमेशा अंगूठे के आकार जितना शिवलिंग स्थापित करना चाहिए और घर में एक से ज्यादा शिवलिंग भी नहीं होने चाहिए।

शिवलिंग को कभी भी सीधा जमीन पर न रखें, इसे हमेशा किसी चौकी या फिर ऊंचे स्थान पर रखना चाहिए। अगर आप इन बातों का ध्यान रखने पर साधक के घर-परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है।

न करें ये गलतियां

हमेशा स्नान करने और साफ-सुथरे कपड़े पहनने के बाद ही शिवलिंग की पूजा व अभिषेक करें। भूल से भी शिवलिंग पर ऐसा जल अर्पित न करें, जो साफ न हो, वरना आपको इसके नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। साथ ही जल चढ़ाते समय अपने मन को शांत रखें और किसी तरह के नकारात्मक विचार मन में न लाएं।

न चढ़ाएं ये चीजें

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिवलिंग पर कभी भी तुलसी, शंख या फिर श्रीफल नहीं चढ़ाया जाता। इसके पीछे पौराणिक कथाएं मिलती हैं। इसी के साथ सिंदूर, हल्दी, केतकी और कनेर के फूल, नारियल का पानी व टूटे हुए चावल भी शिवलिंग पर अर्पित करना भी शुभ नहीं माना जाता।

बुद्ध पूर्णिमा पर इस नियम से करें पितृ तर्पण, कट जाएंगे सभी पाप

वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। इस साल यह पावन तिथि 12 मई, 2025 को पड़ रही है। यह दिन न केवल भगवान बुद्ध के जन्म का प्रतीक है, बल्कि यह पितरों तर्पण के लिए भी विशेष महत्व रखता है। ऐसी मान्यता है कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन विधि-विधान से पितृ तर्पण करने से सभी पाप कट जाते हैं और पितरों का आशीर्वाद मिलता है। शास्त्रों में पितृ तर्पण का विशेष महत्व बताया गया है। यह एक ऐसा अनुष्ठान है, जिसके जरिए हम अपने पूर्वजों का श्राद्ध कर्म करते हैं।

पितृ तर्पण के नियम

भोर में उठें और पवित्र स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें।

पितरों के निमित्त तर्पण जल, जौ, तिल और कुशा से करें।

पितरों के नाम से दान-दक्षिणा करें।

ब्राह्मणों को भोजन खिलाएं।

अगर संभव हो तो इस दिन पिंडदान जरूर करें, इससे पितरों को मोक्ष मिल जाता है।

इस दिन पक्षियों को दाना डालना चाहिए।

तामसिक भोजन के उपयोग से बचें।

अपनी वाणी पर संयम रखें और किसी को भी बुरा न बोलें।

ब्राह्मणों को भोजन कराएं और उनका आशीर्वाद लें।

दक्षिण दिशा की ओर मुख करके ही तर्पण करें।

पितृ तर्पण के लाभ

बुद्ध पूर्णिमा के दिन पितृ तर्पण करने से अनेक लाभ मिलते हैं। यह न केवल पितरों की आत्मा को तृप्त करता है, बल्कि जीवन से सभी प्रकार के पापों और नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर करता है। ऐसा कहा जाता है कि पितरों का तर्पण करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। इसके साथ ही घर का क्लेश समाप्त होता है।

पितृ पूजा मंत्र

ॐ पितृभ्य: स्वधायिभ्य: पितृगणाय च नम:।।

ॐ देवताभ्य: पितृभ्यश्च महायोगिभ्य एव च, नम: स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नम:।।

ॐ आद्य-भूताय विद्महे सर्व-सेव्याय धीमहि, शिव-शक्ति-स्वरूपेण पितृ-देव प्रचोदयात्।।

घर में पानी को सही दिशा में रखेंगे तो बनी रहेगी सुख-शांति

घर में अगर वास्तु ठीक हो, तो कई तरह की परेशानियों से बचा जा सकता है। वास्तु दोष होने पर कड़ी मेहनत के बाद कमाया पैसा भी पानी की तरह बह जाता है। आपके घर में पानी रखने की जगह यह तय करती है कि आपके घर में पैसा टिकेगा या नहीं।

पानी की दिशा यह भी तय करती है कि घर में क्लेश होंगे या नहीं। घर के सदस्य बीमार पड़ेंगे या नहीं। आप सोच रहे होंगे कि महज पानी की दिशा से ऐसा कैसे हो सकता है, तो हम आपको बता दें कि पानी की दिशा उत्तर और पूर्व या उत्तर-पूर्व होनी चाहिए। इसके अलावा दूसरी दिशा में पानी रखने से बिगड़ जाता है वास्तु।

आप पैसे कमाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। छोटी-छोटी बचत पर भी ध्यान देते हैं। मगर, इसके बाद भी उनके घर में लक्ष्मी टिकती ही नहीं हैं। अच्छा खाना खा रहे हैं, सभी तरह के बचाव कर रहे हैं, लेकिन फिर भी घर में कोई न कोई हमेशा ही बीमार बना हुआ है।

बिना बात के ही घर में क्लेश हो रहा है, तो संभव है कि कुछ हद तक इसके लिए वास्तु दोष कहीं न कहीं जिम्मेदार हो। अगर आपने अपने घर में सिर्फ पानी रखने की जगह में बदलाव कर दिया, तो आपको इस तरह की परेशानियों से छुटाकार मिल सकता है।

दक्षिण-पूर्व, दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम में न रखें पानी

दक्षिण, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशा में पानी की टंकी, बोरवेल, कुआं आदि पानी का कोई स्रोत नहीं होना चाहिए। दक्षिण दिशा में मंगल ग्रह का आधिपत्य होता है, जो कि अग्नि तत्व का कारक ग्रह है। उस दिशा में अग्नि या गर्म चीजों के लिए जगह होनी चाहिए जैसे किचन।

दरअसल, अग्नि और पानी के मिलन वास्तु दोष बनता है। ऐसे घरों में रहने वाले लोगों के बीच लड़ाई-झगड़ा होता है और पैसों की बिना-वजह बर्बादी होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में पानी का स्रोत रखने से घर के लोगों को बीमारियां घेर सकती हैं। वहीं, पैसा कमाने के बावजूद भी कर्ज बढ़ सकता है।

जीवन को नई दिशा दे सकता है गीता का कर्मयोग सिद्धांत

गीता उपदेश व्यक्ति के जीवन को एक नई दिशा दे सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको श्रीमद्भगवत गीता में वर्णित कर्मयोग सिद्धांत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया एक महत्वपूर्ण उपदेश है। ऐसे में अगर आप इस सिद्धांत को समझकर अपने जीवन में उतारते हैं, तो इससे आपको सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

हो सकती है निराशा

यह आदत लगभग हर इंसान में पाई जाती है कि वह कोई भी काम करने से पहले या उसके बाद उस काम से मिलने वाले परिणामों के बारे में सोचने लगता है। अगर उस काम का परिणाम उसके मनमुताबिक न हो तो, ऐसे में यह निराशा का कारण बन सकता है।

श्रीमद्भगवत गीता में इसे लेकर एक श्लोक मिलता है, जिसमें कर्मयोग के बारे में बताया गया है। अगर आप इसके अर्थ को गहराई से समझ लेंगे, तो जीवन की कई परेशानियों से आपको मुक्ति मिल जाएगी।

कर्मयोग का अर्थ

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

इस श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि तुम्हारा अधिकार केवल अपने कर्मों पर है, न कि कर्मों के फल पर, इसलिए तुम फल की इच्छा छोड़ दो और केवल कर्म करते रहो।

कर्मयोग का सार

भगवद्गीता में वर्णित कर्मयोग इसका सार यह है कि फल की इच्छा किए बिना व्यक्ति को निस्वार्थ भाव से कर्म करना चाहिए। इसी के साथ गीता में कर्म-फल में आसक्ति का भाव न रखते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करने की बात कही गई है। ऐसे में अगर आप इस ज्ञान को अपने जीवन में अपनाते हैं, तो निश्चित तौर पर निराशा के भाव से बच सकते हैं। साथ ही यह आपको सफलता की ओर ले जाने में भी सहायक है।

जीवन रेखा में छिपा होता है पूरे जीवन का राज

हथेली में जीवन रेखा आपकी उम्र के बारे में जरूरी जानकारी देती है। हथेली रेखा आपकी हथेली में , तर्जनी और अंगूठे के बीच से शुरू होकर कलाई तक जाती है। किसी की जीवन रेखा देखकर यह जाना जा सकता है कि आपकी उम्र कितनी है और आपका जीवन कैसा रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि आपने अपने आसपास ऐसे कई लोगों को देखा होगा, जो अपना कुछ खास ख्याल नहीं रखते लेकिन फिर भी स्वस्थ होकर काफी लम्बा जीवन जीते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन हस्तरेखा शास्त्र की दृष्टि से देखें, तो जिन लोगों की हथेली पर जीवन रेखा बहुत ही स्पष्ट, गहरी और इस पर त्रिभुज का आकार बना होता है, उनका जीवन बहुत ही खुशहाल, स्वस्थ होता है। साथ ही ऐसे लोगों की उम्र भी बहुत लम्बी होती है। जीवन में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी उम्र लंबी हो और उसे जीवन में सारे सुख-साधन प्राप्त करके पूरी उम्र जीकर ही इस संसार से विदा ले लेकिन हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की हथेली में उम्र की रेखा यानी लाइफ लाइन लंबी होती है, वे न केवल लंबी उम्र जीते हैं बल्कि जीवन में तरक्की भी करते हैं।

हथेली में जीवन रेखा शुक्र पर्वत को घेरकर जितनी अधिक गोलाई लिए होती है व्यक्ति उतना ही जिंदादिल होता है। अगर यह रेखा कटी हुई नहीं हो तब व्यक्ति में रोगों से लड़ने की अद्भु क्षमता होती है जिससे कम बीमार होते हैं। जीवन रेखा बहुत चौड़ी है लेकिन गहरी नहीं है तो यह जीवन के लिए संकेत नही है। यह जीवनशक्ति में कमी का संकेत है ऐसे व्यक्तियों के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहता है। ऐसे व्यक्ति में साहस और उर्जा की भी कमी पाई जाती है।

जीवन रेखा अन्य रेखाओं के मुकाबले बहुत पतली नहीं है और गहरी है तो यह अच्छे स्वास्थ्य और जीवनशक्ति का संकेत है। ऐसे व्यक्ति काफी उर्जावान और साहसी होते हैं। ऐसी रेखा अगर शुक्र पर्वत को गोलाई लिए घेरती है तो यह संकेत है कि आपका जीवन सुखमय रहेगा और आप वैवाहिक जीवन का भरपूर सुख प्राप्त करेंगे।

जीवन रेखा पर द्वीप का निशान होना अच्छा नहीं माना जाता है। यह जीवन रेखा पर जहां होता है जीवन के उस भाग में व्यक्ति को गंभीर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर द्वीप के बाद रेखा साफ और स्पष्ट हो तो इसका मतलब है आगे के जीवन में आप स्वस्थ रहेंगे। दोनों हथेली में जीवन रेखा एक जैसी गोल और बिना कटी हुई है तो इसका मतलब है आपमें बचपन से ही भरपूर जीवन शक्ति है यानी आपमें रोग और चुनौतियों से लड़ने की गजब की क्षमता रही है। अगर दोनों हथेली में जीवन रेखा एक समान नहीं है एक में जीवन रेखा छोटी है तो यह जीवन और स्वास्थ्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं।

जीवन रेखा का जंजीर की तरह होना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे व्यक्ति अपने स्वास्थ्य की वजह से जीवन में कई बार अवसरों का लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं।

जीवन रेखा पर कुछ लोगों की हथेली में बिंदीनुमा गड्डा होता है। यह बिंदी जितनी होगी उतनी बार आपके बीमार होने का संकेत है। अगर गड्डे बड़े हैं तो आप गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। जीवनरेखा अगर दो टुकड़ों में बटी है और इनके बीच अधिक अंतर नहीं तब बहुत गंभीर परेशानी नहीं आती है लेकिन दो खंडों के बीच अधिक अंतर कष्टकारी होता है।

अगर जीवन रेखा दो भागों में बंटी हो और शुक्र पर्वत की ओर जा रही है तो यह जीवन के लिए संकटकारी माना गया गया है। जीवन रेखा के साथ गोलाई लिए एक अन्य रेखा भी चले तो यह जीवन के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। यह जीवन रेखा पर मौजूद हर दोष को दूर करने का काम करता है।

हथेली में होती है जीवन रेखा

हथेली में जीवन रेखा, तर्जनी और अंगूठे के बीच से शुरू होकर कलाई तक जाती है। जीवन रेखा, जिसे लाइफ लाइन भी कहते हैं। यह रेखा व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन के बारे में बताती है। साफ और गहरी रेखा अच्छी सेहत का संकेत है। इस रेखा पर त्रिभुज का निशान शुभ माना जाता है। अंगूठे के निचले हिस्से को घेरे हुए होती है। स्पष्ट और गहरी जीवन रेखा वाले लोग स्वस्थ और लंबा जीवन जीते हैं। इसके अलावा इस रेखा पर त्रिभुज बनना शुभ माना जाता है।

जीवन रेखा का टूटा-फूटा होना

आपकी हथेली पर अगर जीवन रेखा टूटी-फूटी होती है, तो इसका मतलब यह है कि आपको लंबी उम्र जीने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। इसका अर्थ यह है कि आप जीवन में किसी न किसी रोग का शिकार हो सकते हैं। साथ ही आपकी तबियत बार-बार खराब होती रहती है।

गहरी और स्पष्ट जीवन रेखा

हथेली की रेखाएं अगर गहरी और स्पष्ट होती हैं, तो यह इस बात का इशारा है कि आपकी उम्र बहुत ही लंबी होगी और आप बहुत ही स्वस्थ जीवन जिएंगे। हथेली में इस तरह की रेखाएं होने से व्यक्ति बहुत ही खुशहाल जीवन जीता है और बहुत कम बीमार पड़ता है।

दो भागों में बंटी जीवन रेखा

किसी व्यक्ति की जीवन रेखा दो भागों में बंटी हो, तो इसका मतलब है कि उसकी मृत्यु अपने पैतृक घर से बहुत दूर होकर होगी। यह संकेत कलाई के पास जीवन रेखा के अंतिम हिस्से में दो भागों में बंटने से मिलता है। ऐसे लोग अपनी जीवन के अंतिम समय में घर से दूर होते हैं।

जीवन रेखा के साथ कई रेखाएं जुड़ीं

हथेली पर अगर जीवन रेखा के शुरुआत में बहुत-सी रेखाएं हों, तो इसका अर्थ यह होता है कि व्यक्ति बहुत ही संघर्ष करने वाला है और उसके जीवन में स्थिरता की कमी रहेगी। ऐसा व्यक्ति को कई दुघर्टनाओं का सामना भी करना पड़ता है।

जीवन रेखा के आखिरी में क्रॉस का निशान

जिस व्यक्ति की हथेली में जीवन रेखा के आखिरी में क्रॉस या गुणा का निशान बना होता है, ये भी इस बात का संकेत है कि अपने जीवन के अंतिम समय में उस व्यक्ति को बहुत-सी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

संपादकीय

पाक ने पाप स्वीकारे

पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। बहरहाल, पाक आज पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

> भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया।

साल 2027-28 तक के लिए सरकार ने छह हजार 865 करोड़ रूपए का प्रावधान किया

किसान उत्पादक संगठन का बढ़ता कारवां

उमेश चतुर्वेदी

> भारतीय कृषि की चुनौतियों को देखते हुए इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं। भारतीय किसान मेहनत तो खूब करता है, लेकिन आधुनिकीकरण की कमी, मांग और स्थान के लिहाज से व्यवस्थित आपूर्ति प्रबंधन की कमी और कृषि जोत में लगातार कमी के चलते उसे उसके परिश्रम का वाजिब फल नहीं मिल पाता। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने किसान उत्पादक संगठन की परिकल्पना की, इसके अंग्रेजी शब्दों के पहले अक्षर के नाम पर इसे एफपीओ के नाम से भी जाना जाता है

साल 2014 के आम चुनावों के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में साल 2022 तक भारतीय किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था। भारतीय कृषि की चुनौतियों को देखते हुए इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं। भारतीय किसान मेहनत तो खूब करता है, लेकिन आधुनिकीकरण की कमी, मांग और स्थान के लिहाज से व्यवस्थित आपूर्ति प्रबंधन की कमी और कृषि जोत में लगातार कमी के चलते उसे उसके परिश्रम का वाजिब फल नहीं मिल पाता। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने किसान उत्पादक संगठन की परिकल्पना की, इसके अंग्रेजी शब्दों के पहले अक्षर के नाम पर इसे एफपीओ के नाम से भी जाना जाता है। इस परिकल्पना को प्रधानमंत्री मोदी ने 29 फरवरी 2020 को मूर्त रूप दिया। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे लागू होने के ठीक पांच साल बाद यानी 24 फरवरी 2025 को बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री ने दस हजारवें एफपीओ की शुरूआत की। बिहार के खगड़िया जिले में पंजीकृत इस एफपीओ का मकसद मक्का, केला और धान की फसल के उत्पादन और उसके विपणन पर है। साल 2020 में दस हजार एफपीओ का जो लक्ष्य रखा गया था, वह पूरा हो चुका है। बहरहाल एफपीओ योजना के तहत साल 2027-28 तक के लिए सरकार ने छह हजार 865 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। इनकी मदद से एफपीओ को वित्तीय संसाधन मुहैया हुआ। इककी वजह से आज एफपीओ ना सिर्फ किसान संगठन हैं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और छोटे किसानों को अहम बाजार लाभ, मोल-भाव की ताकत और बाजार तक पहुंच में सुधार की दिशा में सीधी पहुंच मुहैया कराने वाला मंच बन चुका है। इस मंच ने किसानों को सामूहिक सौदेबाजी की ताकत दी है। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से देखें तो देश के पंजीकृत एफपीओ में करीब 30 लाख किसान सीधे जुड़े हुए हैं। जिनमें करीब 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी समर्थन, बाजार तक सीधी पहुंच और सहकारी प्रयास की वजह से ये एफपीओ कृषि क्षेत्र में अब हजारों करोड़ रुपये का ना सिर्फ सीधे कारोबार कर रहे हैं, बल्कि किसानों की समृद्धि बढ़ाने में भी सहयोगी बने हुए हैं। सबसे पहले जानते हैं कि किसान उत्पादक संगठन यानी एफपीओ क्या हैं? एफपीओ

दरअसल कंपनी अधिनियम के चौदहवें भाग के खंड ए के तहत सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत किसान-उत्पादक संगठन हैं। खेती-किसानी और उससे जुड़ी गतिविधियों और उत्पादन के साथ ही विपणन से फायदा उठाने की कोशिश के तहत इन संगठनों को खड़ा किया गया है। एफपीओ के सदस्य किसान होते हैं, इस लिहाज से कह सकते है कि एफपीओ एक तरह से किसान-सदस्यों द्वारा नियंत्रित उनका अपना स्वैच्छिक संगठन है। इसके सदस्य इसकी नीतियों के निर्माण और उन पर फैसला लेने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इनकी सदस्यता के लिए लिंग, समाज, नस्ल, राजनीतिक या धार्मिक विचार आदि का ध्यान नहीं रखा जाता। इन सदस्यता उन सभी लोगों को मिल सकती है, जो इसकी सेवाओं का उपयोग तो कर ही सकते हैं, सदस्यता की ज़म्मिदारी को स्वीकार कर सकते हैं। एफपीओ के संचालक अपने किसान-सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, प्रबंधकों एवं कर्मचारियों को जरूरी शिक्षा और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं, ताकि वे अपने संगठन के विकास में प्रभावी भूमिका निभा सकें। सहकारी आंदोलन प्रभावी राज्यों मसलन, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि में इन्होंने बेहद उत्साहजनक नतीजे दिखाए हैं। इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है। साल 2024 के आंकड़े के अनुसार, इस साल तक रजिस्टर्ड हुए 810 एफपीओ ऐसे रहे, जिनकी प्रत्येक सदस्य सिर्फ महिलाएं हैं। बहरहाल एफपीओ के जरिए किसान अपनी उपज के बदले बेहतर कमाई कर पा रहे हैं। राजस्थान के पाली ज़लि की आदिवासी महिलाओं ने एक उत्पादक कंपनी का गठन किया और इसके माध्यम से उन्हें शरीफा/कस्टर्ड एप्पल के उच्च मूल्य प्राप्त हो रहे हैं। इन संगठनों के गठन के पीछे की अवधारणा बुनियादी रूप से किसानों के कल्याण पर केंद्रित है। इसके जरिए कृषि उत्पाद तैयार करने वाले किसान अपने लिए समूह बना सकें। शुरू में ही दस हजार संगठनों के गठन का असल मकसद, स्थायी आमदनी केंद्रित खेती-किसान और उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस योजना पर साल 2027-28 तक छह हजार 865 करोड़ रुपए के साथ शुरू किया गया था। सरकार इस योजना की सफलता को लेकर कितनी संजीदा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस योजना के तहत गठित हर नए एफपीओ को पांच साल तक हैंडहोल्डिंग समर्थन के साथ ही उन्हें तीन साल तक प्रबंधन खर्च के लिए 18 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही एफपीओ के प्रत्येक सदस्य किसान को दो हजार रुपए का प्रतिभूति अनुदान दिया जाएगा। जिसकी सीमा प्रति एफपीओ 15 लाख रुपये होगी। इसके साथ ही उन्हें संस्थागत ऋृण सुनिश्चित करने के लिए हर एफपीओ को दो करोड़ रुपये तक के परियोजना ऋृण की गारंटी सुविधा दी जा रही है। भारतीय किसानों की सबसे बड़ी समस्या उनकी पैदावार को सही जगह और खरीददार तक पहुंचाने के लिए व्यवस्थित प्रबंधन की कमी है। इसके साथ ही भारतीय खेती की जोत लगातार कम होती चली गई है। देश में औसत जोत का आकार साल 1970-71 में जहां 2.3 हेक्टेयर था, वह साल 2015-16 में घटकर महज 1.08 हेक्टेयर रह गया। इसी तरह खेती में छोटे और सीमांत किसानों की हिस्सेदारी साल 1980-81 के 70 प्रतिशत की तुलना बढ़कर साल 2015-16 में 86 फीसद हो गई। दरअसल घटती जोत और बढ़ती किसान हिस्सेदारी के चलते किसानों की आय या तो बढ़ नहीं रही या फिर घट रही हैं। ऐसे में एफपीओ किसानों के लिए बरदान बन कर सामने आए हैं। अब एफपीओ खेती की उपज, उनके बेहतर विपणन और सही जगह पर पहुंच के साथ ही खेती में नवाचार और विकास की दिशा में सहयोगी रूख अपना रहे हैं। इसका असर है कि एफपीओ के जरिए जहां खेती की उपज बढ़ रही है, वहीं किसान वैकल्पिक उपजों के सहारे अपनी आय को बढ़ा रहा है। एफपीओ छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों को खेती के दौरान उन्हें प्रौद्योगिकी, गुणवत्तायुक्त बीज, खाद और कीटनाशकों की पहुंच सुनिश्चित करा रहा है।

दृष्टि कोण

युद्ध के लिए क्यों उकसा रहा पाकिस्तान?

पहलगाम में हुई नरसंहार की घटना निहायत ही कायरतापूर्ण और अति निंदनीय है। अपने परिवारों के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में पहुंचे पर्यटकों पर हमला करके उनको मौत के घाट उतारना उन हमलावरों और उनके आकाओं की वहशी, अमानवीय और घृणित मानसिकता को साफ-साफ प्रदर्शित करता है। इस हमले में हिंदू पुरुषों को जिस प्रकार चुन चुन कर उनके परिवारों के सामने निशाना बनाया गया और उनके हिंदू होने की पहचान के लिए जिस तरह के हथकंडे अपनाए गए, वो बहुत ही निम्न स्तरीय और मानवता को शर्मसार करने वाले हैं। जिस प्रकार से हमलावरों ने पर्यटकों पर हमले से पहले उनके धर्म पूछे, कलमा पढऩे को कहा और उनके कपड़े उतरवाकर उनकी पहचान स्थापित करने की कोशिश की उससे इस बात की तस्दीक हो जाती है कि हमलावर एक निश्चित योजना के अनुसार हमला कर रहे थे और वे किसी तरह की जल्दबाजी में भी नहीं थे। उनको इस बात का भी पूरा ज्ञान था कि उन्होंने हमारे देश के खुफिया तंत्र की आंखों में धूल झोंक दी है और इस बात के प्रति भी आश्वस्त थे कि इस वक्त कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। आतंकी अपनी योजना को अक्षरशः पूरा करने में कामयाब भी रहे हैं। यह आतंकी हमला देश की सुरक्षा व्यवस्था पर तो प्रश्नचिन्ह लगता ही है, साथ ही साथ देश के खुफिया तंत्र की नाकामयाबी की पोल भी खोलता है। इस आतंकी हमले में न केवल मासूम और निर्दोष पर्यटकों की जान ली गई, बल्कि वहां पर मौजूद जिंदा बचे लोगों के दिलों में दहशत डालकर इस दहशत को देश में फैलाने और सरकार को उकसाने का काम भी किया गया है। अमूमन किसी भी तरह के हमले में हमलावरों की मानसिकता ज्यादा से ज्यादा लोगों को हताहत करने और ज्यादा लोगों को मारकर दहशत का माहौल बनाने की होती है, लेकिन यह हमला जो सवाल खड़े करता है उनके बारे में सभी को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस हमले में बच्चों और महिलाओं को निशाना बनाने की बजाय उनके दिलों में दहशत डालकर छोड़ दिया गया ताकि उनके द्वारा यह दहशत पूरे देश में फैलाई जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि इस आतंकी हमले का एक उद्देश्य देश में धार्मिक उन्माद को बढ़ा कर देश को कमजोर करने का प्रयास भी है। यह हमला युद्ध के लिए उकसाने का प्रयत्न भी है। अब प्रश्न यह भी है कि आखिर हमलवार या उनका आका पाकिस्तान इस तरह का संदेश क्यों देना चाहता है? क्या यह पाकिस्तान का अति आत्मविश्वास है या इसके पीछे भी कोई चाल है? इस हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा है और हर देशवासी सरकार से उम्मीद लगाए बैठा है कि सरकार को इस हमले का बदला लेने के लिए किसी भी हद तक चले जाना चाहिए और भले ही इसके लिए भारत और पाकिस्तान में युद्ध की नौबत क्यों न आ जाए। भारत में इस समय हिंदू पक्षधर सरकार है, यह बात पाकिस्तान में बैठे हमलावरों के आका भी जानते हैं और हिंदुओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध इस सरकार के लिए युद्ध का निर्णय लेना कोई कठिन कार्य भी नहीं है, यह भी जगजाहिर है। लेकिन क्या सरकार वही करने जा रही है जो दुश्मन करवाना चाहता है? और क्या हम वैसे ही रिएक्ट कर रहे हैं, जैसा हमलावरों ने सोचा था? इन कुछ प्रश्नों पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। पाकिस्तान जैसे आतंक को पोषण देने वाले देश के खिलाफ कार्रवाई के लिए वैसे तो किसी आतंकी हमले का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। इससे पहले भारत 1965 और 1971 में पाकिस्तान को युद्ध में धूल चटा चुका है लेकिन पाकिस्तान फिर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और उसने 1999 में फिर से कारगिल में अपनी औकात दिखा दी और उस युद्ध में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी थी। इस बार भी अगर युद्ध होता है तो भारत की सेनाओं के पराक्रम के आगे पाकिस्तान कहीं भी ठहर नहीं पाएगा। लेकिन सोचने बाली बात यह है कि क्या यह युद्ध आखिरी युद्ध होगा या इसके बाद फिर से कुछ सालों के बाद इसी प्रकार के हालात से जूझते हुए भारत को ऐसी ही लड़ाई लडऩी पड़ेगी। हमारे देश की तरक्की और विकास की रफ्तार से कुछ पड़ोसी मुल्कों को बहुत अधिक तकलीफ है और अब उनको लगता है कि अगर भारत को विकास के रास्ते से हटाकर पीछे करना है तो इसका एकमात्र हथियार युद्ध है। युद्ध किसी भी देश की तरक्की में बहुत बड़ा रोड़ा सिद्ध होते हैं। इसलिए दुश्मन की चाल और उसकी मानसिकता को समझते हुए इस बार ऐसा जवाब दिया जाना चाहिए जिससे दोबारा से पाकिस्तान अपनी गर्दन उठाने की हिम्मत न कर पाए। सिंधु जल समझौते को रद्द करना पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन सकता है। यह कूटनीतिक पहल पाकिस्तान को घुटनों के बल ला सकती है, भले ही इसके लिए बहुत अधिक समय लगेगा, लेकिन इसके परिणाम पाकिस्तान के लिए अत्यंत भयानक सिद्ध होंगे।

कुछ अलग

स्थानांतरण में आत्मबोध

प्रशासन में कर्म की परीक्षा कभी मुकम्मल नहीं होती, फिर भी व्यवस्था की आपूर्ति में अधिकारियों के जिम्मे किसी भी सरकार का पूरा कालखंड होता है। हर अधिकारी के फर्ज में सरकार का रुतबा गूंजता है और अगर यही नगीने खनक जाएं तो छवि की पताका पर संदेह होना लाजिमी है। सरकारों का अपना-अपना ट्रांसफर काल भी दिखाई देता है। हम इसे पटवारी से लेकर राज्य के मुख्य अधिकारी तक देख सकते हैं। लोग बेहतर समीक्षक होते हैं और कई बार सरकारों के ट्रांसफर आर्डरों का विरोध भी करते हैं, लेकिन जनापेक्षाएं भी सियासत की तरह अकसर मोम नहीं होतीं। नुकीले प्रश्नों की आबरू में सबसे ज्यादा पैमाइश और आजमाइश प्रशासनिक अधिकारियों की ही होती है, जहां हर पड़ाव एक ट्रांसफर है। जाहिर है धर्मशाला से भरमौर भेजे गए एसडीएम संजीव कुमार भोट के ट्रांसफर आर्डर भी पड़ाव रहे होंगे, लेकिन जिन संदेहों की बरसात हो रही है, उन्हें सिरे से नकारा भी नहीं जा सकता। भोट सिर्फ एक अधिकारी या सेवा काल का बिछौना नहीं कि चंद दिनों में किन्नौर, डोडरा-क्वार, धर्मशाला और अब भरमौर में प्रशासनिक अधिकारी बना कर बिछा दिया जाए। संजीव भोट से जुड़ी अपेक्षाएं एक आदमी से नहीं, उनकी क्षमता में अधिकार प्राप्त अधिकारी से हैं। जाहिर है सरकार को भरोसा है, इसलिए चौथी जगह एसडीएम बनाए गए, लेकिन बार-बार के स्थानांतरण उनके व्यक्तिगत व प्रशासनिक जीवन को कहीं न कहीं हास्यास्पद बनाते रहे हैं। यही वजह रही कि इस अधिकारी ने अपने क्षोभ की परिणति में पद से ही त्यागपत्र देकर अपनी प्रशासनिक कुंडली में विराम और सचिवालय की एक जुंडली में अविश्वास लिख दिया। यह कोई छोटी घटना नहीं, बल्कि इसने विमल नेगी से जुड़े संदेहास्पद घटनाक्रम में एक नया सवाल जोड़ दिया है। संजीव भोट के सजीव बोध को सौ फीसदी सत्य न मानें, लेकिन यह मंजर आत्म संतुष्टि का नहीं, आत्मचिंतन का जरूर है। अपने ट्रांसफर आर्डर को रेखांकित करते भोट ने जो सवाल उठाए हैं, उनके साथ प्रशासनिक अधिकारियों की एक रूठी हुई शाखा हो सकती है। कुछ तहें भले ही ढकी रहें, लेकिन सड़ांध को ढांपना मुश्किल है। क्यों एक अधिकारी के लिए नौकरी से इस्तीफा देना आसान हो गया और क्यों वह इस सुलूक को स्वर्गीय नेगी के मजमून तक ले गया। संजीव भोट को स्थानांतरित करना विशेषाधिकार रहा होगा या कुछ कारण भी गिने जा सकते हैं, लेकिन जनता की कचहरी में हर ट्रांसफर एक व्यक्ति नहीं नया विश्वास है। इसी परिप्रेक्ष्य में किसी स्कूल में ट्रांसफर आर्डर पर आनेवाला एक व्यक्ति नहीं, एक अध्यापक होता है। दुर्भाग्य से आजकल कर्मचारी-अधिकारी मोहरबंद होने लगे हैं। सरकारी नौकरी सियासी कैडर में विभक्त होने लगी है। अस्थायी सत्ता के करीब सरकारी कार्यसंस्कृति ने स्वयं को इतना कमजोर कर लिया है कि प्रशासनिक सेवाओं में लोग नेताओं के आगे पानी भरते दिखाई देते हैं। इसी संदर्भ में राजधानी की चुगलियां प्रदेश सचिवालय को ट्रांसफर का गढ़ नहीं बना सकतीं, यह असंभव है। हम तो चाहेंगे कि नेगी मौत की जांच के आसपास अगर अधिकारियों के मनोविज्ञान को पढऩा है, तो संजीव भोट के उद्वेलित प्रश्नों को भी परख लेना चाहिए। प्रदेश की प्रशासनिक छवि के लिहाज से अधिकारियों के आत्मबल को जगाना होगा। मनोवैज्ञानिक तौर पर अगर कोई अधिकारी ट्रांसफर परिपाटी से भयभीत होकर काम करेगा, तो व्यवस्था परिवर्तन के परिणाम तीव्रगामी नहीं होंगे।

देश दुनिया से

प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य हो कृषि शिक्षा

जीवन और जीवन के वास्तविक रूप शरीर व मन के स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक आवश्यक व अनुकूल पर्यावरण है। ऐसी अनुकूलता में भी सबसे महत्वपूर्ण है प्राकृतिक जल और भोजन। यह मानव को तब ही सहजता से उपलब्ध हो सकता है जब देश-विदेश में कृषि की समुचित व्यवस्था हो। इस लेख की प्रस्तावना का आशय यही है कि मनुष्य के जीवन में प्राकृतिक व पारंपरिक कृषि व्यवस्था अत्यंत अनिवार्य है। इस देश में राजनीतिक अकर्मण्यता, भ्रष्टाचार और आधुनिक विकास के तकनीकी, प्रौद्योगिकीय कोण पर ही केंद्रित रहने की शासकीय महत्वाकांक्षाओं ने उद्योगों को चहुंदिश प्रश्रय दिया और इसकी तुलना में कृषि क्षेत्र को उपेक्षित छोड़ दिया गया। खेती-किसानी की ऐसी उपेक्षा का प्रभाव भारतीय शिक्षा नीति पर भी पड़ा। फलतः प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों में कृषि से संबंधित विषयवस्तु अदृश्य है। छोटी 'अ' से अमरूद और बड़ी 'आ' से आम के साथ आरंभ होने वाली प्राथमिक शिक्षा में कृषि के बारे में ज्यादा कुछ नहीं है। यदि बच्चों के मन-मस्तिष्क में छोटी आयु और शिक्षण-कक्षाओं से ही कृषि ज्ञान-विज्ञान नहीं डाला जाएगा तो आगे बड़ी कक्षाओं में जाने पर वे विषय संबंधी रुचियों में से कृषि विषय में आत्मरुचि कैसे प्रदर्शित करेंगे। कक्षा एक से लेकर बारहवीं तक पूरे बारह वर्षों की समयावधि में कक्षा-प्रति कक्षा जब उन्हें कृषि व इसके विभिन्न उपक्रमों के बारे में पढ़ाया-लिखाया जाएगा, व्यावहारिक शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और कृषि कार्यों के संबंध में आयोजित होने वाली विभिन्न कार्यशालाओं में जाने का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा, तब ही तो वे कृषकीय कार्यों के बारे में अपेक्षित ज्ञान से संचित हो पाएंगे। ऐसा होने पर ही उनका मनोविज्ञान खेती के संपूर्ण साहित्य से सिंचित हो पाएगा। बच्चे यदि शुद्ध आहार-विहार अपनाने के प्रति जागरूक नहीं हैं तो इसका प्रमुख कारण यही है कि उन्हें बालपन से ही विद्यालयों में इस संबंध में शिक्षित नहीं किया गया। इसीलिए उन्हें कृषि वर्ग की प्रमुख फसलों, खाद्यान्नों, फल-फूल, वन-वनस्पतियों, औषधियों के गुण-दोषों की जानकारी भी नहीं है और संभवतः यही कारण भी है कि वे खानपान की बुरी आदतों से ग्रस्त हैं। घर में या विद्यालयों में उन्हें इस संदर्भ में औपचारिक ढंग से ही बताया जाता है। अभिभावक, शिक्षक और नीति-नियंता ही जब कृषि क्षेत्र की उपेक्षा किए बैठे हों तो बच्चे इस बारे में अपेक्षानुरूप ज्ञान कैसे प्राप्त कर सकते हैं। यह अत्यंत विचारणीय है। देश के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से लेकर राज्यों के शिक्षा मंत्रालयों को इस दिशा में गंभीर होकर चिंतन-मनन करना ही होगा। इस काल के मनुष्य जीवन का दुर्भाग्य ही है कि उद्योगों, निर्माणियों, कारखानों, कार्यालयों और प्रगति संबंधी विभिन्न परियोजनाओं के लिए आए दिन वनक्षेत्र काटे जा रहे हैं। इसके लिए रोजाना ही कृषि क्षेत्र में कमी हो रही है। प्रकृति का असंतुलन कई दशकों से सार्वजनिक चिंता के केंद्र में है ही। प्राकृतिक असंतुलन के कारण जनजीवन प्रतिक्षण असुरक्षित होता जा रहा है। ऋृतु की विकृतियां भयंकर रूप में सामने आ रही हैं। धरती, आकाश, जल, वायु, अग्नि, ये सभी तत्व हर दिन मलिन हो रहे हैं। परिणामस्वरूप धरती का फसल-चक्र बिगड़ चुका है। फसलों की प्राकृतिक शक्ति लगभग समाप्त ही हो चुकी है। खाद्यान्न उत्पादन पूरी तरह कृत्रिम, रसायनमिश्रित और विषैले उर्वरकों व खाद पर निर्भर हो चुका है। पारंपरिक और नैसर्गिक खाद्यान्न-बीज विलुप्त होने की कगार पर हैं। ग्राम, ग्राम्य जीवन, ग्रामीण व्यवस्थाओं का समापन अंतिम स्तर पर है। सार्वजनिक चेतनहीनता के इस कालखंड में पूरी तरह सिद्ध हो चुका है कि विज्ञान केवल और केवल अभिशाप बनकर मनुष्य के सिर पर मंडरा रहा है। चारों ओर आधुनिक जीवन द्वारा उत्पन्न की गईं समस्याओं, रोगों और महामारियों की असुरक्षा फैली हुई है। जीवन का स्वाभाविक आनंद क्या होता है, इससे मनुष्य अनभिज्ञ है। हरेक खाद्य और पेय पदार्थ शरीर का पोषण करने के बजाय उसे असाध्य रोगों से खत्म कर रहा है। देश में जितने भी कृषि विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और अन्य शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान हैं, हालांकि उनमें कृषिगत विषयों का पठन-पाठन तो हो रहा है और यथासंभव प्रायोगिक प्रशिक्षण भी हो रहे हैं, पर वे कहीं न कहीं प्राकृतिक तत्वज्ञान से रहित हैं। ऐसे पठन-पाठन में कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए येन-केन-प्रकारेण कृत्रिम कृषिकर्म की ही जानकारी दी जा रही है। बीज, खाद और फसलों के रक्षण-संरक्षण और उत्पादन के लिए रासायनिक पदार्थों का सहारा लिया ही लिया जा रहा है। कृषि संस्थानों, प्रतिष्ठानों और उद्यमों में बीजों पर प्रयोग का जैसा अभ्यास कुछ दशकों से किया जा रहा है, उससे कृषि उत्पादों में कोई न कोई हानिकारक तत्व स्थायी रूप में पहुंच रहा है। चूंकि यह प्रक्रिया वर्षों पुरानी हो चुकी है और कृषि से जुड़े हरेक व्यक्ति को इसमें अधिक शारीरिक व मानसिक श्रम नहीं करना पड़ता, इसलिए इसमें उत्पाद को पूर्णतः हानिरहित करने के नवीन प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। आखिर में इसके अप्रत्याशित दुष्परिणाम मनुष्य की काया ही झेल रही है। इसके अलावा जो व्यापारी गांवों, नगरों-महानगरों के असंगठित क्षेत्रों में मिलावटी और जहरीला अनाज बेच रहे हैं और जितने बड़े व व्यापक स्तर पर, जितनी ज्यादा आबादी को बेच रहे हैं, मिलावटी अनाज और अनाज में प्रयोग होने वाले प्राणघाती अवैध रसायनों का कारोबार भी उसी मात्रा में बढ़ रहा है। ऐसी मानव विरोधी व्यापारिक, औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने व इनका नियंत्रण करने के बजाय सरकारें मिलावटी अनाज खाकर स्थायी रूप में बीमार रहने वाले लोगों का इलाज करने की आड़ में बेहिसाब प्राइवेट हॉस्पिटलों को खोलने की मुहिम भी चलाए हुई हैं। बचपन से बच्चों को कृषि शिक्षा से वंचित रखकर, बड़े होकर उन्हें मिलावटी अनाज पर निर्भर करके और आखिर में जहरीले खाने-पीने के बाद क्षतिग्रस्त अंगों के इलाज के लिए उन्हें निजी अस्पतालों की मनमर्जी पर छोडक़र किस तरह की सरकारी जिम्मेदारी निभाई जा रही है, यह सवाल देश के हरेक संवेदनशील व्यक्ति को भीतर-बाहर बुरी तरह कचोट रहा है। देश, समाज और घर-परिवारों में जो तरह-तरह की बुराइयां, समस्याएं व विसंगतियां पनपी हैं और तेजी से पनप रही हैं, उनका प्रमुख कारक यही परिस्थिति है। जब मनुष्य का तन-मन अप्राकृतिक व कृत्रिम अनाज खाकर और अशुद्ध जलपान करके अस्वस्थ होगा, तो समाज-परिवार में दुर्गुणों से युक्त आचार-व्यवहार ही पनपेगा व फैलेगा।

आप का नजरिया

यह सवालों का समय नहीं

सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम राष्ट्र है। प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, सांसद, राजनीतिक दल और देश के औसत नागरिक उसके हिस्से हैं। राष्ट्र का अस्तित्व है, तो सभी का अस्तित्व है। पहलगाम नरसंहार हमारे भारत की आत्मा, अस्तित्व और संप्रभुता पर हमला था। उसे तनिक भी भुलाया नहीं जा सकता। भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम ऐसा आघात बर्दाश्त नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खुफिया-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नेता कट्टरपंथी किस्म के दिखाई देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किए हैं। एक बार फिर उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खौल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन पर भरोसा करना चाहिए। हमले के तुरंत बाद आतंकियों और उनके आकाओं पर पलटवार के तौर पर हमला नहीं किया जा सकता। यह भी कूटनीतिक और सामरिक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली से कश्मीर तक बैठकों और गहन जांच के दौर जारी हैं। जांच में इसरो को भी शामिल किया गया है। 10 आतंकियों के घर जमींदोज कर दिए गए हैं। कुछ घरों में विस्फोटक भी दिखे हैं। करीब 2000 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच 40 मिनट की मुलाकात हुई। जाहिर है कि पाकिस्तान पर हमले के प्रारूपों पर विमर्श हुआ होगा! दुनिया के 40-45 देशों के राष्ट्राध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों आदि ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत को भरपूर समर्थन दिया है। प्रमुख मुस्लिम देश भी भारत के साथ खड़े हैं। चीन, तुर्किये सरीखे देशों ने भी पाकिस्तान को सार्वजनिक समर्थन नहीं दिया है। वे पाकिस्तान की फितरत और हकीकत जानते हैं। क्या कुछ विपक्षी दलों को ये गतिविधियां दिखाई नहीं देती हैं? यह सवालों का नहीं, राष्ट्र के तौर पर एकजुट दिखने का समय है। प्रधानमंत्री का सर्वदलीय बैठक में न आ पाना कोई बुनियादी सवाल नहीं है। बैठक में रक्षा मंत्री और गृह मंत्री थे, जो सुरक्षा और खुफिया संबंधी सवालों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह होते हैं। क्या उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण नहीं थी? यह फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किए गए कथित 300 किग्रा आरडीएक्स विस्फोटक पर बार-बार सवाल करने का समय नहीं है। यह किसी कथित आतंकी को भाजपा का टिकट देने पर सवाल करने का भी समय नहीं है। यह आतंकी हमले गिनवाने का भी समय नहीं है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय हैं ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी को सरप्रा–इज़ जरुर दें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल–कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें, जो आपको सुकून दें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आपका काम दरकिनार हो सकता है– क्योंकि आप अपने प्रिय की बांहों में ख़ुशी, आराम और उल्लास महसूस करेंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभा–वना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अपने क्षेत्रे में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बहुत रोमांचक काम कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. एक–दूसरे का नज़रिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएँ। इसे औरों के सामने न लाएँ, नहीं तो बदनामी हो सकती है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। अपने वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। आपका कोई क़रीबी आज काफ़ी अजीब मूड में होगा और उसे समझना लगभग असंभव साबित होगा। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी लेकिन साथ ही रिश्तों में मजबूती आएगी। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें– ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर–उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। सावधान रहें, कोई आपसे दिल्लगी या फ़्लर्ट करके अपना उल्लू सीधा कर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 मई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 09:17 तक
नक्षत्र : आर्द्रा दोपहर 01:05 तक
योग : धृति रात्रि 03:19 तक
करण : बालव प्रातः 09:17 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्री शंकराचार्य , श्री रामानुजाचार्य ,श्री सूरदास जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत

वर्षभर आयोजित होंगे जनजागरूकता कार्यक्रम : भजनलाल

जयपुर, 01 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि जरूरतमंद व्यक्ति सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सके। इस संकल्प को गति देने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सहकार से समृद्धि की भावना के साथ राज्य सरकार प्रदेश के सभी गांवों को समृद्ध एवं खुशहाल बनाने के लिए काम कर रही है।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित सहकारिता विभाग की स्टेट अपेक्स कमेटी की प्रथम बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता के माध्यम से देश के सभी वर्ग सशक्त हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को सहकारिता से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान, सहकार मेले, सदस्यता अभियान और कार्यशालाओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारिता के साथ ही कृषि, राजस्व, पंचायती राज, ग्रामीण विकास एवं पशुपालन जैसे ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े समस्त विभाग भी इन कार्यक्रमों में अपना सक्रिय योगदान दें।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सहकारिता

अधिनियम को और प्रासंगिक बनाने के लिए नया सहकारी कोड तैयार किया जा रहा है। यह कोड सहकारी समितियों के आधुनिकीकरण की दिशा में व्यापक सुधार लाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, साथ ही सहकारी संस्थाओं का कम्प्यूटरीकरण करते हुए प्रक्रिया को अधिक से अधिक पारदर्शी बनाया जाए। पैक्स के कंप्यूटरीकरण का कार्य भी नियत समयावधि तक पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में घोषित नवीन गोदामों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण और नियत समय अवधि में पूर्ण किया जाए, ताकि इसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि गोदामों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएं तथा फसलों की स्टोरेज के संबंध में कैलेण्डर भी जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग एवं राजीविका को आपसी समन्वय बनाते हुए काम करें, जिससे सहकारी बैंक भी मजबूत होंगे तथा महिलाओं को आर्थिक संबल भी मिलेगा। उन्होंने सहकारी संस्थाओं द्वारा बने उत्पादों की ब्रांडिंग करने के अधिकारियों को निर्देश दिए, जिससे समितियों की आय में बढ़ोतरी हो सके। बैठक में प्रमुख शासन सचिव सहकारिता मंजू राजपाल ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत की जा रही विभागीय गतिविधियों की कार्य योजना की जानकारी दी। इस दौरान सहकारिता विभाग की गतिविधियों के संबंध में लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री को सहकारिता राज्य मंत्री ने 'अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025' का मोमेन्टो एवं विभागीय अधिकारियों ने सहकारिता से बने विभिन्न उत्पाद भी भेंट किए।

गुजरात के बाद राजस्थान में बांग्लादेशी संदिग्धों पर एक्शन

100 से अधिक संदिग्धों को राउंडअप अन्य शहरों में भी कार्रवाई

जयपुर, 01 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अपने रुख को और सख्त कर दिया है। जयपुर में एक बड़ा अभियान चलाते हुए पुलिस ने 100 से अधिक संदिग्धों को राउंडअप किया है। उदयपुर में भी ज्वेलरी की दुकानों पर काम करने वाले बंगाली मजदूरों की जांच की जा रही है, दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इन सभी को दस्तावेजों की जांच और पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद अलवर के डिटेंशन सेंटर भेजा जाएगा। यह कार्रवाई राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक स्पष्ट संदेश है– राज्य की सीमाएं अब लापरवाही का बोझ नहीं उठाएंगी।

अभियान की अगुवाई एडिशनल कमिश्नर डॉ. रामेश्वर सिंह ने की। उन्होंने बताया कि यह सर्च ऑपरेशन उस के बाद तेज किया गया जब 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। इस हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की नजर राजस्थान में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर जा टिकी। जयपुर के भांकरोटा, हसनपुरा और दौलतपुरा इलाकों में चलाए गए इस समन्वित अभियान में पुलिस ने संदिग्ध बांग्लादेशियों के ठिकानों पर दस्तक दी। करीब 35 लोगों के दस्तावेज फर्जी पाए गए, जबकि 100 से ज्यादा संदिग्धों को पहचान के आधार पर हिरासत में लिया गया।अधिकारियों ने बताया कि न केवल इनके पहचान पत्र और रिहायशी प्रमाणों की जांच की जा रही है, बल्कि कॉल डिटेल्स, बैंकिंग ट्रांजैक्शन और स्थानीय संपर्कों को भी खंगाला जा रहा है। इस कार्रवाई का उद्देश्य महज़ पहचान नहीं, बल्कि संपूर्ण नेटवर्क को ध्वस्त करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने निवास पर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई, जिसमें गृह विभाग, पुलिस और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी शामिल हुए। सीएम ने दो टूक कहा – राज्य सरकार इस मसले पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सामाजिक समरसता और सुरक्षा को बिगाड़ने वाले तत्वों को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्च ऑपरेशन तेज किया जाए और अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को शीघ्र चिन्हित कर डिपोर्ट किया जाए। सरकार इस अभियान में स्थानीय नागरिकों की भागीदारी भी सुनिश्चित कर रही है, ताकि निर्दोष व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और संदिग्धों की पहचान में आसानी हो सके। यह कदम संवेदनशीलता और सतर्कता दोनों का संतुलन बनाए रखने का प्रयास है।

अजमेर के डिग्गी बाजार स्थित होटल में लगी भीषण आग

4 की मौत, 5 लोगों का इलाज जारी

अजमेर, 01 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर स्थित एक होटल में आग लगने की घटना सामने आई है। यहां आग की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं 5 लोगों का इलाज चल रहा है।

मामला डिग्गी बाजार के नाज होटल का है। बताया जा रहा है कि नाज होटल में गुरुवार सुबह करीब 8 बजे अचानक आग लग गई। घटना के समय होटल में यात्री ठहरे हुए थे। आग लगने की जानकारी मिलते ही होटल में अफरा–तफरी मच गई और वहां मौजूद लोग घबराकर खिड़कियों से कूद गए। हालांकि, कुछ लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए।

घटना की सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने होटल में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया। उन्होंने घायलों को तुरंत जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया, जिनमें से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों का अस्पताल में इलाज जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। होटल संकरी गली में स्थित होने के कारण फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अजमेर के जिला कलेक्टर लोकबंधु ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। साथ ही तीन मृतकों को अस्पताल लाया गया था। बाकी घायलों का इलाज जारी है।

उन्होंने आगे कहा कि मौके पर मौजूद हमारी टीमें बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। साथ ही घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ समेत पुलिस बल मौजूद हैं और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। साथ ही यह भी पता चला है कि रेस्क्यू के दौरान दमकल और पुलिसकर्मियों में से कुछ की तबीयत भी बिगड़ गई।

पंजाब द्वारा पानी रोकना गलतः हरियाणा में पीने के पानी की भारी किल्लत : गर्ग

हिसार, 01 मई (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि अगर पंजाब सरकार हरियाणा को अपने हिस्से का भाखड़ा नहर का पानी नहीं देता है तो हरियाणा सरकार को पंजाब के सभी रास्ते बन्द कर देने चाहिए। पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा का पानी कम करने से प्रदेश में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित होगा। आज हरियाणा में बहुत भारी जल संकट है। हरियाणा में पीने के पानी की भी बहुत भारी किल्लत हो रही है। बजरंग गर्ग ने कहा कि भगवत मान को भाखड़ा नहर के साथ–साथ एसवाईएल का भी हरियाणा के हिस्से का पानी देना चाहिए। केंद्र सरकार को पंजाब सरकार पर दवाब बनाकर भाखड़ा नहर व एसवाईएल का पानी हरियाणा को दिलवाना चाहिए। भगवत मान का यह कहना कि केंद्र सरकार को पाकिस्तान का पानी रोक कर पंजाब को दे तो हम हरियाणा के हिस्सा का पानी देगें यह ब्यान निंदनीय है। जिसकी जितनी भी निन्दा की जाए थोड़ी है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा व पंजाब का परिवारिक व व्यापारिक रिश्ता सदियों से है जो भगवत मान खराब करना चाहते है। आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में 27 व्यक्तियों की हत्या करने से पूरा देश शोक में डूबा हुआ है ऐसी घड़ी में भगवत मान को ऐसा ब्यान देना व आपसी भाईचारा खराब करना उचित नहीं है।

पंजाब के किसान अंदोलन में हमेशा ही हरियाणा के किसान व आम जनता ने पंजाब का साथ दिया है। लाखों युवक–युवतियों की पंजाब व हरियाणा में आपस में शादियां हो हुई है और हरियाणा व पंजाब के व्यापारी व उद्योगपतियों का आपस में करोड़ो–अरबों रुपए का व्यापार चल रहा है। ऐसे में पंजाब के मुख्यमंत्री का हरियाणा व पंजाब का आपसी भाईचारा खराब करने का ब्यान देना शोभनिय नहीं है।बजरंग गर्ग ने कहा कि अरविंद केजरीवाल हरियाणा का बेटा है। अरविंद केजरीवाल को पंजाब के मुख्यमंत्री पर लगाम लगाते हुए हरियाणा के हिस्से का पूरा पानी दिलाना चाहिए ताकि हरियाणा में जो पानी का संकट है उससे राहत मिल सकें।

डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की जेल वापसी

चंडीगढ़, 01 मई (एजेंसियां)। एक बार फिर गुरमीत राम रहीम की जेल वापसी सुर्खियों में है। हत्या और बलात्कार के मामलों में दोषी डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख आज सुनारिया जेल रोहतक लौट रहे हैं। उन्हें 9 अप्रैल 2025 को 21 दिन की छुट्टी दी गई थी, आज वह अवधि समाप्त हो गई है। डेरा प्रमुख कड़ी सुरक्षा के बीच सिरसा डेरा से जेल के लिए रवाना होंगे। उन्होंने डेरा के स्थापना दिवस का जश्न मनाया और छुट्टी के दौरान अपने समर्थकों से मुलाकात की। राम रहीम पहले भी जेल से बाहर आ चुके हैं, यह पहली बार नहीं है।सरकारी आंकड़े बताते हैं कि वे अब तक 13 बार जेल से बाहर आ चुके हैं – पैरोल और छुट्टी दोनों को मिलाकर। हरियाणा जेल विभाग के रिकॉर्ड इस सच्चाई की पुष्टि करते हैं।

पंजाब–हरियाणा के बीच जल विवाद के बीच बीबीएमबी निदेशक का तबादला

चंडीगढ़, 01 मई (एजेंसियां)। पानी विवाद जटिल होता जा रहा है हरियाणा और पंजाब के बीच जल आपूर्ति को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। हाल ही में भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) ने हरियाणा को उसके हिस्से का पानी देने का फैसला किया। हालांकि, भगवंत मान की आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब सरकार ने स्पष्ट रूप से इस फैसले को खारिज कर दिया है। पंजाब सरकार ने हरियाणा को पानी की आपूर्ति रोककर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाखड़ा बांध पर डीआईजी के नेतृत्व में पुलिस बल भेजा।बीबीएमबी निदेशक (जल विनियमन) अब इस विवाद में फंस गए हैं। केंद्र सरकार ने आकाशदीप सिंह को पंजाब कोटे के पद से हटाने का आदेश दिया है। हरियाणा कैडर के संजीव कुमार को अब आकाशदीप सिंह की जगह निदेशक (जल विनियमन) बनाया गया है। यह पूरी प्रक्रिया दिलचस्प मोड़ लेती है क्योंकि दोनों अधिकारियों के तबादले के आदेश में कहा गया है कि उनका तबादला आकाशदीप सिंह की मांग पर किया गया है।आकाशदीप सिंह के तबादले का पंजाब सरकार ने विरोध किया है। पंजाब सरकार के अनुसार, हरियाणा को भाखड़ा बांध से लगभग नौ हजार क्यूसेक पानी मिल रहा था, लेकिन पंजाब सरकार ने इस आपूर्ति को घटाकर मात्र चार हजार क्यूसेक कर दिया है। इस कदम के परिणामस्वरूप हरियाणा के कई इलाकों में जल संकट गहरा गया है।हिसार, कुरुक्षेत्र, कैथल ,फतेहाबाद, सिरसा, अंबाला, जींद, रोहतक और महेंद्रगढ़ सहित कई जिलों के निवासी पानी की कमी का सामना कर रहे हैं।

स्कूली बच्चों को परिवार पहचान पत्र में सुधार के लिए करेगी हरियाणा सरकार प्रशिक्षित

चंडीगढ़, 01 मई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने परिवार पहचान पत्र में त्रुटियों को ठीक करने के लिए एक नई योजना का अनावरण किया है। इस योजना के तहत, कक्षा 9 से 12 तक के सरकारी स्कूल के छात्र परिवार पहचान पत्र पोर्टल पर जाकर समस्याओं को ठीक करना सीखेंगे। परिवार पहचान पत्र के सटीक डेटा की गारंटी देने के अलावा, यह परियोजना छात्रों को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

प्रक्रिया को निर्देशित करने के लिए टैबलेट का उपयोग किया जाएगा। सरकार द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को टैबलेट पहले ही वितरित किए जा चुके हैं। इन टैबलेट के माध्यम से छात्रों को बताया जाएगा कि वे परिवार पहचान पत्र में किस तरह की त्रुटियों को ठीक कर सकते हैं, जिसमें जानकारी को अपडेट करना और मृतक व्यक्तियों के नाम हटाना शामिल है। छात्रों को इसे आसानी से समझने में सक्षम बनाने के लिए यह प्रशिक्षण प्रोजेक्टर के माध्यम से दिया जाएगा। सरकारी शिविरों का आयोजन सबसे पहले, रेवाड़ी के संगवाड़ी और खोल गांव में सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के तत्वावधान में, इस पायलट पहल को लागू किया गया। इन शिविरों के अनुकूल परिणामों को देखते हुए, परिवार पहचान पत्र प्राधिकरण राज्य भर में जागरूकता शिविर आयोजित करने का इरादा रखता है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान से लैस करना और परिवार पहचान पत्र के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

पानी प्रकृति का उपहार है, इस पर राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण : सैनी

चंडीगढ़, 01 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को पंजाब सरकार की तरफ से हरियाणा का पानी रोके जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पानी किसी भी व्यक्ति विशेष या स्थान का नहीं होता, बल्कि यह प्राकृतिक स्रोत है, जिस पर सभी का अधिकार है। ऐसे में पानी पर हो रही राजनीति पूरी तरह से दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। साथ ही, उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को सुझाव देते हुए कहा कि मेहरबानी करके वह कोई भी फैसला अपनी बुद्धि और विवेक से लें, जो लोग उन्हें भड़का रहे हैं, उनकी बातों में न आएं। पंजाब की जनता ने उन्हें

बहुत ही उम्मीदों से चुना है। ऐसे में वे उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि पानी प्रकृति की देन है। ऐसे में हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि हम कैसे इसके स्रोत को विस्तारित कर सकते हैं, ताकि निकट भविष्य में किसी को भी पानी की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आने वाले समय में पानी के स्रोत बढ़ाने का अनुरोध करेंगे।

उन्होंने कहा कि पानी प्राकृतिक का उपहार है। इस पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं करनी चाहिए। पानी पर हो रही राजनीति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करना चाहिए।

नायब सिंह सैनी ने कहा, हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि हम कैसे पानी को अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए बचाकर रख सकते हैं, ताकि उन्हें कोई परे–शानी न हो। मैं कुल मिलाकर सभी को यही सुझाव दूंगा कि इस पर किसी भी प्रकार की राजनीति न हो, क्योंकि इससे हमें कोई प्रतिफल मिलने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री ने पंजाब के भगवंत मान को सुझाव देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके पास महज कुछ ही समय बचा है। वह बेकार के मुद्दे को लेकर राजनीति न करें क्योंकि इससे कुछ भी होने वाला नहीं है। इस तरह के मुद्दों पर राजनीति करके वह जनता के हितों पर ही कुठाराघात करेंगे।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की आत्मकथा का विमोचन

योगी के शासन में यूपी का विकास शोध का विषय : धनखड़

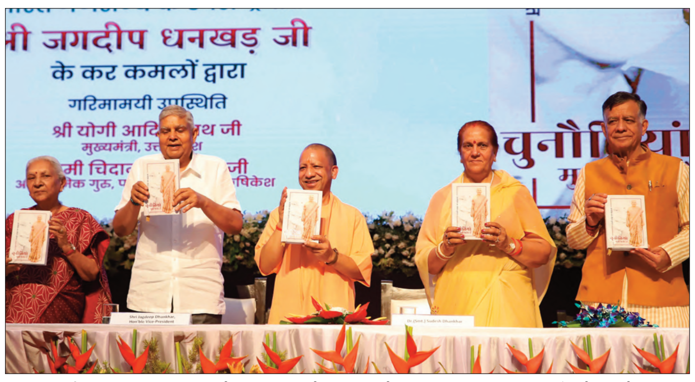

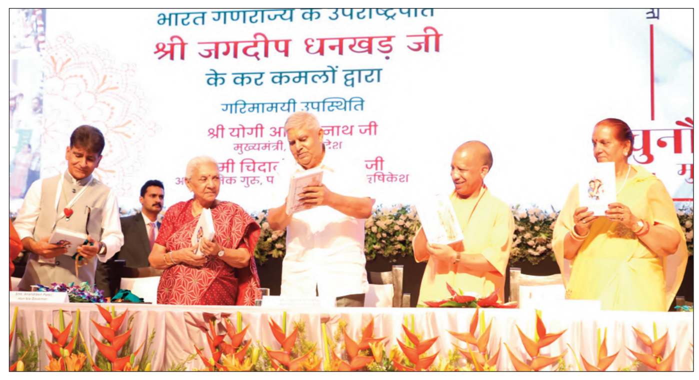

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पुस्तक चुनौतियां मुझे पसंद हैं का विमोचन किया। साथ में हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर सराहना करते हुए योगी को युवा मुख्यमंत्री करार दिया। उन्होंने कहा कि जब आपसे उम्र में बड़े लोग खुद को युवा कहते हैं, तो आप नि:संदेह युवा मुख्यमंत्री हैं। आप आठ साल बेमिसाल, यूपी के नायक हैं। उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को विश्व में अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक लोगों का आना सदियों तक याद रखा जाएगा। यह कार्य पूरे विश्व में कभी सम्पन्न नहीं हुआ। आप उस आयोजन के सारथी हैं। उन्होंने कहा कि बीते आठ साल में हुआ यूपी का विकास शोध का विषय है। उप राष्ट्रपति गुरुवार को राजधानी स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की आत्मकथा चुनौतियां मुझे पसंद हैं का विमोचन करने पहुंचे थे।

धनखड़ ने उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति की चर्चा करते हुए कहा कि साढ़े आठ साल में बिना कोई टैक्स लगाए 12.5 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था को करीब 30 लाख करोड़ तक पहुंचाना, अपने आप में एक शोध का विषय है। प्रति व्यक्ति आय में यूपी ने जबरदस्त छलांग लगाई है। उन्होंने प्रदेश में हुए बुनियादी ढांचे के विकास की तारीफ करते हुए कहा कि भारत गणतंत्र के 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे यूपी के पास हैं। दुनिया के कुछ ही देशों में मेट्रो है, लेकिन यूपी के छह शहरों में मेट्रो रेल सेवा है और यह देश में सर्वाधिक है। इसके अलावा 16 एयरपोर्ट, 4 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे यूपी में हैं। जेवर एयरपोर्ट का दुनिया इंतजार कर रही है, क्योंकि जेवर तो जेवर ही होता है।

उप राष्ट्रपति ने योगी आदित्यनाथ के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा कि चुनौती से पलायन करना या उदासीन रवैया रखना कायरता की निशानी है और कायरता का कोई अंश यूपी के मुख्यमंत्री में नहीं है, इसमें कोई मेडिकल जांच की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कानून-व्यवस्था में सुधार की सराहना करते हुए कहा कि आठ साल पहले यूपी की परिभाषा अलग थी। आज कानून-व्यवस्था उच्चतम स्तर पर है। इसे स्थापित करने में कितनी चुनौतियां आई होंगी, ये मुख्यमंत्री जानते होंगे, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार किया और नतीजा आज सबके सामने है। उप राष्ट्रपति ने संवैधानिक पदों की गरिमा पर जोर देते हुए कहा कि हमारे संविधान में दो पद सुप्रीम हैं, राष्ट्रपति और राज्यपाल। ये संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और समर्थन करने वाले पद हैं। ऐसे गरिमापूर्ण पदों पर टिप्पणियां करना मेरे हिसाब से चिंतन और सोच का विषय है। उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और कहा कि सभी संस्थाओं को अपनी सम्यक भूमिका निभानी चाहिए। धनखड़ ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सामंजस्य की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे संवैधानिक संस्थानों के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। हम सबकी अपनी सीमाएं हैं। हमारा संविधान एक दूसरे संस्थाओं से सामंजस्य मांगता है। उन्होंने कहा कि मैं न्यायपालिका का बहुत सम्मान करता हूं। 40 साल तक मैंने इसके लिए कार्य किया। हमारे जज वन ऑफ दि बेस्ट हैं। लेकिन मैं अपील करता हूं कि हमें सहयोग और समन्वय के साथ एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

उप राष्ट्रपति ने आनंदीबेन पटेल की आत्मकथा को प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि ये पुस्तक केवल आनंदीबेन पटेल के लिए नहीं है, ये सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इन्हें चुनौतियां पसंद हैं, क्योंकि ये अन्याय को बर्दाश्त नहीं करतीं। उन्होंने पुस्तक विमोचन के लिए चुने गए दिन और स्थान की सराहना की और कहा कि आज गुजरात स्थापना दिवस और श्रमिक दिवस है। स्थान के रूप में अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी का चयन टेक्नॉलॉजी के युग में भारत की प्रगति को दर्शाता है। उन्होंने आनंदीबेन के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा कि गवर्नर ने हमेशा हिम्मत दिखाई है। ऐसी पुस्तक ईमानदारी से लिखना बहुत मुश्किल है। सबसे बड़ी चुनौती है यह लिखना कि चुनौती मुझे पसंद है। उन्होंने स्वामी चिदानंद सरस्वती को भारत का सांस्कृतिक राजदूत बताया और राज्यपाल की बेटी अनारबेन पटेल का जिक्र करते हुए जंजीर फिल्म का डायलॉग मेरे पास मां है की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अनारबेन के पास ऐसी मां है, जिसकी ताकत कम नहीं है।

धनखड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि नेशन का सौभाग्य है कि हमें तीसरी बार एक सशक्त प्रधानमंत्री मिला है। उन्होंने चुनौतियों को अवसर में बदला है। हर घर में बिजली, शौचालय, नल, इंटरनेट, और स्वास्थ्य सुविधाएं इसका नतीजा हैं।

उन्होंने भारतीय संस्कृति और दर्शन की ताकत पर जोर देते हुए कहा कि संकट में हमें वेद, गीता, रामायण और महाभारत की ओर देखना चाहिए, जो हमें बताता है कि हमें कभी भी कर्तव्यपथ से नहीं हटना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश की प्रगति पर कहा कि इस प्रांत ने देश को पहला वॉटर-वे दिया है। पहली रैपिड रेल यूपी में है। यहां संभावनाओं के बुलबुले उठ रहे हैं। उन्होंने आपातकाल को इतिहास का काला अध्याय बताते हुए कहा कि लोग कहते हैं जनता की मेमोरी शॉर्ट होती है, लेकिन क्या हम इमरजेंसी को भूल गए हैं? उपराष्ट्रपति ने सभी को संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने और लोकतंत्र की मजबूती के लिए सहयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और वाग्देवी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति को गंगाजल से भरा अमृत कलश भेंट किया। राज्यपाल की बेटी अनारबेन पटेल ने सुदेश धनखड़ और आनंदीबेन पटेल का सम्मान किया, जबकि उनके बेटे संजय भाई ने मुख्यमंत्री और स्वामी चिदानंद सरस्वती को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल की जीवनी पर आधारित एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया। वहीं अनारबेन पटेल ने अपनी मां के प्रेरक जीवन के संस्मरण साझा किए, जबकि स्वामी चिदानंद मुनी ने आनंदीबेन के जीवन को एक संदेश बताया। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति की पत्नी सुदेश धनखड़, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्वामी चिदानंद सरस्वती, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, राज्यपाल की आत्मकथा के लेखक अशोक देसाई, पंकज कुमार जानी और विनय जोशी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आत्मबल और परिश्रम से आता है सामाजिक परिवर्तन : आनंदीबेन

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने जीवन संघर्षों की व्यापक चर्चा करते हुए कहा कि यह पुस्तक आत्मबल, परिश्रम और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायक गाथा है जो नारी शक्ति, सामाजिक बदलाव और आत्मनिर्भरता का जीवंत दस्तावेज है। राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को स्मरणीय बना दिया। उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी स्वयं आयुर्वेदाचार्य हैं और अपने साथ-साथ दूसरों का उपचार भी करती हैं। यह अपने आप में महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का गुरुवार को बख्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर स्वागत करती राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

यह नवपीढ़ी के लिए मार्ग दर्शक ग्रंथ है : सीएम योगी

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संघर्षों और प्रेरणादायक जीवन पर आधारित पुस्तक चुनौतियां मुझे पसंद हैं का विमोचन किया। गुरुवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के संघर्षमय जीवन की शून्य से शिखर तक की प्रेरणादायक यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यह पुस्तक नवपीढ़ी के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ की तरह है।

सीएम योगी ने कहा कि गुजरात के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सबसे बड़े राज्य की राज्यपाल बनने तक की यात्रा आसान नहीं थी।

यह पुस्तक बताती है कि जब कोई महिला सामाजिक बंधनों, संसाधनों की कमी और परिस्थितियों की चुनौतियों के बावजूद दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ती है, तो वह समाज के लिए एक प्रेरणा बन जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चुनौतियां मुझे पसंद हैं पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं बल्कि जीवन के हर उस पहलू को उजागर करती है जो संघर्षों के बाद सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी कहती है। उन्होंने इसके लेखक विनय जोशी, अशोक देसाई और पंकज जानी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस ग्रंथ को 14 अध्यायों में उस तरह रचा है जैसे समुद्र मंथन से निकले 14 रत्न। सीएम योगी ने कहा कि हम अक्सर शिखर देखते हैं लेकिन यह नहीं देखते कि उस शिखर की नींव कितने संघर्षों से बनी है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कोई भी व्यक्ति यदि कठिनाइयों का सामना हिम्मत और संकल्प के साथ करता है तो वह दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति को कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने वाला बताते हुए कहा कि महाकुंभ के समय भी उपराष्ट्रपति जी की उपस्थिति ने हमें नई प्रेरणा दी थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उपराष्ट्रपति जी के मार्गदर्शन में महाकुंभ को वैश्विक पहचान मिली। सीएम योगी ने लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ज़रूरी बताते हुए कहा कि चुनौतियां मुझे पसंद हैं जैसी रचनाएं लोकतंत्र को मजबूत करने वाली होती हैं। यह पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र, संघर्ष, आत्मविश्वास और नारी शक्ति का समग्र चित्रण है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लामार्ट ग्राउंड से विदाई देतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सपाइयों की करतूत : बाबा साहेब के अपमान के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत गुरुवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर खूब बरसे। आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया और लखनऊ के पुलिस आयुक्त को दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने को कहा। गौरतलब है कि समाजवादी लोहिया वाहिनी के पोस्टर (जिसमें भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी) के

चित्र को खंडित करते हुए उसके आधे भाग पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चित्र को प्रदर्शित किया गया है। श्री रावत ने इस कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि महापुरुषों का अपमान और राष्ट्र विरोधी तत्वों का महिमामंडन सपा की फितरत है।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग की ओर से स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त लखनऊ को पत्र लिखा कि दोषियों के विरुद्ध अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत करते हुए कार्रवाई करें। अध्यक्ष ने 05 मई को सुबह 11.30 बजे आयोग के समक्ष भिज्ञ अधिकारी के माध्यम से आख्या प्रस्तुत करने को कहा। रावत ने कहा कि यह कृत्य बाबा साहेब का घोर अपमान एवं निंदनीय कार्य है। यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज की आस्था के साथ खिलवाड़ है। समाज बाबा साहेब का यह अपमान सहन नहीं करेगा। समाजवादी पार्टी ने हमेशा बाबा साहेब और दलितों का अपमान किया है। समाजवादी पार्टी को इस घृणित कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को बाबा साहेब के बराबर मानना दूषित मानसिकता का परिचायक है। बाबा साहेब के साथ फोटो लगाने के बारे में सोचना भी अपराध है। सत्ता में रहें या विपक्ष में, सपा सुप्रीमो बार-बार दलित समाज का अपमान करते हैं। उनका दलित विरोधी कृत्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर दिखेगी वायुसेना की ताकत

राफेल से लेकर जगुआर और मिराज करेंगे लैंडिंग

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर भारतीय वायुसेना ऐतिहासिक ट्रायल करने जा रही है। शुक्रवार को शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे पर बने 3.5 किमी. लंबे एयर स्ट्रिप पर एयरफोर्स अपनी ताकत दिखाएगी। इस मिशन में वायुसेना के सबसे एडवांस फाइटर और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट्स को टेकऑफ और लैंड कराया जाएगा। इसमें राफेल से लेकर जगुआर और मिराज जैसे लड़ाकू विमान शामिल होंगे। इस एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेस-वे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ही शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे पर तैयार 3.50 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाई पट्टी का निरीक्षण किया था। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन-रात लैंडिंग कर सकेंगे। फाइटर प्लेन यहां पूर्वाभ्यास भी कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से

हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

एयर शो को देखते हुए इंडियन एयरफोर्स ने हवाई पट्टी को अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया है। एयरफोर्स के जवान और यूपीडा से जुड़े अधिकारी इस एयर शो के संचालन में जुटे हैं। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एयर शो का आयोजन दिन और रात दोनों समय किया जाएगा, ताकि एयर स्ट्रिप की नाइट लैंडिंग कैपेबिलिटी का भी टेस्ट किया जा सके। शो के दौरान फाइटर जेट्स टेस्टिंग के लिए एयर स्ट्रिप पर एक मीटर ऊंचाई पर उड़ान भरेंगे। इसके बाद फाइटर जेट्स एयर स्ट्रिप पर लैंड करेंगे और फिर टेकऑफ भी करेंगे। इसके बाद शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक फिर यही एक्सरसाइज की जाएगी। सभी फाइटर जेट्स बरेली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरेंगे। इस दौरान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस राठौर समेत जनप्रतिनिधिगण और एयरफोर्स के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश का चौथा एक्सप्रेस-वे है, जहां पर एयर स्ट्रिप की सुविधा मिलने जा रही है। इससे पूर्व आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर उन्नाव जिले में एक एयर स्ट्रिप बनाई गई है, जबकि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सुल्तानपुर जिले में भी एक एयर स्ट्रिप है। यही नहीं, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे में इटावा जिले के पास एक एयर स्ट्रिप है, जो युद्ध और आपात स्थिति में भारतीय वायुसेना को वैकल्पिक रनवे की सुविधा उपलब्ध कराती है। गंगा एक्सप्रेस-वे न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारत का पहला एक्सप्रेस-वे होगा, जहां रात में भी लैंडिंग की सुविधा प्राप्त होगी। इससे वायुसेना को रात में ऑपरेशन संचालित करने में मदद मिलेगी। इस एयर शो में एक्सप्रेस-वे के वैकल्पिक रनवे उपयोग की तैयारियों का मूल्यांकन होगा, बल्कि भारतीय वायुसेना की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और मल्टी-डोमेन ऑपरेशन का भी प्रदर्शन होगा। यह अभ्यास देश की रक्षा तैयारियों को और मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है। गंगा एक्सप्रेस-वे जैसे स्ट्रैटेजिक प्रोजेक्ट्स का यह उपयोग भारत की सैन्य रणनीति और नागरिक-सैन्य समन्वय को नई ऊंचाई देगा।

आईपीएल 2025 : प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई सीएसके, धोनी बोले-कैच छोड़ना पड़ा भारी

चेन्नई, 01 मई (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बुधवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ ही आईपीएल 2025 में वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। मैच के बाद कप्तान एमएस धोनी ने टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा कि 190 रनों का स्कोर थोड़ा कम था और कुछ जरूरी कैच छोड़ने से उन्हें नुकसान हुआ।

धोनी ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने पहली बार एक अच्छा स्कोर खड़ा किया, लेकिन मुझे लगता है हम थोड़ा पीछे रह गए। बैटिंग यूनिट का प्रयास अच्छा था, लेकिन हमे और रन बनाने चाहिए थे। ब्रेविस और सैम करन की साझेदारी शानदार रही, लेकिन कुछ जरूरी कैच नहीं पकड़ने से विपक्षी टीम को गति मिल गई।

18 बॉल में बिखर गई पारी, चहल की हैट्रिक से लगा झटका

सीएसके की पारी 19.2 ओवर में 190 रन पर सिमट गई। एक समय टीम 14 ओवर में 126/3 पर थी और 200+ स्कोर की ओर बढ़ रही थी। करन और ब्रेविस की 78 रन की साझेदारी ने रन रेट को बढ़ाया, लेकिन 18वें ओवर में करन (88 रन) के आउट होते ही टीम ने अंतिम 14 गेंदों में सिर्फ 18 रन बनाए। 19वें ओवर में युजवेंद्र चहल ने हैट्रिक सहित चार विकेट लिए और चेन्नई ने अंतिम छह विकेट 18 रन में गंवा दिए। सीएसके का सीजन रहा फीका, रन रेट सबसे खराब इस सीजन में चेन्नई का बल्लेबाजी प्रदर्शन लगातार खराब रहा है। टीम का रन रेट (8.23) अब तक का सबसे कम है।

जीआईपीकेएल कबड्डी लीग का भव्य समापनः मराठी वल्चर और तमिल लायनेस बने चैंपियन

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित पहले ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) का समापन मंगलवार को शानदार उत्साह और प्रतिस्पर्धा के बीच हुआ, जिसमें मराठी वल्चर ने पुरुष वर्ग में और तमिल लायनेस ने महिला वर्ग में जीत का परचम लहराया। महिला वर्ग के फाइनल में तमिल लायनेस ने तेलुगु चीता को 31-19 के बड़े अंतर से पराजित कर न केवल खिताब जीता, बल्कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए जीआईपीकेएल चैंपियनशिप ट्रॉफी भी अपने नाम की। तमिल लायनेस की डिफेंस ने 14 टैकल पॉइंट्स और 4 ऑल-आउट पॉइंट्स के साथ विपक्षी टीम को लगातार दबाव में रखा। वहीं, तेलुगु चीता ने 3 सुपर टैकल किए, लेकिन वापसी नहीं कर पाई। पुरुष वर्ग के फाइनल में मराठी वल्चर और तमिल लायन्स के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें मराठी वल्चर ने 40-30 से जीत दर्ज की। कप्तान सुनील नरवाल ने 17 टैकल पॉइंट्स और 4 ऑल-आउट के साथ टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई, जबकि तमिल लायन्स की टीम 21 रेड पॉइंट्स लेने के बावजूद पीछे रह गई। 13 दिन चले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत सहित कई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिससे कबड्डी के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को बल मिला। इस आयोजन ने प्रवासी भारतीयों और भारतीय खेल संस्कृति के बीच एक नया सेतु बनाने का कार्य किया।

न्यूज ब्रीफ

लेडी श्रीराम कॉलेज और किरोड़ी मल कॉलेज बने पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल चैंपियन

नई दिल्ली। लेडी श्रीराम कॉलेज और किरोड़ी मल कॉलेज चौथी पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल प्रतियोगिता में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में चैंपियन बने हैं। महिला वर्ग के फाइनल में लेडी श्रीराम कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 49-31 से हराकर यह प्रतियोगिता जीती और मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर का अवॉर्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की विपासना को मिला। पुरुष वर्ग के फाइनल मैच में किरोड़ी मल कॉलेज ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को 83 -75 से हराकर यह प्रतियोगिता जीती। कॉलेज के दक्ष चौधरी को मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला। प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि हॉकी इंडिया की डायरेक्टर रणजीत गिल थीं। उनके साथ गेस्ट ऑफ आनर इंडियन हॉकी प्लेयर हरजीत सिंह, पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के ज्वाइंट सेक्रेटरी गौतम वढेरा और मेजबान खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह थे। इनके साथ खालसा कॉलेज की डायरेक्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स डॉ इंदरप्रीत कौर नंदा ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किये। दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी (महिला एवं पुरुष) और बास्केटबॉल (महिला एवं पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

मुंबई इंडियंस ने चोटिल विग्नेश पुथुर की जगह रघु शर्मा को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के बीच मुंबई इंडियंस की टीम में

एक बदलाव हुआ है। फ्रेंचाइजी ने 32 साल के स्पिन गेंदबाज रघु शर्मा को अपने साथ जोड़ा है। उन्हें युवा गेंदबाज विग्नेश पुथुर की जगह स्क्वाड में शामिल किया गया है, जो चोटिल होने के चलते शेष सीजन से बाहर हो गए हैं। आईपीएल ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने लेग स्पिनर रघु शर्मा को विग्नेश पुथुर के स्थान पर अनुबंधित किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। रघु मुंबई इंडियंस के साथ बेस प्राइस 30 लाख रुपये में जुड़े हैं। 11 मार्च 1993 को जालंधर (पंजाब) में जन्मे रघु शर्मा दाएं हाथ के लेग-ब्रेक गेंदबाज हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पंजाब और पुडुचेरी का प्रतिनिधित्व किया है। 11 प्रथम श्रेणी मैचों में शर्मा ने 19.59 की औसत से 57 विकेट लिए हैं, जिसमें 7/56 का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में, उन्होंने 9 मैचों में 14 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/37 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने 3 टी20 मैचों में भी हिस्सा लिया है, जिसमें 3 विकेट लिए हैं। विग्नेश ने गेंदबाजी से किया प्रभावित-विग्नेश ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल डेब्यू चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ किया था। उन्होंने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया। विग्नेश ने मौजूदा सीजन में 5 मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल 6 विकेट चटकाए। मुंबई की मजबूत वापसी-पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने इस सीजन शुरुआती पांच मैचों में केवल एक जीत दर्ज की थी, लेकिन इसके बाद टीम ने मजबूत वापसी की। मुंबई ने बाद के लगातार पांच मैचों में जीत दर्ज की। इस तरह टीम 10 मैचों में 6 में जीत और चार हार के बाद अंक तालिका में नंबर 3 पर है।

धीमी ओवर गति के कारण पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। चेपॉक में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर चार विकेट से मिली रोमांचक जीत के बाद पंजाब किंग्स

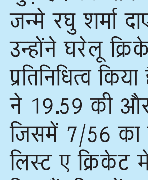

(पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर धीमी ओवर गति के चलते 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल 2025 में यह पीबीकेएस की पहली ओवर-रेट संबंधी गलती है। धीमी ओवर गति के कारण पंजाब को 19वें ओवर से पहले एक अतिरिक्त फील्डर सर्कल के अंदर लाना पड़ा, लेकिन इसका असर युजवेंद्र चहल के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा। चहल ने जादुई गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में चार विकेट चटकाए, जिसमें उनकी दूसरी आईपीएल हैट्रिक भी शामिल रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने सैम करन के 47 गेंदों में 88 रन की बदौलत 18 ओवर में 177/5 रन बना लिए थे और स्कोर 200 पार जाता दिख रहा था।

मुंबई का विजयी अभियान जारी, राजस्थान को 100 रन से हराया

कर्ण-बोल्ट को तीन विकेट मिले

जयपुर, 01 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2025 सत्र अब अपने रोमांच की पराकाष्ठा पर है। लीग में लगातार दूसरे दिन एक और टीम की प्लेऑफ की दौड़ से विदाई हो गई है। चेन्नई सुपर किंग्स को उसके ही मैदान चेपॉक पर पंजाब किंग्स ने शर्मनाक हार दी थी तो अब मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को उसके ही मैदान पर 100 रनों की शर्मनाक हार देते हुए प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। मुंबई इंडियंस ने रियान रिकल्टन, रोहित शर्मा, सूर्या और हार्दिक पंड्या की तूफानी बैटिंग के दम पर 218 रनों का लक्ष्य दिया, जिसके आगे राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज बुरी तरह फेल रहे। पिछले मैच के शतकवीर वैभव सूर्यवंशी खाता खोले बिना आउट हुए तो विकेटों की झड़ी लग गई।इस तरह 2012 के बाद पहली बार मुंबई ने सवाई मान सिंह स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स को हराया। इस तरह से राहुल द्रविड़ की टीम प्लेऑफ से बाहर हो गई है। उसके 11 मैचों में सिर्फ 3 जीत है, जबकि 8 हार। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस अब पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। उसके आरसीबी के बराबर 14 पॉइंट हैं, लेकिन नेट रन रेट में हार्दिक पंड्या की टीम विराट कोहली की टीम से आगे है। गुजरात के खिलाफ 210 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा किया था, जबकि यहां भी राजस्थान को ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मुंबई के कातिल गेंदबाजों ने मैदान पर उतरते ही कत्लेआम मचा दिया। पिछले मैच के शतकवीर वैभव सूर्यवंशी को दीपक चाहर ने बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल को 13 रनों पर ट्रेंट बोल्ट ने बोल्ड किया। नीतीश राणा भी ट्रेंट बोल्ट के शिकार बने, जबकि सिर्फ 9 रन बना सके। देखते ही देखते बल्लेबाज आते गए और लौटते गए।91 रनों के टीम स्कोर पर राजस्थान ने 9 विकेट गंवा दिए थे, जिसमें एक बार बुमराह हैट्रिक पर भी आए। उन्होंने रियान पराग को 16 और शिमरन हेटमायर को बिना खाता खोले आउट किया। आखिरी में जोफ्रा आर्चर ने कुछ शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं था। सिर्फ हार का अंतर कम हुआ। मुंबई के लिए सबसे अधिक कर्ण शर्मा और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 विकेट झटके, जबकि ट्रेंट बोल्ट के नाम 2-2 विकेट रहे।मुंबई इंडियंस को रियान रिकल्टन और रोहित शर्मा ने दी गजब शुरुआत

इससे पहले रेयान रिकल्टन और रोहित शर्मा के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दो विकेट पर 217 रन बनाए। रिकल्टन ने 38 गेंद में तीन छक्कों और सात चौकों से 61 रन की पारी खेलने के अलावा रोहित (53 रन, 36 गेंद, नौ चौके) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़कर मुंबई को ठोस मंच प्रदान किया। कप्तान हार्दिक पंड्या (नाबाद 48, 23 गेंद, छह चौके, एक छक्का) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 48, 23 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने अंतिम ओवरों में 44 गेंद में 94 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।रॉयल्स की ओर से महेश तीक्ष्णा (47 रन पर एक विकेट) और रियान पराग (12 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया लेकिन सभी गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद रेयान रिकल्टन और रोहित शर्मा ने पावर प्ले में 58 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने फजलहक फारूकी और महेश तीक्ष्णा पर चौकों के साथ शुरुआत की जबकि रिकल्टन ने फारूकी की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।

एशियन चैंपियंस लीग से बाहर हुई क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अल-नासर, जापान की कावासाकी ने किया बड़ा उलटफेर

जेद्दाह, 01 मई (एजेंसियां)।

एशियन चैंपियंस लीग एलाइट के सेमीफाइनल में बुधवार देर रात एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब जापानी क्लब कावासाकी फ्रंटेल ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल-नासर को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। सऊदी प्रो लीग की इस महंगी टीम को उस वक्त झटका लगा जब यूटो ओजेकी और अकीहिरो इएनागा ने गोल दागे। हालांकि सादियो माने और ऐमान याह्या ने अल-नासर के लिए वापसी की कोशिश की, लेकिन अंत में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

शानदार शुरुआत के साथ कावासाकी ने पकड़ी पकड़

कतर की अल-सद को क्वार्टरफाइनल में हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी कावासाकी फ्रंटेल ने सेमीफाइनल में भी तेज शुरुआत की। मैच के 10वें मिनट में तत्सुया इटो ने शानदार वॉली के जरिए गोल दागा और कावासाकी को 1-0 की बढ़त दिलाई। माने ने दिलाई उम्मीद, लेकिन पहले हाफ में ही फिर पिछड़ी अल-नासर 28वें मिनट में सादियो माने ने रोनाल्डो की टीम को बराबरी दिलाई। उनका शॉट जापानी डिफेंडर मारुयामा के कंधे से हल्का डिफ्लेक्ट होकर गोल में गया। इसके बाद रोनाल्डो ने हेडर और ओवरहेड किक से गोल की कोशिशें कीं लेकिन सफलता नहीं मिली। पहले हाफ के खत्म होने से चार मिनट पहले इटो की तेज दौड़ और शॉट पर बेंटो ने बचाव किया लेकिन ओजेकी ने रिबाउंड पर गोल दाग दिया।

दूसरे हाफ में इएनागा का गोल बना निर्णायक

दूसरे हाफ में अल-नासर ने वापसी की कोशिशें तेज कीं, लेकिन 76वें मिनट में कावासाकी के सब्स्टीट्यूट एरिसन ने शानदार मूव बनाते हुए इएनागा को पास दिया, जिन्होंने तीसरा गोल दागा। 87वें मिनट में ऐमान याह्या ने दूर से गोल कर स्कोर 3-2 किया और रोमांच भर दिया। रोनाल्डो की कोशिशें नाकाम, कावासाकी ने रचा इतिहास आखिरी पलों में रोनाल्डो ने दो बार गोल करने की कोशिश की लेकिन जापानी गोलकीपर यामागुची ने शानदार बचाव किया।

अडानी स्पोर्ट्सलाइन ने जीएसटीए टेनिस टूर्नामेंट का किया ऐलान

अडानी ग्रुप की स्पोर्ट्स इकाई अडानी स्पोर्ट्सलाइन ने गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन (जीएसटीए) के साथ मिलकर जीएसटीए टेनिस टूर्नामेंट 2025 की घोषणा की है। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 24 से 27 मई तक अहमदाबाद के पालडी स्थित साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क में आयोजित की जाएगी। 24 से 27 मई तक साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क में होगा आयोजन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण (एक मई) से शुरू होकर 22 मई तक होगा। इस टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। इसका उद्देश्य गुजरात के उभरते और अनुभवी टेनिस खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करना है। हर आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए मौके टूर्नामेंट में जूनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ वरिष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए भी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

आईपीएल 2025 : मैक्सवेल की उंगली में फ्रैक्चर, सीजन लगभग समाप्त

नई दिल्ली , 01 मई (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025)में पंजाब किंग्स के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का सीजन लगभग खत्म हो गया है। कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ टॉस के दौरान पुष्टि की कि मैक्सवेल की उंगली में फ्रैक्चर हुआ है। उन्होंने कहा कि फिलहाल टीम ने उनके रिप्लेसमेंट को लेकर कोई फैसला नहीं किया है।

श्रेयस ने कहा, यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैक्सवेल की उंगली फ्रैक्चर हो गई है। ईमानदारी से कहूं तो हमने अभी तक रिप्लेसमेंट पर कोई फैसला नहीं लिया है। लेकिन हमारी टीम का माइंडसेट मजबूत है और हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो बाहर से आकर मैच जिताने की काबिलियत रखते हैं।

स्टोइनिस ने किया बड़ा खुलासा, बोले- सीजन खत्म मानिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर और मैक्सवेल के साथी खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस ने भी पुष्टि की कि मैक्सवेल की चोट गंभीर है। उन्होंने बताया कि यह चोट पिछले मुकाबले से पहले प्रैक्टिस के दौरान लगी थी, लेकिन तब मैक्सवेल ने इसे हल्का समझा। स्टोइनिस ने कहा, उसे लगा था कि चोट हल्की है लेकिन स्कैन के बाद हालात खराब निकले। ऐसे में लगता है कि उनका सीजन यहीं खत्म हो गया है। गौरतलब है कि इस सीजन मैक्सवेल का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। उन्होंने सात मुकाबलों में केवल 48 रन बनाए हैं। जबकि 11 सीजन पहले इसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उन्होंने 552 रन ठोककर तहलका मचाया था। वहीं, आरसीबी के लिए 2021 और 2023 में भी उन्होंने धमाकेदार प्रदर्शन किया था। पोंटिंग ने कहा- भारतीय विकल्पों पर भी नजर, जल्द होगा फैसला पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने मैच के बाद बताया कि टीम रिप्लेसमेंट की तलाश में है, लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की वजह से विदेशी विकल्प ढूंढना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा, हम भारतीय खिलाड़ियों को भी देख रहे हैं। कुछ युवा खिलाड़ी हमारे साथ ट्रेनिंग कर चुके हैं और उन्हें धर्मशाला ले जाएंगे। हो सकता है उनमें से किसी को मौका मिल जाए। पोंटिंग ने यह भी स्पष्ट किया कि टीम 12वें मुकाबले से पहले रिप्लेसमेंट पर अंतिम फैसला ले लेगी। उन्होंने कहा कि जब तक धर्मशाला नहीं पहुंचते, तब तक कुछ खिलाड़ी जैसे हार्डी और बार्टलेट कंडीशन के हिसाब से मौका पा सकते हैं। फिलहाल स्क्वाड में हैं 6 विदेशी खिलाड़ी पंजाब किंग्स के पास इस समय केवल 6 विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध हैं और उन्होंने चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में केवल 3 विदेशी खिलाड़ियों को खिलाया। मैक्सवेल की जगह युवा भारतीय खिलाड़ी सूर्यांश शेडगे को प्लेइंग इलेवन में मौका मिला।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनलः इंटर मिलान से दो बार पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने 3-3 से की बराबरी

ओलंपिक स्टेडियम में रोमांचक भिड़ंत, यामाल ने रचा इतिहास समर का आत्मघाती गोल बना बराबरी का कारण

बार्सिलोना, 01 मई (एजेंसियां)।

चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले चरण में बुधवार को बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेले गए मुकाबले में फैंस को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। इंटर मिलान जहां दो बार बढ़त लेने में कामयाब रही, वहीं बार्सिलोना ने दोनों बार शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 3-3 की बराबरी पर खत्म किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में युवा लमिन यामाल ने एक ऐतिहासिक गोल दागा और दो बार गेंद को बार पर भी मारा। 30वें सेकंड में थुराम का रिकॉर्ड गोल, डम्फ्रीज ने दागा दूसरा मैच की शुरुआत ही

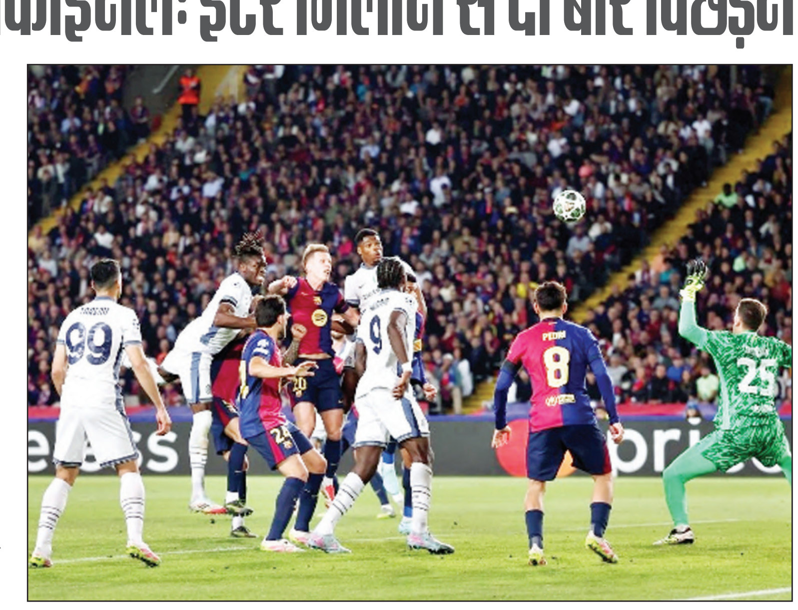

धमाकेदार रही। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने मुकाबले की शुरुआत के महज 30वें सेकंड में शानदार बैकहील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल कर डाला। इसके बाद डेंजल डम्फ्रीज ने कॉर्नर से मिले मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और इंटर को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

यामाल की मैजिकल वापसी, सबसे युवा सेमीफाइनल स्कोरर बने

हालांकि बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में शानदार एकल प्रयास से गोल दागा और टीम को वापसी की राह दिखाई। यह गोल उन्हें चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना गया। यामाल ने थुराम को पीछे छोड़ा, मखितारियन को छकाया और फिर बाएं पोस्ट से गेंद को गोल में डाला।

टोरेस ने किया स्कोर 2-2, इंटर ने फिर ली बढ़त

पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफिन्हा ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फेरान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लोज रेंज से गोल किया। स्कोर 2-2 हो गया। हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने एक बार फिर हेडर से गेंद डाली, जो ओल्मो से लगकर गोल में चली गई और इंटर को तीसरी बार बढ़त मिली।

सोमर का आत्मघाती गोल, बार्सिलोना ने फिर की बराबरी

इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। यामाल के कॉर्नर को रफिन्हा ने बॉक्स के किनारे से ताकतवर शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर गोलकीपर सोमर के सिर पर टकराया और गोल में चला गया। यह आत्मघाती गोल स्कोर 3-3 कर गया।

टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को, 01 मई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एग्जिक्यूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। ट्रंप प्रशासन के साथ मस्क की भागीदारी के कारण ऐसा संभव है।

रिपोर्टों के मुताबिक ईवी कंपनी की बिक्री और मुनाफे में गिरावट देखी गई है, जबकि अमेरिका की सरकारी एजेंसी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी में मस्क की भूमिका को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला बोर्ड के सदस्य ने मस्क से मुलाकात की और उनसे कंपनी को अधिक समय देने के लिए आग्रह भी किया। मस्क ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह ट्रंप प्रशासन को दिए जाने वाले समय में कटौती करेंगे और अपनी कई कंपनियों को चलाने पर ध्यान देंगे। संघीय रोजगार को कम करने के लिए बनाई गई संस्था सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में उनकी भूमिका ने निवेशकों की आलोचना की है। बता दें सरकारी दक्षता विभाग दूसरे ट्रम्प प्रशासन द्वारा संघीय खर्च में कटौती करने की पहल है। यह डोनाल्ड ट्रम्प और एलन मस्क के बीच चर्चा से उभरा, और 20 जनवरी, 2025 को एक कार्यकारी आदेश द्वारा स्थापित किया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में गिरावट, इकानॉमी में गिरावट से मंदी की आहट

नई दिल्ली। अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट आने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह तीन सालों में पहली बार है जब अमेरिका की आर्थिक स्थिति में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को इसकी प्रमुख वजह मानी जा रही है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के अनुसार पिछली तिमाही में जीडीपी में 0.3 फीसदी की सालाना गिरावट आई थी। मार्च में माल के व्यापार घाटे के चलते भारी आयात होने से अर्थशास्त्रियों ने अपने जीडीपी के अनुमान घटा दिए हैं। अमेरिकी आयात में पहली तिमाही में तेजी आई है, जो ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए अमेरिकी कंपनियों ने की गई। चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ी थी, लेकिन पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट से बाजार में सतर्कता बढ़ी है। ट्रंप के फिसलने वाले अर्थनीतिक कदमों और चीन के साथ चरमपंथी ट्रेड वॉर के मद्देनजर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई बढ़ने और मंदी आने की आशंका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस ठीक करने का प्रयास किया है, लेकिन भावुकता बाजार की स्थिति में गहराई बढ़ गई है ।

बॉलीवुड स्टार्स और क्रिकेटर्स ने प्री-आईपीओ में किया निवेश

मुंबई। करमतारा इंजीनियरिंग, रिन्यूबल एनर्जी और ट्रांसमिशन सेक्टर्स के प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी ने प्री-आईपीओ राउंड में धमाकेदार निवेश किया है। इस इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा जारी किए गए समाचार के मुताबिक, बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने 5 करोड़ रुपये का निवेश करके 1,61,300 शेयर खरीदे हैं। आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर ने भी निवेश करने का फैसला लिया आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर भी इस आईपीओ में शामिल होकर निवेश करने का फैसला लिया है। साथ ही कंपनी के प्रमोटर्स तनवीर सिंह और राजीव सिंह ने 310 रुपये प्रति शेयर के दाम पर 34,09,724 इक्विटी शेयर ट्रांसफर किए हैं। इस मामूली तिथिक पेपर से कंपनी को 106 करोड़ रुपये की वैल्यू मिली है। करमतारा इंजीनियरिंग ने जनवरी में बाजार नियामक सेबी के पास प्रीलिमनेरी पेपर्स जमा करके आईपीओ के जरिए 1750 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मांगी है। इस आईपीओ में 1350 करोड़ रुपये के शेयरों का फ्रेश इश्यू और 400 करोड़ रुपये के ऑफर फॉर सेल होगा। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 102.65 करोड़ रुपये का बाद टैक्स मुनाफा हुआ था। आईपीओ के ड्राफ्ट पेपर्स में कंपनी ने बताया है कि वह विंड एनर्जी सेक्टर में उतर रही है और एक मूलांकन प्लांट लगा रही है।

एटीएम से पैसे निकालना हुआ महंगा एक महीने में सीमित ट्रांजैक्शन फ्री

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1 मई से लागू होने वाले नए एटीएम दिशा-निर्देशों की घोषणा की है, जिनके तहत एटीएम से पैसे निकालना अब पहले से महंगा हो गया है। नए नियमों के अनुसार,

ग्राहकों को हर महीने केवल कुछ फ्री ट्रांजैक्शन की सुविधा मिलेगी, जिससे अतिरिक्त शुल्क से बचने के लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नए दिशा-निर्देशों के पालन में कई बड़े बैंकों ने अपने नियमों में बदलाव किए हैं, जिससे ग्राहकों को ध्यान देना होगा। यदि कोई ग्राहक तय सीमा से अधिक बार एटीएम का उपयोग करता है, तो उसे हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर 23 देने होंगे। पहले यह शुल्क 21 था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान की...

वाले विदेश नीति निर्णयों से जुड़ी एक गलती बताया।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करती रही है। इन समूहों ने अफगान नागरिकों, सरकारी संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय बलों पर कई घातक हमले किए हैं। इनमें 2008 में काबुल स्थित भारतीय दूतावास पर हमला और 2011 में अमेरिकी दूतावास पर हमला शामिल हैं। वरिष्ठ पत्रकार कार्लोटा गॉल ने अपनी किताब में लिखा कि दूतावास पर बमबारी आईएसआई एजेंट की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनुमोदित और नियंत्रित की गई कार्रवाई थी।

रूस की राजधानी मास्को में 2024 में हुए कन्सर्ट हॉल हमले की जांच में भी पाकिस्तान का संबंध सामने आया है। रूसी अधिकारियों ने मास्टरमाइंड की पहचान ताजिक नागरिक के रूप में की और उसके पाकिस्तानी नेटवर्क से संभावित जुड़ाव की जांच कर रहे हैं। शुरुआती जांच के अनुसार, हमलावरों को रसद या वैचारिक समर्थन पाकिस्तान से मिलने की बात कही जा रही है। पाकिस्तान स्थित सुन्नी आतंकी संगठन जैश-उल-अदल ने कई बार ईरानी सुरक्षाबलों पर हमला किया है। 16 जनवरी 2024 को ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ड्रोन और मिसाइल हमले किए। उसका निशाना जैश-उल-अदल के ठिकाने थे। ईरान अकसर पाकिस्तान पर आरोप लगाता रहा है कि वह इन सुन्नी आतंकियों को शरण देता है और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करता।

7 जुलाई 2005 को लंदन में हुए बम धमाकों को चार ब्रिटिश इस्लामी आतंकियों ने अंजाम दिया था। इनका प्रशिक्षण और ब्रेनवॉश पाकिस्तान में हुआ था। तीन हमलावर मोहम्मद सिद्दीक खान, शहजाद तनवीर और जर्मेन लिंडसे ने 2003 से 2005 के बीच पाकिस्तान में समय गुजारा था। 2011 में अमेरिका ने अल कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया था। बिन लादेन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी के पास वर्षों तक बिना किसी की नजर में आए रहा। इससे आईएसआई की संलिप्तता पर सवाल उठे।

पाकिस्तान की आईएसआई पर आरोप लगता रहा है कि उसने प्रतिबंधित इस्लामी समूह जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को धन और प्रशिक्षण दिया। यह गुट 2016 के ढाका के गुलशन कैफे हमले के लिए जिम्मेदार था। इस हमले में 20 बंधक मारे गए थे। 2015 में बांग्लादेश ने पाकिस्तानी राजनयिकों को जेएमबी के लिए धन स्थानांतरित करते हुए रंगे हाथ पकड़ा था और बाद में इन्हें निष्कासित कर दिया गया था। 2020 की खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, आईएसआई ने बांग्लादेश के कॉक्स बाजार शिविरों में 40 रोहिंग्या शरणार्थियों को जेएमबी के जरिए प्रशिक्षण दिलाया ताकि उनकी भारत में घुसपैठ कराई जा सके।

पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, वजीरिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी प्रशिक्षण शिविर फैले हुए हैं। ये शिविर लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और आईएसआईएस-खोरासान जैसे समूहों द्वारा संचालित होते हैं। ये शिविर कट्टरपंथी बनाने, हथियारों का प्रशिक्षण देने और आत्मघाती हमलों की तैयारी के लिए जाने जाते हैं। कई बार पूर्व पाकिस्तानी सैनिक व अधिकारी भी इन प्रशिक्षणों में मदद करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की आतंकवाद पर देश रिपोर्ट 2019 ने पाकिस्तान को एक ऐसे देश के रूप में पहचाना है, जो कुछ क्षेत्रीय रूप से केंद्रित आतंकवादी समूहों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह के रूप में काम करता रहा है। पाकिस्तान सेना और आतंकवाद : एक अपवित्र गठबंधन नामक एक रिपोर्ट में, यूरोपीय फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज ने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान, इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और कट्टरपंथी धार्मिक नेताओं के बीच गहरे संबंध को उजागर किया है।

संवेदनशीलता और...

विशेष प्रयासों की जरूरत है। यहीं पर रचनात्मक दुनिया (क्रिएटिव वर्ल्ड) महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारा लक्ष्य इंसानों को रोबोट में बदलना नहीं होना चाहिए, बल्कि हम सभी के बीच अधिक संवेदनशीलता और मानवता को बढ़ावा देना चाहिए। इंसान की समृद्धि इन्फोर्मेशन के पहाड़ से नहीं आएगी, ये टेक्नोलॉजी की स्पीड और रीच से भी नहीं आएगी। इसके लिए हमें गीत, संगीत, कला, नृत्य को महत्व देना होगा। हजारों सालों से ये मानवीय संवेदना को जागृत रखे हुए हैं। हमें इसे और मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि यह भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। विषयवस्तु, रचनाशीलता और संस्कृति (कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर) ये ऑरेंज इकॉनमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में हो रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय सामग्री को उपशीर्षक के साथ देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से फिल्म निर्माण, डिजिटल सामग्री, गेमिंग, फैशन और संगीत के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। लाइव मनोरंजन उद्योग, विशेष रूप से लाइव कन्सर्ट भी देश में विकास की अपार संभावनाएं रखता है। वर्तमान में वैश्विक एनीमेशन बाजार का मूल्य 430 बिलियन डॉलर से अधिक है और अगले दशक में इसके दोगुना होने का अनुमान है। यह भारत के एनीमेशन और ग्राफिक डिज़ाइन उद्योग के लिए वैश्विक स्तर पर खुद को स्थापित करने और विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर देता है।उन्होंने युवाओं से कहा कि आज हमारी युवा पीढ़ी को कुछ मानवता विरोधी विचारों से बचाने की जरूरत है। वेब्स एक ऐसा मंच है जो ये काम कर सकता है। यदि हम इस जिम्मेदारी से पीछे हट गए तो युवा पीढ़ी के लिए बहुत घातक होगा। आज टेक्नोलॉजी ने क्रिएटिव वर्ल्ड के लिए खुला आसमान बना दिया है। इसलिए अब ग्लोबल कॉर्डिनेशन भी उतना ही जरूरी है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ये प्लेटफार्म हमारे क्रिएटर्स को ग्लोबल स्टोरी टेलिस्टोरर से कनेक्ट करेगा। हमारे एनिमेटर्स को ग्लोबल विजनरी से जोड़ेगा।

नौसेना ने...

इससे इंधन की खपत काफी बढ़ेगी जिसका असर विमान के किराए पर भी दिखेगा। यात्री पाकिस्तानी विमान से यात्रा करने से कतरा सकते हैं जिससे एयरलाइंस को राजस्व का नुकसान हो सकता है। पाकिस्तान ने पहले ही अपना हवाई क्षेत्र भारतीय विमानों के लिए बंद कर दिया था। भारत ने पाकिस्तानी एक्शन का जवाब दिया है। अब दोनों देशों के विमान एक-दूसरे के एयरस्पेस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। भारत का एयरस्पेस पाकिस्तान से कहीं बड़ा है, ऐसे में पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भारत के ताबड़तोड़ एक्शन और सैन्य तैयारी को देखते हुए पाकिस्तान घबरा गया है। उसने अपनी खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद असीम मलिक को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार यानी एनएसए भी बना दिया है। घबराहट में पाकिस्तान ने आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के चीफ हाफिज सईद की सुरक्षा बढ़ा दी है। उसे स्पेशल सर्विस ग्रुप के पूर्व कमांडरों की सुरक्षा में रखा गया है। लाहौर के घनी आबादी वाले इलाके में सईद का ठिकाना है जो मदरसे और मस्जिद से सटा हुआ है ताकि उसे मारने से पहले भारत को पाकिस्तानी नागरिकों की सुरक्षा की चिंता रहे।

बेहद गंभीर वक्त...

देश का हर एक नागरिक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक साथ खड़ा है। कोई ऐसी मांग मत कीजिए, जिससे सेना के मनोबल पर असर पड़ता हो। याचिका में पहलगाम हमले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई थी। याचिका फतेश कुमार शाहू, जम्मू कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद और विक्की कुमार ने दाखिल की थी। याचिका में हमले की जांच के अलावा केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि जज आतंकी मामलों की जांच के विशेषज्ञ नहीं होते हैं। इस महत्वपूर्ण समय में देश के हर नागरिक ने आतंकवाद से लड़ने के लिए हाथ मिलाया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या वे सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं। कोर्ट ने उनसे ऐसे मुद्दों को न्यायिक क्षेत्र में नहीं लाने को कहा। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पहलगाम हमले की जांच की निगरानी के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता फतेह कुमार साहू और अन्य को जनहित याचिका वापस लेने के लिए कहा। शीर्ष कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझें और अदालत में ऐसी कोई अपील न करें, जिससे सुरक्षा बलों का मनोबल गिरे।

नक्सलियों के...

ऑपरेशन के लिए जवानों को हेलीकॉप्टर के जरिए हथियार और अन्य जरूरी सामान भेजे गए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ऐलान कर चुके हैं कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा। इस लिहाज से ऑपरेशन करेंगुट्टा अहम है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि नक्सलियों से कोई बात नहीं होगी। सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि नक्सलियों के शीर्ष नेता हिडमा, बरसा देवी और दामोदर के पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन नंबर एक, तेलंगाना स्टेट कमेटी और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के शीर्ष नेताओं समेत 500 से ज्यादा नक्सलियों के करेंगुट्टा पहाड़ी पर होने की खुफिया सूचना मिली थी। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में तेजी आई है। जनवरी 2024 के बाद से 350 नक्सली विभिन्न मुठभेड़ में मारे गए हैं और इनमें से अधिकतर मुठभेड़ बस्तर क्षेत्र में हुई। 29 मार्च को हुए एक एनकाउंटर में 18 नक्सली मारे गए थे। इस साल ही 144 नक्सलियों को निशाना बनाया गया है। इस साल अभी तक 300 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद और सरकार की नीति के तहत पुनर्वास किया गया है। साल 2024 में सात जिलों से मिलकर बने बस्तर क्षेत्र में 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई आर-पार के मोड़ पर पहुंच रही है। नक्सली एक-एक कर अपने ठिकाने हार रहे हैं। सुरक्षाबल उनका सफाया करके उनके ठिकानों पर तिरंगा फहरा रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ 22 अप्रैल, 2025 से चालू हुए सबसे बड़े ऑपरेशन में निर्णायक सफलता मिल रही है। ऑपरेशन का केंद्रबिंदु करेंगुट्टा पहाड़ी है, उससे नक्सली भाग रहे हैं। इस पर सुरक्षाबलों ने तिरंगा फहरा दिया है। इस पहाड़ी को भी छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ, पुलिस और डीआरजी और विशेष कमांडो ने घेर रखा है। सुरक्षाबलों के इस ऑपरेशन के चलते लाल आतंकी घबराए हुए हैं, वह सरकार से अब बात करना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने इससे इनकार कर दिया है।छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र की सीमा जहां मिलती है, वहां पर यह करेंगुट्टा पहाड़ी है। यह 5 हजार फीट की ऊंचाई पर है। पहाड़ी और उसके आसपास घना जंगल है। यहां तक कि आसपास कोई आबादी नहीं है। यहां 22 अप्रैल, 2025 को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन चालू किया था। सुरक्षाबलों को सूचना थी कि यहां हिडमा जैसे कई बड़े नक्सली कमांडर ठहरे हुए हैं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इस पहाड़ी को घेरना चालू किया। इस पहाड़ी पर पुलिस न पहुंचे, इसके लिए माओवादी आईईडी भी लगा रखी थी। सुरक्षाबलों के पहुंचने के बाद उनकी नक्सलियों से मुठभेड़ शुरू हुई। इसमें तीन महिला नक्सली मार गिराई गई। इन पर 8 लाख का इनाम था। इनके अलावा 8 और नक्सली मारे गए। लेकिन उनके शव बरामद नहीं हुए।

सुरक्षाबलों की मजबूती देख कर नक्सली घबरा गए हैं। 200 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा वाले इस इलाके में वह भागने का प्रयास कर रहे हैं। उनके भागने की दिशा तेलंगाना की तरफ है। तेलंगाना की तरफ से उतनी सख्ती न होने के चलते यह नक्सली भागने की फिराक में हैं। नक्सली अब सरकार से सीजफायर करने को कह रहे हैं। सीपीआई माओवादी ने सरकार से अपील की है कि वह उनके सफाए के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन कगार को बंद कर दे। इस सीजफायर को तेलंगाना के नेता भी समर्थन दे रहे हैं। बीआरएस प्रमुख केसीआर भी यही अपील कर चुके है। तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी इस पर विचार करने की बात कर चुके हैं। लेकिन वर्षों से नक्सलवाद का दंश झेल रहे छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार इस मूड में नहीं है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने सीजफायर करने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने कहा, शांति समझौता करने के लिए कुछ लोग इकट्ठा हो रहे हैं। ये कौन लोग हैं? ये तब कहां थे जब दरभाडोरा में 27 नागरिकों को नक्सलियों ने मार दिया था? जब बस्तर के आदिवासियों की हत्या हुई थी तब ये लोग कहां थे। अभी यह कैसे उभर कर आ रहे हैं झीरम घाटी में जब इतने लोग मार दिए गए तब यह सब कहां थे? इनसे क्यों बात की जाए? जिन नक्सलियों को बात करनी है वह मुख्यधारा में आएं, वरना कोई बात नहीं होगी।

गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों का सम्पूर्ण सफाया करने के लिए 31 मार्च 2026 का समय दिया है। इसे लिए लगातार ऑपरेशन हो रहे हैं। 2024 में सुरक्षाबलों ने 290 नक्सली मारे थे। वहीं 2025 में यह संख्या लगभग 130 पहुंच चुकी है। सैकड़ों की संख्या में नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ लगातार बड़ी सफलताएं हाथ लगी हैं। अब तक कई ऐसे ऑपरेशन छत्तीसगढ़ में हो चुके हैं, जिनमें एक दर्जन से ज्यादा नक्सली एक साथ मार गिराए गए हों। एक रिपोर्ट बताती है कि अब तक 2025 के भीतर छत्तीसगढ़ में 120 से अधिक नक्सली मार गिराए गए हैं। 2025 के पहले दिन से ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों पर शिकंजा कसना चालू कर दिया था। 2 जनवरी, 2025 को बीजापुर में हुई मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए थे। उसके बाद यह सिलसिला चलता ही रहा। 16 जनवरी को हुई एक मुठभेड़ में 18 नक्सली मार गिराए गए थे।

21 जनवरी, 2025 को गरियाबंद पहाड़ी पर हुई एक मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए थे। इनमें नक्सलियों का टॉप कमांडर चलापति भी था। चलापति 1 करोड़ का इनामी नक्सली था। उसके साथ ही एक-दो और भी बड़े कमांडर मारे गए थे। इस वर्ष की सबसे बड़ी मुठभेड़ 9 फरवरी को हुई थी। नेशनल पार्क क्षेत्र में हुए ऑपरेशन के दौरान यहां 31 नक्सली मार गिराए गए थे। यह ऑपरेशन महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबलों ने मिलकर किया था। यह हमला नक्सलियों की एक मीटिंग पर हुआ था। इसी तरह के बड़े ऑपरेशन के चलते नक्सलियों की अब कमर टूट गई है। सुरक्षाबल अब उन इलाकों में घुस रहे हैं, जहां पहले नक्सली एकक्षत्र राज कर रहे थे। उन्हें ग्रामीणों से मिलने वाला समर्थन भी अब कम हो चुका है। दुर्गम इलाकों में चौकियां बनाने के चलते सुरक्षाबल उनकी हर एक मूवमेंट पर नजर रख रहे हैं।

वोटिंग प्रक्रिया ...

अब हर बीएलओ को एक मानक फोटो पहचान पत्र दिया जाएगा ताकि जब वे घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलें तो लोग उन्हें आसानी से पहचान सकें। साथ ही भरोसे से बात कर सकें। हालांकि मामले में चुनाव आयोग का कहना है कि ये सभी कदम विश्वास, पारदर्शिता और सहूलियत बढ़ाने की दिशा में एक मजबूत प्रयास हैं।

विस्तार से देखें तो चुनाव आयोग ने तीन नई पहल शुरू की है। इसके तहत मृत्यु पंजीकरण डेटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त कर मतदाता सूची में सुधार किया जाएगा। दूसरी बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को मानक फोटो पहचान पत्र किए जाएंगे। साथ ही मतदाता सूचना पर्चियों को अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया जाएगा, ताकि मतदाताओं को अधिक जानकारी और सुविधा मिल सके।

चुनाव आयोग का कहना है कि उसकी ये तीन नई पहल भारत में लोकतंत्र को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देने और निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने में सहायक होंगी। इन उपायों को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने इस वर्ष मार्च में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान सुझाए थे।पहली पहल के तहत चुनाव आयोग इलेक्ट्रॉनिक तरीके से अब रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया से मौत के पंजीकरण का डेटा प्राप्त करेगा। इससे निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारियों (ईआरओ) को पंजीकृत मौतों की समय पर जानकारी मिलेगी और मतदाता सूची को अपडेट किया जाएगा। बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को फील्ड विजिट के जरिए इस जानकारी की पुनः जांच करने में भी मदद होगी। दूसरी पहल में मतदाता सूचना स्लिप (वीआईएस) के डिजाइन में सुधार किया जाएगा। नए डिजाइन में मतदाता का क्रमांक और भाग संख्या अधिक स्पष्टता के साथ प्रदर्शित की जाएगी, जिससे मतदाताओं के लिए अपने मतदान केंद्र की पहचान करना और मतदान अधिकारियों के लिए निर्वाचन रजिस्टर में नाम खोजना आसान होगा। तीसरी पहल में सभी बीएलओ को मानक फोटो पहचान पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया है। यह सुनिश्चित करेगा कि नागरिक बीएलओ को पहचान सकें और उनके साथ आत्मविश्वास से बातचीत कर सकें। चुनाव आयोग का कहना है कि बीएलओ मतदाता सत्यापन और पंजीकरण अभियानों के दौरान पहली इंटरफेस होते हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वे जनता के लिए आसानी से पहचाने जा सकें।

एनआईए के ...

इससे पहले, बुधवार को एनआईए की टीम ने करीब सात घंटे तक बायसरन घाटी में जांच की। टीम के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस की बोम डिस्पोजल स्क्वायड (बीडीएस) और फोरेंसिक की टीमें भी थीं। एनआईए की टीम वहां सबूत इकट्ठा करने और तथ्य खंगालने के लिए घटनास्थल गई थी। घटनास्थल से इकट्ठा किए गए सैंपल्स और पूछताछ के दौरान घोड़े वालों और बायसरन में काम करने वाले अन्य लोगों के बयान की भी पड़ताल की जा रही है। बायसरन घाटी के आसपास तीन किलोमीटर के दायरे को खंगाला जा रहा ताकि हमलावर आतंकियों के आने जाने के रूट के बारे में सुराग हाथ लग सके।पहलगाम थाने में एनआईए की टीम 100 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। इनमें जिपलाइन ऑपरेटर मुजम्मिल भी शामिल है जिसपर आरोप है कि आतंकियों के फायरिंग की आवाज सुनने पर उसने तीन बार अल्लाह हू अकबर कहा और पर्यटक को गोलीबारी वाली जगह पर धक्का देकर भेज दिया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 02 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

आगामी रविवार, दि. 4 मई को ललित कला तोरणम नामपल्ली में विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा आयोजित गो महाआरती कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए बीजेपी राष्ट्रीय मंत्री सुनील बंसल, बीजेपी नेता बंगारू श्रुति, विधायक इलेटी महेश्वर रेड्डी, बीजेपी नेता चंद्रशेखर, जैन मुनिराज चंद्रयशविजयजी म.सा., समाजसेवी नरेन्द्र गोयल, जैनरत्न निर्मल संघवी एवं अन्य को आमंत्रित करते हुए अध्यक्ष वैभव सुर्या, डॉ. समता, संयोजक जसमत पटेल, आर. के. जैन, मुकेश चौहान व अन्य।

चन्द्रशेखर तिवारी (प्रदेश महासचिव-संगठन, भारतीय जनता पार्टी, तेलंगाना) को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए मनीष व्यास, राजेश करवा, श्रीराम व्यास, प्रवीण जैन, अविनाश देवड़ा, नारायण सारडा, मोहन सिंह, विनोद सिंह, विपिन रामावत, हरीश शर्मा, रोहित जोहरी एवं शेखर।

अक्षय तृतीया पर अग्रवाल समाज नाचारम-मल्लापुर शाखा द्वारा शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज नाचारम-मल्लापुर शाखा द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकाल में जनसेवा के उद्देश्य से शीतल जल प्याऊ स्थापित किया गया है।

इस पुण्य कार्य का शुभारंभ अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर प्रातः 11:01 बजे मल्लापुर मेन रोड, गोयल स्टील के पास विधिवत रूप से किया गया। प्याऊ का उद्घाटन समाज के अध्यक्ष प्रदीप कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल, महासचिव प्रतीक कुमार नारसरिया, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर केएस सदस्य भुवनेश्वर अग्रवाल, अमावस्या संयोजक सुरेश जीतपुरिया, पुनीत तिवारी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

महिला विंग की सक्रिय भूमिका भी इस कार्यक्रम में देखने को मिली, जिसमें मंदाकिनी अग्रवाल, निशा गुप्ता, श्यामलता अग्रवाल तथा अन्य महिलाओं ने आयोजन में सराहनीय योगदान दिया।

शाखा की ओर से बताया गया कि ग्रीष्मकाल में राहगीरों व ज़रूरतमंदों के लिए यह प्याऊ नियमित रूप से संचालित की जाएगी।

समाज के सदस्यों ने इस सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। जय श्री अग्रसेन जी महाराज के जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भगवान परशुराम जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा तेलंगाना द्वारा भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव धूमधाम से महासभा कार्यालय में मनाया गया। पं. गीरीधारीलाल शर्मा ने मंत्रोच्चार से अध्यक्ष परमेश्वर दयाल शर्मा, महिला अध्यक्ष किरण व्यास, महामंत्री डॉ. महेश शर्मा, संघटन मंत्री दीपक ओझा, मंत्राणी विद्या दवे, हैदराबाद शाखा अध्यक्षा हेमलता शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, सुरेश शर्मा, निरंतन जोशी रामेश्वर जोशी, अरविंद नाराणीया, सूर्य प्रकाय अवस्थी, रविदत्त त्रिवेदी, भानु ओझा, दुर्गा ओझा, अलका व्यास आदि को पूजन करवाया। तत्पश्चात आरती एवं प्रसाद के साथ भजनों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कैडिलाइट ग्रूप एण्ड फाउंडेशन के उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, हैदराबाद ने कैडिलाइट ग्रूप एण्ड फाउंडेशन द्वारा विभिन्न राज्यों के उम्मीदवारों के लिए उद्यमिता विकास संबंधी प्रायोजित कार्यक्रम का संचालन किया गया। गत दि. 21 से 26 अप्रैल 2025 तक आयोजित इस कार्यक्रम में 19 उम्मीदवारों को सामाजिक उद्यमों का संवर्धन तथा सू.ल.म. उद्यमों के विकास की पद्धतियाँ विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।

उल्लेखनीय है कि कैडिलाइट ग्रूप एण्ड फाउंडेशन द्वारा बेरोजगारी की समस्या को खत्म करने के लिए स्कूली बच्चों तथा युवाओं को उद्यमिता संबधी विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण देने के साथ ही युवाओं, बेरोजगार युवक-युवतियों तथा महिलाओं के लिए रोज़गार के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत खासकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के प्रबंधनों से संपर्क कर स्कूली बच्चों और युवक-युवतियों को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।इस प्रयास के अंतर्गत एक विशेष एप का विकास कर संबंधित युवक-युवतियों की रुचि के क्षेत्रों के आकलन कर उन्हें अपने पसंदीदा क्षेत्र से संबंधित मार्गदर्शन मुहैया कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश की जा रही है। निम्समे द्वारा संचालित उद्यमिता संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए उत्तर प्रदेश के साथ ही पंजाब, बिहार, हिमाचल प्रदेश, नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना राज्यों के युवक- युवतियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण सामाजित उद्यमिता, उद्यमिता विकास, उद्यमिता संबंधी भारत सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं, व्यक्तित्व विकास, औद्योगिक इकायों का दौरा आदि बिंदुओं पर आधारित था। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षित युवक-युवतियाँ ने कैडिलाइट ग्रूप एण्ड फाउंडेशन की ओर से विभिन्न राज्यों में स्कूली बच्चों और युवक-युवतियों को आवश्यक मार्गदर्शन करने के साथ ही उद्यमिता संबंधी प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोज़गार प्राप्त करने में सक्षम बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।इस कार्यक्रम के समापर अवसर पर प्रशिक्षित उम्मीदवारों ने इस कार्यक्रम के प्रायोजन के लिए कैडिलाइट ग्रूप एण्ड फाउंडेशन के निदेशक सी. श्यामसुंदर कश्यप, केदारनाथ कौल, दीपक विजयवर्गीय और जीतेश छतरबंद के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) के महानिदेशक डॉ. आशुतोष मुरकुटे, कार्यक्रम निर्देशक के.एस.पी. गौड एवं अन्य सदस्य संकाय के प्रति आभार व्यक्त किये।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता,आशा अग्रवाल,महेश अग्रवाल,संजय गोयल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,अरविन्द गुप्ता,उमा रानी,प्रीतिका अग्रवाल,भगतराम गोयल,ई-जगन (चंपा पेट),गोपाल गोयल,धर्मेन्द्र गोयल,सुरेश सिंघल,सोहनलाल अग्रवाल,मायारामजी अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे ने अप्रैल में तोड़ा माल लोडिंग का रिकॉर्ड

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे ने अप्रैल 2025 में 12.363 मिलियन टन माल लदान कर नया रिकॉर्ड बनाया है। यह आंकड़ा अब तक के किसी भी अप्रैल महीने में सर्वाधिक है। पिछले साल इसी अवधि में 11.640 मिलियन टन माल लदान हुआ था, यानी इस बार 6% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।यह उपलब्धि मुख्य रूप से सीमेंट और लौह अयस्क की अधिक लदान की वजह से संभव हुई। सीमेंट लदान में 18% की वृद्धि हुई है जबकि लौह अयस्क लदान में 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कोयला, जो दमरे का मुख्य लदान उत्पाद है, 6.1 मिलियन टन के साथ स्थिर बना रहा।रेलवे ने मालगाड़ी संचालन को बेहतर बनाने के लिए वैगनों की समय पर आपूर्ति, निगरानी और विशेष उपायों पर जोर दिया। अन्य प्रमुख माल जैसे खाद्यान्न, उर्वरक, इस्पात संयंत्रों के कच्चे माल और कंटेनर आदि ने भी लदान में योगदान दिया।

शिवरामपल्ली में कार में आग लगी, चालक बाल-बाल बचा

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पीवी नरसिम्हा राव (पीवीएनआर) एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 315 के पास बुधवार, 30 अप्रैल को शिवरमापल्ली में एक व्यक्ति की कार में आग लगने से वह बाल-बाल बच गया। यह घटना शिवरामपल्ली में उस समय हुई जब कार हैदराबाद एयरपोर्ट से शहर की ओर जा रही थी। ड्राइवर ने इंजन से धुआं निकलता देखा। इससे पहले कि वह गाड़ी रोक पाता, इंजन से आग लग गई और ड्राइवर ने कार को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और बाहर भाग गया।राजेंद्रनगर फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई।

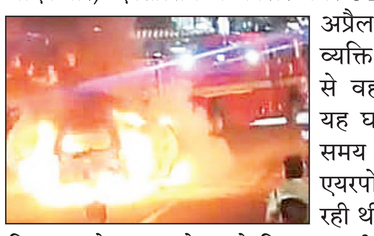

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा डॉक्टरों का अभिनन्दन समारोह कल

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मारवाड़ी समाज से वर्ष 2024-25 में उत्तीर्ण डॉक्टरो का अभिनन्दन समारोह शनिवार 3 मई को रात्रि 7 बजे से राजस्थानी स्नातक असोसिएशन भवन (आरजीए हॉल), आबिड्स में किया जायेगा । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मानद मंत्री अमित कुमार लड्ढा द्वारा दी गई । विज्ञप्ति अनुसार वर्ष 2024-25 में उत्तीर्ण डॉक्टर श्रुति बंग, डॉ. अदिति करवा, डॉ. आकांक्षा अठासनिया, डॉ. आयुषी लोया, डॉ. दिपीका दरक, डॉ. हरिता बजाज, डॉ. जयकिशन सोनी, डॉ. कृषी जाजू, डॉ. कुणाल अग्रवाल, डॉ. मधुसूदन लोया, डॉ. महिमा करवा, डॉ. मुस्कान अग्रवाल, डॉ. प्रगति मोदाणी, डॉ. पूर्वी बाहेती, डॉ. शिवांगी माहेश्वरी, डॉ. श्रुति लाहोटी, डॉ. श्रुति मनोज मून्दड़ा, डॉ. कवच गुप्ता का अभिनन्दन किया जायेगा । तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी के अनुसार उपरोक्त डॉक्टरों के अतिरिक्त भी अगर कोई मारवाड़ी समाज से इस वर्ष डॉक्टर बने हो तो वह भी हमें सम्पर्क कर अपना नाम लिखा सकते हैं जिससे की उनका भी इस अवसर अभिनन्दन किया जा सके । अभिनन्दन समारोह की तैयारियों के संदर्भ में तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की एक विशेष बैठक आबिड्स में आयोजित की गई ।

बैठक में अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी, मंत्री अमित कुमार लड्ढा, परामर्शदाता रमेश कुमार बंग, विनोद भाटी, आनन्द साँखला, दीपक भाटी, महेन्दर खत्री, दीपक चोखानी, दिनेश कुमार बंग आदि उपस्थित थे। अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी एवं मानद मंत्री अमित कुमार लड्ढा ने सम्मेलन द्वारा समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं प्रेरक व्याख्यानों के आयोजनों की कड़ी में आयोजित इस अभिनन्दन समारोह में उपस्थित रहकर नवउत्तीर्ण डॉक्टरों का उत्साहवर्धन करे ।

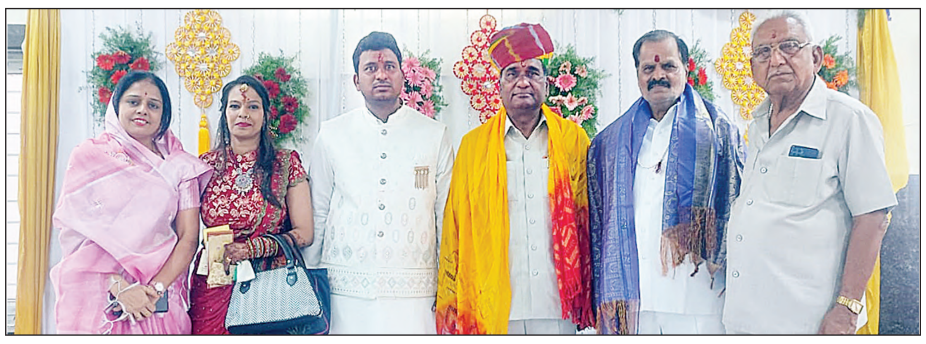

अत्तापुर स्थित स्व. श्रीमती सुशीलादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्मित मोदी भवन के उद्घाटन समारोह में ट्रस्टी सुरेश कुमार मोदी, प्रीतेश मोदी सम्मान करते हुए राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी। इस अवसर पर समाजसेवी बाबूलाल जोशी एवं अन्य उपस्थित थे।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा बड़ी चावड़ी स्थित नवजीवन कन्या अनाथाश्रम में सिलाई मशीन भेंट की गई। इस अवसर पर अरुणा गुप्ता, सचिव दिव्या गुप्ता, कोषाध्यक्षा कविता गुप्ता, पीआरओ रश्मी गुप्ता, भारती, श्वेता कतरौलिया, पूजा, ज्योति एंव अनाथाश्रम की संचालिका गीता मिश्रा एंव छात्राएं उपस्थित रही। अक्षय तृतीया पर माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा सिद्दिअंबर बाजार स्थित हनुमान मन्दिर के पास अन्नदान का भी आयोजन किया गया।

कला, संस्कृति, विज्ञान के आदि पुरुष थे भगवान आदिनाथ : साध्वी गवेषणाश्री

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। साध्वी श्री गवेषणा श्री जी ने फरमाया आज का दिन भगवान ऋषभ के पुण्यस्मरण का दिन है। देने की भावना, सुजता आहार-पानी-वस्तु एवं चारित्रिक आत्माएं इन तीनों के मिलन से ही सुपात्र दान का लाभ मिलता है।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार अक्षय तृतीया पर्व पर तेरह तपस्वियों ने तप की पूर्णाहुति दी। श्रावक समाज ने की तपस्वियों की अभिवन्दना की। साथ ही दो जोड़ों ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत धारणा ग्रहण की

आज ही के दिन राजकुमार श्रेयांस, इक्षु रस और भगवान ऋषभदेव के संयोग से दान की महिमा उजागर हुई। कच्छी भवन, हैदराबाद में 13 वर्षीतप करने वाले साधकों की अनुमोदना में समायोजित अक्षय तृतीया समारोह में धर्मपरिषद् को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी डॉ गवेषणाश्री ने कहा भौतिकता को छोड़ कर ही शाश्वत सुख-शांति को पाया जा सकता।साध्वीश्री ने आगे कहा कि जो कर्मशूर होते है वो ही धर्मशूर होते है। इस अवसरपिणी काल में ऋषभदेव ने कला, संस्कृति, विज्ञान की नींव रखी। असि, मसि, कृषि के साथ 72 कलाओं का प्रशिक्षण दिया। सामाजिक व्यवस्था का प्रादुर्भाव करने के बाद संयम पथ पर गतिशील हुए। आध्यात्म का मार्ग बताया और बताया कि भौतिकता को छोड़ कर ही शाश्वत सुख-शांति को पाया जा सकता है। मोक्ष का आरोहण हो सकता है।

आदिनाथ की वसीयत को करे आत्मसात- विशेष पाथेय प्रदान करते हुए साध्वी श्री ने कहा कि माता पिता बच्चों के लिए जैसे वसीयत छोड़ जाते है, उसी तरह आदिनाथ प्रभु ने हमें शिक्षा रुपी वसीयत देकर गये कि कर्मों का भुगतान स्वयं को ही करना पड़ेगा। लगभग 12 घड़ी के अन्तराय ने ऋषभदेव को 12 महिने तक के अन्तराय का भुगतान कराया। अतः हमें जीवन में सत् कर्मों का उपार्जन करना चाहिए। तप के मार्ग पर गतिशील साधकों का अभिनन्दन करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि जो पतन से बचाये, वह तप होता है। सुन्दर स्वरचित गीत के माध्यम से सभी साधकों को आध्यात्मिक पाथेय दिया। भगवान की तरह कर्मशूर और धर्मशूर बनने और चाह को कम करने का आह्वान किया।

साध्वी श्री मयंकप्रभा ने कहा कि आज के दिन का महत्त्व सभी धर्मों में बताया गया है। जैन धर्म में जहां आज के दिन आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को प्रथम आहार प्राप्त हुआ। वहीं मान्यता है आज के दिन मां गंगा का अवतरण हुआ था, कृष्ण और सुदामा का मिलन हुआ था, परशुराम का जन्म भी आज ही के दिन हुआ था। साध्वी श्री दक्षप्रभा ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुत करते हुए तपस्वियों का अभिनंदन किया।

इससे पूर्व नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। महिला मंडल हैदराबाद द्वारा मंगलाचरण किया गया। सिकंदराबाद सभा अध्यक्ष सुशील जी संचेती ने स्वागत स्वर प्रस्तुत करते हुए कहा कहा कि भगवान आदिनाथ के जीवन दर्शन से भावित होकर हमें भी अपने जीवन में ज्ञान के साथ तप का समन्वय करना चाहिए। महिला मण्डल सहमंत्री शीतल सांखला, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा,तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष वीरेंद्र घोसल एवम तपस्वियों के परिजनों इत्यादि ने अपने श्रद्धा स्वर प्रस्तुत किये। किशोर मंडल ने सुन्दर नाटिका से ऋषभदेव के जीवन चरित्र को प्रस्तुत किया। सभी तपस्वियों ने प्रत्याख्यान के बाद साध्वीवृन्द को सुपात्र दान बहराया। सिकंदराबाद सभा द्वारा सभी तपस्वियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी मेरु प्रभा जी ने किया ।कार्यक्रम के संयोजक लक्ष्मीपत जी बैद, नवनीत जी छाजेड़, प्रसन्नचन्द जी सुराणा अरिहंत जी गुजरानी थे। आभार ज्ञापन सहमंत्री राकेश जी सुराणा ने किया । मंगल पाठ के स्मरण के साथ अभिनन्दन समारोह सम्पन्न हुआ। परिजनों, श्रावक समाज ने तपस्वियों को इक्षुरस से पारणा कराया। इस अवसर पर इन तपस्वियों ने सहभागिता की।

श्रीमती इचुदेवी बैदबीसवां (20) वर्षीतप
श्रीमती रमन बाई कंकरिया उन्नीसवां (19) वर्षीतप
श्री महेंद्र लुणावत दसवां वर्षीतप
श्री दिनेशचंद जैन (कपूरचंद धारीवाल) नौवां वर्षीतप
श्रीमती अंजली दिलीप नाहर द्वितीय वर्षीतप
श्रीमति बबीता सेठिया द्वितीय वर्षीतप
श्रीमति सुशीला दुगड़ पहला वर्षीतप
श्रीमति सीमा पोकरणा द्वितीय वर्षीतप
श्रीमति सुमन श्यामसुखा द्वितीय वर्षीतप
श्रीमति रेखा धारीवाल पहला वर्षीतप
श्रीमती पुष्पादेवी दुगड़ पहला वर्षीतप
सुश्री स्वीटी धारीवालपहला वर्षीतप
श्रीमति सपना बैद पहला वर्षीतप

अंदाज़-ए-हिंद मुशायरा और कवि सम्मेलन 15 जून को

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाषा, संस्कृति और कविता का उत्सव, 'अंदाज़-ए-हिंद मुशायरा और कवि सम्मेलन' 15 जून को भारतीय विद्या भवन, बशीरबाग में आयोजित किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ओवरसीज तेलंगाना एसोसिएशन (ओटीए) द्वारा किया जा रहा है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय एनआरआई विंग है, जो मध्य पूर्व, अमेरिका और कनाडा में शैक्षिक, पेशेवर, व्यापारिक, सांस्कृतिक और कल्याण संबंधी कार्यक्रम आयोजित करता है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ओटीए तेलंगाना की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को सीमाओं के पार जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके अलावा, तेलंगाना तहजीब-ए-अदाब पुरस्कार 2025 विभिन्न व्यवसायों में सामुदायिक विकास में प्रमुख योगदानकर्ताओं को सम्मानित करेगा।भारत के पांच प्रमुख क्षेत्रों के प्रसिद्ध कवि अपनी भावपूर्ण कविताओं और दमदार प्रस्तुतियों से मंच की शोभा बढ़ाएंगे। तेलंगाना की युवा काव्य प्रतिभाओं को हैदराबाद गॉट टैलेंट के सहयोग से प्रदर्शित किया जाएगा, जो 15 वर्षों से प्रतिभाओं को सशक्त बनाने वाला मंच है। कार्यक्रम की थीम और लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन साइन इंडिया द्वारा किया जाएगा।

भारतीय रेल के लिए डिजाइन करें डिजिटल क्लॉक, पाएं 5 लाख का इनाम

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल ने देश के सभी स्टेशनों पर नए डिजाइन के डिजिटल क्लॉक लगाने की योजना बनाई है जिसके लिए डिजाइन बनाने हेतु एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड से प्राप्त सूचना के अनुसार सभी स्टेशनों की डिजिटल घड़ियों को मानकीकृत करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसके तहत पेशेवर, कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी स्टूडेंट तथा स्कूली छात्रों के लिए तीन अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई हैं।

तीनों श्रेणियों को मिलाकर भारतीय रेल में उपयोग के लिए चयनित डिजाइन बनाने वाले किसी एक विजेता को पांच लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा। तीनों श्रेणियों में 50-50 हजार रुपए के पाँच-पाँच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के तहत 1 मई से 31 मई तक प्रतिभागियों को डिजिटल घड़ी का डिजाइन ऑनलाइन माध्यम से जमा करना है।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार के अनुसार हाई रेजोल्यूशन वाली डिजाइन जिसमें वाटर मार्क या लोगो ना हो, को ईमेल के माध्यम से भेजना है और साथ में मौलिकता का प्रमाण पत्र भी प्रतिभागियों को देना है। सभी प्रतिभागियों को एक से अधिक डिजाइन जमा करने की छूट दी गई है।

प्रतिभागियों को अपने डिजाइन के साथ ही डिजाइन के विषय के बारे में एक संक्षिप्त अवधारणा नोट भी जमा करना है। प्रतिभागियों को यह भी सुनिश्चित करना है कि उनका डिजाइन मौलिक है और बौद्धिक संपदा या किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था के कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं करता है।

स्कूली छात्र कैटेगरी में 12वीं तक के छात्रों को शामिल किया गया है जिसके लिए उन्हें स्कूल का पहचान पत्र जमा करना होगा।

इसी तरह कॉलेज के छात्र कैटेगरी में वैसे लोगों को शामिल किया गया है जो किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर रहे हों। शेष सभी लोगों को प्रोफेशनल कैटेगरी में रखा जाएगा। यहां भेजें अपनी एंट्री: contest.prrb.railnet.gov.i पर।

हैदराबाद में सोने की कीमतों में भारी गिरावट

विशेषज्ञों ने गिरावट के पीछे वैश्विक कारकों का हवाला दिया

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। 1 लाख प्रति 10 ग्राम के ऐतिहासिक उच्च स्तर को छूने के बाद, गुरुवार को हैदराबाद में सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई। 24 कैरेट सोने की कीमत में एक ही दिन में 2,300 की गिरावट आई, अब यह 95,700 प्रति 10 ग्राम पर है। 22 कैरेट सोने की कीमत में भी काफी गिरावट आई है, जो 87,750 प्रति 10 ग्राम पर है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत वर्तमान में 99,900 प्रति किलोग्राम है।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, सोने की कीमतों में अचानक गिरावट मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों से प्रभावित है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा चीन और अन्य देशों के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने की घोषणा से वैश्विक बाजारों पर शांत प्रभाव पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग में कमी आई है।विशेषज्ञों ने कहा, वैश्विक शेयर बाजारों से सकारात्मक संकेतों के कारण सोने की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी आने से आने वाले दिनों में सोने की कीमतों में और गिरावट आ सकती है।

दिलचस्प बात यह है कि त्योहार से पहले सोने की कीमतों में उछाल के बावजूद अक्षय तृतीया पर मांग मजबूत रही। 30 अप्रैल (बुधवार) को हैदराबाद और पूरे भारत में उपभोक्ताओं ने बड़ी मात्रा में सोना खरीदा, जिससे त्योहारी खरीदारी का रुझान बरकरार रहा। ज्वैलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने बताया कि सोने और चांदी की बिक्री जोरदार रही और यह पिछले साल की अक्षय तृतीया की बिक्री के बराबर हो सकती है, जो करीब 20 टन थी। उन्होंने कहा, अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है और इस साल भी ग्राहकों ने कीमत की परवाह किए बिना इसमें गहरी दिलचस्पी दिखाई।सोने की खरीदारी के चरम पर होने के कारण, विशेषज्ञ उपभोक्ताओं को हॉलमार्किंग के माध्यम से सोने की शुद्धता की जांच करने की सलाह देते हैं। भारतीय मानक संगठन (आईएसओ) हॉलमार्क जारी करता है जो सोने की शुद्धता के स्तर को दर्शाता है:

24 कैरेट सोना : 99.9% शुद्ध, 999 के रूप में चिह्नित
23 कैरेट सोना : 95.8% शुद्ध, 958 अंकित
22 कैरेट सोना : 91.6% शुद्ध, 916 अंकित
21 कैरेट सोना : 87.5% शुद्ध, 875 अंकित
18 कैरेट सोना : 75% शुद्ध, 750 अंकित

आभूषणों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने में स्थायित्व बढ़ाने के लिए 9% अन्य धातुएं जैसे तांबा, चांदी और जस्ता शामिल होते हैं।

बाजार पर नजर रखने वालों का मानना है कि अगर मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां जारी रहती हैं - खास तौर पर अमेरिकी डॉलर में मजबूती और व्यापार तनाव में कमी - तो सोने की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। निवेशकों और उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे आने वाले हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों और मुद्रा की चाल पर कड़ी नजर रखें।

तेलंगाना एलआरएस की समय सीमा 3 मई तक बढ़ाई गई: शुल्क भुगतान पर 25% छूट का लाभ उठाएं!

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने भूमि नियमन योजना (एलआरएस) के आवेदकों

के लिए अंतिम समय सीमा बढ़ाने की घोषणा की है, जिसमें संपत्ति मालिकों से 3 मई, 2025 से पहले अपनी फीस का भुगतान करने का आग्रह किया गया है , ताकि 25% की छूट मिल सके। नगर प्रशासन सचिव टीके श्रीदेवी ने इस निर्णय की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि योजना के तहत कम भुगतान का यह अंतिम अवसर है। यह भी पढ़ें: तेलंगाना एलआरएस ने नीति 2025 में बदलाव किया: अवैध भूखंडों को वैध करने और 25% जुर्माना वृद्धि से बचने का आखिरी मौका है।घोषणा की मुख्य बातें - नई समयसीमा: 3 मई, 2025 (पहले 30 अप्रैल)। छूट: एलआरएस शुल्क और खुले स्थान शुल्क पर 25% की छूट। विलंब के परिणाम: समय सीमा के बाद पूर्ण भुगतान आवश्यक; आगे कोई विस्तार नहीं। यह क्यों मायने रखता है अनधिकृत लेआउट और प्लॉट को वैध बनाने के लिए 2020 में शुरू की गई एलआरएस के तहत 2.5 लाख से ज़्यादा आवेदन अभी भी अनसुलझे हैं। पिछले साल 10 लाख आवेदनों पर कार्रवाई के बावजूद तकनीकी चुनौतियों और उच्च मांग के कारण देरी जारी है। सरकार के इस नए कदम का उद्देश्य आवेदकों को वित्तीय राहत देते हुए समाधान में तेज़ी लाना है।शुरुआती उत्साह के बावजूद, प्रसंस्करण में देरी और तकनीकी गड़बड़ियों ने प्रगति को धीमा कर दिया। फरवरी 2025 की छूट पहल ने रुचि को फिर से जगाया, जिससे बार-बार समय सीमा बढ़ाई गई।

अब केवल तीन दिन शेष रह गए हैं , आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे: अंतिम क्षण में वेबसाइट पर आने वाले ट्रैफिक से बचें। दस्तावेजों का सत्यापन करें (शुल्क भुगतान के लिए एल1, एल2, एल3 चरण की मंजूरी आवश्यक है)। भविष्य के संदर्भ के लिए भुगतान के बाद रसीदें डाउनलोड करें ।

पत्रकार बालासुब्रमण्यम की सुपुत्री दयुतिश्री ने 10वीं परीक्षा में 90.83%अंक प्राप्त कर अपने चैतन्य स्कूल में सेकंड टॉपर रहकर माता-पिता का नाम रौशन किया।

जीएचएमसी ने अर्ली बर्ड स्कीम के तहत 870 करोड़ का संपत्ति कर एकत्र किया

जो पिछले साल के रिकॉर्ड से अधिक है

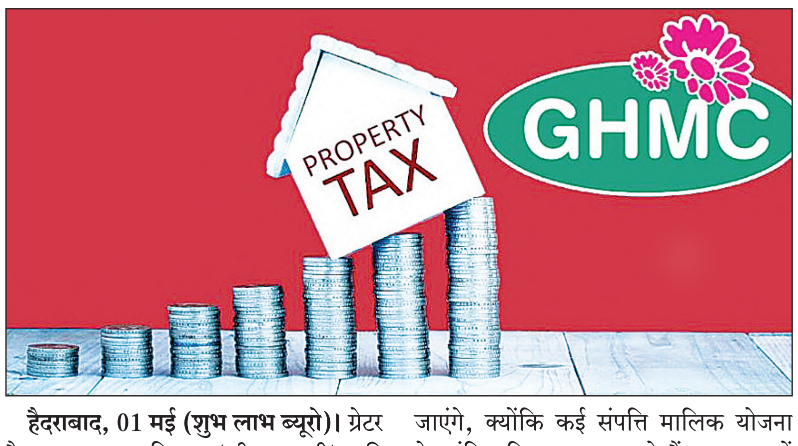

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की अर्ली बर्ड स्कीम (ईबीएस) इस साल एक बड़ी सफलता साबित हुई है, जिसमें संपत्ति कर संग्रह पिछले साल के आंकड़ों से आगे निकल गया है। बुधवार शाम तक, जीएचएमसी ने इस योजना के तहत 870 करोड़ एकत्र किए, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 831 करोड़ एकत्र किए गए थे।अधिकारियों का अनुमान है कि आधी रात तक अतिरिक्त 20-25 करोड़ एकत्र किए जाएंगे, क्योंकि कई संपत्ति मालिक योजना के अंतिम दिन भुगतान करते हैं। करदाताओं ने अपने भुगतान करने के लिए कई प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग किया, जिसमें जीएचएमसी का ऑनलाइन पोर्टल, नागरिक सेवा केंद्र, मीसेवा केंद्र और बिल कलेक्टर शामिल हैं।बुधवार शाम 7 बजे तक के नवीनतम अपडेट के अनुसार, 7.5 लाख से अधिक संपत्ति मालिकों ने इस योजना का लाभ उठाया है। ईबीएस 30 अप्रैल, 2025 को या उससे पहले किए गए चालू वर्ष के संपत्ति कर भुगतान पर 5% की छूट प्रदान करता है । हालाँकि, यह छूट पिछले वर्षों के किसी भी बकाया पर लागू नहीं होती है।एक अलग घटनाक्रम में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को जीएचएमसी और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रोड नंबर 12, एमएलए कॉलोनी, बंजारा हिल्स स्थित आवासीय संपत्ति के कब्जे में हस्तक्षेप न करें ।न्यायमूर्ति सी.वी. भास्कर रेड्डी ने बुद्धि प्रकाश तोषनीवाल और अन्य द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए अंतरिम आदेश पारित किया, जिसमें 600 वर्ग गज की संपत्ति पर स्वामित्व का दावा किया गया था । याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि अधिकारी बिना किसी वैधानिक आधार के भूमि के एक हिस्से पर अवैध रूप से दावा करने का प्रयास कर रहे हैं।उन्होंने अधिकारियों पर बिना कोई नोटिस जारी किए या उचित भूमि सर्वेक्षण किए उन्हें जबरन और मनमाने ढंग से बेदखल करने का आरोप लगाया। अदालत ने अंतरिम राहत प्रदान की है, जिसमें मामले के सुलझने तक किसी भी तरह के हस्तक्षेप पर रोक लगाई गई है।

सिकंदराबाद में अश्लील सामग्री का इस्तेमाल कर पुलिस को ब्लैकमेल करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक महिला को पुलिस और रक्षा कर्मियों को अश्लील तस्वीरें और वीडियो भेजकर ब्लैकमेल करने और बाद में पैसे न देने पर उनका पर्दाफाश करने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान बोलिमा के रूप में हुई है।रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी पिछले चार महीनों से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास वर्दीधारी लोगों को अपना निशाना बना रही थी। वह खुद को किसी जरूरतमंद के रूप में पेश करती थी और वर्दीधारी पुलिसकर्मियों से अपने परिवार को जरूरी कॉल करने के लिए उनके मोबाइल फोन मांगती थी।डिवाइस हाथ में आने के बाद, उसने कथित तौर पर अपना संपर्क विवरण सुरक्षित करने के लिए उसका नंबर डायल किया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Tulumoni Boruah R/o Vill:Bonai maj Gaon, P.O: Bonai, Teh:Sumliguri, Dist:Jorhat, State:Assam, pin:785683, have changed my name from TULUMONI BORUAH to TULUMONI BARUAH vide affidavit dt :01-05-2025 before judicial mejistrate Court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME

I, Sunena Boruah R/o Vill:Bonai maj Gaon, P.O:Bonai, Teh:Sumliguri, Dist:Jorhat, State:Assam, pin :785683, have changed my name from SUNENA BORUAH to SUNENA BARUAH vide affidavit dt :01-05-2025 before judicial mejistrate Court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME & DOB

I, TANIA BEGUM is legally wedded Spouse of Service No-JC-776824H Rank-SUB,Name-Nuruddin Molla Residing at Gocharan, Neutala, Gocharan, Dist-South 24 Parganas, Jaynagar-1,PIN-743391, State-West Bengal. I have changed my name from TANIA BEGUM to TANIYA BEGUM and also date of birth from 15/01/1990 to 15/01/1992 Affidavit dated 29 Apr 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No-17035521L,Rank-NK, Name-Vivek Raje Urs D Residing at H.No-227,Sardhar Patel Nagar, Prakruthi Layout,Bugattgalli, Mysore, Alanahalli, Dist- Mysore,PIN-570028, State-Karnataka. I have changed my Father name from DEVARAJE URS S to S DEVARAJE URS Affidavit dated 30 Apr 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-14648551W, Rank-NK, Name-Basappa Sutagatti Residing at H.No-43, Pete Oni, VTC-Nesargi, PO-Nesargi,Teh--Sampgaon, Dist-Belgaum, PIN-591121 State-Karnataka. I have changed my Father name from IRAPPA to IRAPPA SUTAGATTI and DOB also changed from 01/07/1957 to 01/01/1957 Affidavit dated 30 Apr 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-14648551W, Rank-NK, Name-Basappa Sutagatti Residing at H.No-43, Pete Oni, VTC-Nesargi,PO-Nesargi,Teh--Sampgaon, Dist-Belgaum, PIN-591121 State-Karnataka. I have changed my Mother name from KASTHURY to KASTURI SUTAGATTI and DOB also changed from 01/07/1962 to 01/01/1962 Affidavit dated 30 Apr 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Yashika Jain, D/o. Jagdish Rajmal Jain, occ: Dentist, R/o. 3-6-677/2, Street No. 12, Falt No. 308, MSK Towers, Near Oxford School, Himayat Nagar, Hyderabad 500029. have changed my name from YASHIK JAGDISH JAIN to YASHIKA JAIN and my aadhar card no is 309331019671 vide affidavit dt. 29-04-2025 before P. Anil Kumar Advocate and Notary, Bakaram, Musheerbad. Hyd., Telangana. My name Yashika Jagdish Jain as per passport no. M4803611 which is not correct.

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आरटीसी यूनियनों से हड़ताल से बचने की अपील की, वित्तीय तनाव का हवाला दिया

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने टीजीएसआरटीसी यूनियनों से राजनीतिक दलों के बहकावे में आकर हड़ताल न करने की अपील की और चेतावनी दी कि एक भी गलत कदम निगम पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मई दिवस समारोह के दौरान आरटीसी यूनियनों से कहा, सिर्फ़ इसलिए आगे न बढ़ें क्योंकि चीज़ें सही हो रही हैं। अगर कोई समस्या है, तो यूनियनें मंत्री से मिल सकती हैं। इस समय, किसी भी हड़ताल से राज्य को अपूरणीय क्षति होगी।हम आपकी चिंताओं को दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे, अगर नहीं भी कर पाए तो राज्य की आय आपको सौंप देंगे। वित्त मंत्री, मुख्य सचिव और अन्य लोग आपके साथ बैठेंगे और सुझाव देंगे कि कौन सी योजनाएं शुरू की जा सकती हैं और कौन सी स्थगित की जा सकती हैं। आप एक सलाहकार बोर्ड का गठन करें और निर्णय लें, रेवंत रेड्डी ने कहा, उन्होंने आश्वासन दिया कि वे एक भी रुपया घर नहीं ले जाएंगे और न ही किसी भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे।मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य को हर महीने 18,500 करोड़ रुपये की आय होती है। इसमें से 6,500 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने, 6,500 करोड़ रुपये वेतन और पेंशन पर और बाकी 5,500 करोड़ रुपये कल्याण और विकास पर खर्च किए जाते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा, बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए कम से कम 22,500

करोड़ रुपये की जरूरत है। अगर ठेकेदारों के बिलों का भुगतान करना है, तो राज्य को 30,000 करोड़ रुपये जुटाने होंगे। दुर्भाग्य से, 12,000 करोड़ रुपये की कमी है। उन्होंने माना कि राज्य की वित्तीय स्थिति गंभीर तनाव में है और यूनियनों से सहयोग मांगा।उन्होंने कहा कि धारणाओं के विपरीत, सरकार सिर्फ कर्ज और ब्याज चुकाने के लिए हर महीने 10,000 करोड़ रुपये का ऋण जुटा रही है।उन्होंने पूछा, मैं राज्य सरकार कैसे चला सकता हूँ? एक भी योजना बंद नहीं की गई है, चाहे वह रायथु भरोसा हो, फसल ऋण माफी हो, शादी मुबारक हो या कल्याण लक्ष्मी हो। वास्तव में, हमने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा प्रदान की है, अकेले उस योजना पर 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, इसके अलावा कई अन्य योजनाओं को लागू किया है, उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा, वित्तीय अपराधों की तरह ही वित्तीय आतंकवाद भी हुआ है। पिछले 15 महीनों में हमने तेलंगाना को पटरी पर लाने के लिए रातों की नींद हराम कर दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि 'तेलंगाना राइजिंग' मॉडल को पटरी से उतारने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पोन्नम ने टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया

हैदराबाद: तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने की अपील करते हुए परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि निगम को अभी वित्तीय सुधार के रास्ते पर लाया गया है और यह हड़ताल पर जाने का समय नहीं है।तेलंगाना में आरटीसी बसें सड़कों से नदारद रहेंगी, क्योंकि टीजीएसआरटीसी यूनियनों ने 6 मई की मध्य रात्रि से अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है।

हिमायतनगर में संगठित आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान एक संगठित ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने ऑनलाइन ऐप के माध्यम से सट्टा लगाने के लिए इस्तेमाल किए गए 1.2 लाख रुपये नकद और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। आरोपियों की पहचान श्रीराज बूब, 42, होंडमाने साईनाथ, 32 और रेगल्ला गोपीनाथ, 29 के रूप में हुई है।रिपोर्ट के अनुसार, श्रीराज बूब ने एक विदेशी एजेंट से सट्टेबाजी ऐप तक पहुंच खरीदी थी और सट्टेबाजों के साथ लॉगिन क्रेडेंशियल साझा किए थे। वह अपने सहयोगियों साईनाथ और गोपीनाथ की मदद से अपने अपार्टमेंट से ऑपरेशन चलाता था, और कलेक्शन पर 5 प्रतिशत कमीशन की पेशकश करता था।विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने हिमायतनगर स्थित पवनी लिंगैया अपार्टमेंट में छापा मारा और आरोपियों को आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

एटीएम ट्रांजेक्शन के संशोधित नियम 1 मई से लागू

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)के निर्देशानुसार, आज यानी 1 मई से बैंक एटीएम ट्रांजैक्शन के लिए संशोधित शुल्क संरचना लागू करेंगे। शीर्ष बैंक द्वारा लगाए गए नए दिशा-निर्देशों में मुफ़्त एटीएम ट्रांजैक्शन सीमा, सीमा से ज़्यादा ट्रांजैक्शन के लिए संशोधित शुल्क और इंटरचेंज शुल्क की संरचना को संशोधित करने पर ज़ोर दिया गया है।

नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, ग्राहक अब अपने संबंधित बैंकों से हर महीने पाँच मुफ़्त लेनदेन के लिए पात्र हैं। वे मेट्रो शहरों में तीन मुफ़्त एटीएम लेनदेन और गैर-मेट्रो शहरों में अन्य बैंकों से पाँच लेनदेन का लाभ भी उठा सकते हैं। सीमा पार होने पर ग्राहकों से शुल्क लिया जाएगा। लेनदेन में वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों तरह के लेनदेन शामिल हैं।28 मार्च, 2025 की तारीख वाली आरबीआई अधिसूचना में कहा गया है, एटीएम इंटरचेंज शुल्क एटीएम नेटवर्क द्वारा तय किया जाएगा। मुफ़्त लेनदेन के अलावा, ग्राहक से प्रति लेनदेन अधिकतम 23 रुपये का शुल्क लिया जा सकता है। यह 1 मई, 2025 से प्रभावी होगा। लागू कर, यदि कोई हो, अतिरिक्त रूप से देय होगा। ये निर्देश,

यथावश्यक परिवर्तनों के साथ, कैश रिसाइक्लर मशीनों (नकद जमा लेनदेन के अलावा) पर किए गए लेनदेन पर भी लागू होंगे।

आज से अगर आपका एटीएम ट्रांजैक्शन लिमिट से ज़्यादा हो जाता है तो आपका बैंक आपसे हर गतिविधि के लिए 23 रुपये चार्ज करेगा। यह दर हर गतिविधि पर लागू होती है, चाहे आप पैसे निकाल रहे हों या सिर्फ़ अपना बैलेंस चेक कर रहे हों।कई बैंकों ने अपने ग्राहकों को संशोधित लेनदेन शुल्क के बारे में पहले ही सूचित कर दिया है। इंडसइंड, पीएनबी और एचडीएफसी जैसे बैंकों ने अपने ग्राहकों को अधिसूचना भेजकर कहा है, 1 मई 2025 से, 21 रुपये + कर की मुफ्त सीमा से परे एटीएम लेनदेन शुल्क दर को संशोधित कर 23 रुपये + कर दिया जाएगा, जहाँ भी लागू हो।

पीएनबी की अधिसूचना में कहा गया है, यह सूचित किया जाता है कि अन्य बैंकों के एटीएम पर मुफ्त लेनदेन के अलावा ग्राहक शुल्क को 09.05.2025 से 23 रुपये प्रति वित्तीय लेनदेन और 11 रुपये प्रति गैर-वित्तीय लेनदेन (जीएसटी को छोड़कर) के रूप में संशोधित किया गया है।

इंडसइंड के अनुसार, सभी बचत/वेतन/एनआर/चालू खाता ग्राहकों को 1 मई 2025 से गैर-इंडसइंड बैंक एटीएम से मुफ्त सीमा से अधिक नकद निकासी के लिए प्रति लेनदेन 23 रुपये का शुल्क देना होगा।

लेकिन बैंक एटीएम ट्रांजैक्शन के लिए शुल्क क्यों लेते हैं?बैंक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए एटीएम इंटरचेंज शुल्क लेते हैं। अक्सर, बैंक दूसरे बैंक के ग्राहकों को एटीएम सेवाएँ प्रदान करने के लिए एक-दूसरे को भुगतान करते हैं। इस बार आरबीआई ने बढ़ती लागतों को पूरा करने के लिए बैंकों को शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी है।

असदुद्दीन ओवैसी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को भारत सरकार से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई आतंकवादी लॉन्चपैडों पर हमला करके भारतीय धरती से आतंकवाद को पूरी तरह से मिटाने का आग्रह किया।वह एक पत्रकार के प्रश्न का उत्तर दे रहे थे, जिसमें दावा किया गया था कि पाकिस्तानी सैनिकों ने हाल ही में नियंत्रण रेखा पर अपनी चौकियां खाली कर दी हैं।

उन्होंने कहा, जब 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमला हुआ था, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत में घुसने के लिए आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए लॉन्चपैड्स पर हमला करना चाहिए था।

आतंकवादियों के संदर्भ में लॉन्चपैड को एक स्थान या क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसका उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के लिए आधार या

प्रारंभिक बिंदु के रूप में किया जाता है, जिसमें अक्सर घुसपैठ, हमले या ऑपरेशनों की योजना और समन्वय शामिल होता है।

अगर आपकी खबर सही है, तो बहुत अच्छा है। अगर जो खाली करके चलेंगी, तो हम जाके बैठेंगे, वाहा पे...और छोड़ना नहीं। अब की बार अगर कुछ एक्शन लेरे, तो घर में घुस के बैठ जाना.. खतम (अगर आपकी खबर सच्ची है, तो यह बहुत अच्छी बात है। अगर वे (पाकिस्तानी सैनिक) (पोस्ट) खाली कर चले गए हैं, तो हमें इसे अपने कब्जे में ले लेना चाहिए... और इसे छोड़ना नहीं चाहिए। इस बार, अगर उन्होंने (केंद्र सरकार) उनके (आतंकवादियों) खिलाफ कोई कार्रवाई करने का फैसला किया है, तो हमें उन पदों पर कब्जा कर लेना चाहिए और इसे नहीं छोड़ना चाहिए।

हैदराबाद के सांसद ने आगे कहा कि आतंकवाद किसी भी कीमत पर खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा, वे हर बार हमला करते हैं। अगर आप पिछली घटनाओं पर गौर करें तो हैदराबाद ने भी इसका खामियाजा भुगता है।असदुद्दीन ओवैसी 2007 में लुम्बिनी पार्क में हुए बम विस्फोट का जिक्र कर रहे थे, जिसमें 42 लोग मारे गए थे, और 2013 में दिलसुखनगर बम विस्फोटों का, जिसमें 13 लोग मारे गए थे। ओवैसी ने कहा, हाल ही में आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में हिंदू तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस को निशाना बनाया। इसमें सात से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई। उन्होंने भारत सरकार से आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, विपक्ष बार-बार भारत सरकार से आतंकवाद रोकने के लिए कह रहा है।

हैदराबाद में मिस वर्ल्ड 2025 आयोजन स्थल के आसपास ड्रोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले मिस वर्ल्ड 2025 के ग्रैंड फिनाले से पहले, साइबराबाद पुलिस ने क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की सख्त अधिसूचना जारी की है।

साइबराबाद के पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी नोटिस में आयोजन स्थल से 5 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन या किसी मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा को मुख्य चिंता बताते हुए यह प्रतिबंध लागू रहेगा।

आधिकारिक अधिकारियों ने प्रतिबंध लागू करने के लिए भारतीय विमान अधिनियम 1934 की धारा 22 और आईपीसी, हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम और सीआरपीसी के अन्य प्रावधानों का इस्तेमाल किया है।

यह प्रतिबंध भविष्य में होने वाले नुकसानों के खिलाफ और टूर्नामेंट में शामिल विदेशी खिलाड़ियों, गणमान्य व्यक्तियों और सार्वजनिक प्रतिभागियों की सुरक्षा के लिए एक अंतरिम उपाय है। मिस वर्ल्ड 2025 के आयोजक स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस हाई-प्रोफाइल आयोजन पर कड़े सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य विश्व भर का ध्यान और विश्व भर से हाई-प्रोफाइल आगंतुकों को आकर्षित करना है।

हैदराबाद मेट्रो ट्रेन तकनीकी खराबी के कारण 20 मिनट तक रुकी रही

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

व्यस्त मियापुर-एलबी नगर मार्ग पर हैदराबाद मेट्रो ट्रेन में तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार, 1 मई को व्यवधान आया, जिससे सेवाएं अस्थायी रूप से रुक गईं।

रिपोर्ट के अनुसार, एक ट्रेन भारत नगर मेट्रो स्टेशन पर 20 मिनट से अधिक समय तक रुकी रही।

इस घटना के कारण कई यात्रियों को असुविधा हुई और देरी हुई, खास तौर पर व्यस्ततम यात्रा घंटों के दौरान। कई यात्री ट्रेन के अंदर इंतजार करते देखे गए, जबकि अन्य प्लेटफॉर्म पर जमा हो गए, क्योंकि उन्हें कारण या अपेक्षित समाधान समय का पता नहीं था।

हालांकि, हैदराबाद मेट्रो के अधिकारियों ने बाद में परिचालन बहाल कर दिया, हालांकि गड़बड़ी के संबंध में औपचारिक बयान का इंतजार है।

इससे पहले, हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआरएल) ने घोषणा की थी कि उसे वित्तीय वर्ष 2024-25 में 625 करोड़ रुपये का घाटा होगा।स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में एचएमआरएल को 5.55 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। 2017 में हैदराबाद मेट्रो की शुरुआत के बाद से एचएमआरएल को कुल 6598.21 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है।सेवा की शुरुआत से ही इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। हालाँकि, 2020-2021 के दौरान कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद से यात्रियों की संख्या में गिरावट आई है। इसी समय, एचएमआरएल को विभिन्न परियोजनाओं के लिए लिए गए ऋणों का भुगतान करना पड़ा, और यात्रियों की संख्या सामान्य होने में दो साल लग गए। इन सब के कारण कुल मिलाकर 4828.55 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। एचएमआरएल की संपत्तियों के मुद्रीकरण से पिछले दो वित्तीय वर्षों में घाटे को कम करने में मदद मिली है।

एचएमआरएल ने टिकट बिक्री और विज्ञापन से भी 1400 करोड़ रुपये कमाए हैं। हालांकि, ऊंची ब्याज दरों के कारण एचएमआरएल को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

हैदराबाद के व्यक्ति से 17.39 लाख की ठगी करने के आरोप में पुणे से दो लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने निवेश धोखाधड़ी के सिलसिले में महाराष्ट्र के पुणे जिले के दो लोगों को गिरफ्तार किया।दो आरोपी - 26 वर्षीय रेनॉल्ड विंसेंट सिरिल और 27 वर्षीय मनीष दिनेश सोनवणे - तेलंगाना में एक मामले सहित पूरे भारत में 27 मामलों में शामिल हैं।पुलिस के बयान के अनुसार, दोनों आरोपियों ने फेसबुक मैसेंजर के जरिए हैदराबाद निवासी 40 वर्षीय महिला से संपर्क किया। उन्होंने खुद को दुबई में रहने वाली सॉफ्टवेयर इंजीनियर और निवेशक कीर्ति रघुराम बताया।

पीड़ित को इनोबाइट आईटी सॉल्यूशंस नामक कंपनी के माध्यम से शेयरों में निवेश करने के लिए राजी किया गया था।

पीड़ित को बदले में 70 प्रतिशत लाभ देने का वादा किया गया था। 'कीर्ति रघुराम' पर विश्वास करते हुए, पीड़ित ने एक बड़ी रकम निवेश की।

पीड़ित को अपने खाते में 71,281 अमेरिकी डॉलर (60,80,604 रुपये) का मुनाफ़ा देखकर बहुत खुशी हुई। हालाँकि, निकासी विकल्प बंद था। पीड़ित को पता चला कि उसे अतिरिक्त कर और रूपांतरण शुल्क का भुगतान करना होगा।

पीड़ित को एहसास हुआ कि उसने कुल 17,39,000 रुपये खो दिए हैं।मामले की सूचना हैदराबाद साइबर क्राइम टीम को दी गई, जिसने रेनॉल्ड और मनीष को गिरफ्तार कर लिया।हैदराबाद साइबर क्राइम टीम ने इस धोखाधड़ी की कार्यप्रणाली जारी की है। नागरिकों को सावधान रहना चाहिए और अगर उनके साथ धोखाधड़ी हो रही है तो तुरंत रिपोर्ट करनी चाहिए।

हैदराबाद हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के आरोप में तीन व्यक्ति गिरफ्तार

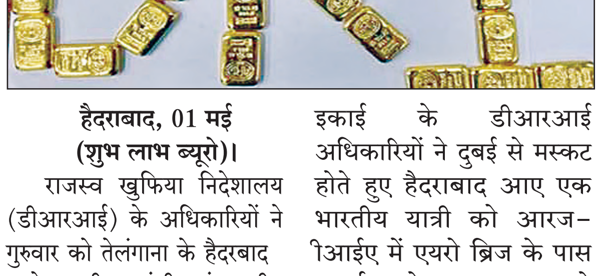

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने गुरुवार को तेलंगाना के हैदरबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर 3.45 करोड़ रुपये मूल्य का 3.5 किलोग्राम तस्करी का विदेशी सोना जब्त किया और दो ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ और एक यात्री सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया।विशेष खुफिया सूचना के आधार पर, हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई के डीआरआई अधिकारियों ने दुबई से मस्कट होते हुए हैदराबाद आए एक भारतीय यात्री को आरज-ीआईए में एयरो ब्रिज के पास हवाई अड्डे पर काम करने वाले एक ग्राउंड हैंडलिंग कर्मचारी के साथ पकड़ा।

तस्करी किए गए सोने को यात्री द्वारा ग्राउंड हैंडलिंग कर्मचारी को सौंपा जा रहा था, तभी डीआरआई टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में पता चला कि तस्करी किए गए सोने को आरजीआईए में पार्किंग क्षेत्र के पास इंतजार कर रहे एक अन्य ग्राउंड स्टाफ को दिया जाना था। दूसरा स्टाफ सदस्य बाद में सीमा शुल्क क्षेत्र से बाहर निकलने के बाद उसी यात्री को हवाई अड्डे के बाहर उक्त सोना लौटा देगा।

यात्री के पास से तीन पैकेटों में छिपाए गए कुल 30 सोने की छड़ें (प्रत्येक 10 तोला) बरामद की गईं।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रा-वधानों के तहत गिरफ्तार किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

मेहदीपटनम स्काईवॉक जून तक पूरा होने की संभावना

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेहदीपटनम जंक्शन पर लंबे समय से प्रतीक्षित स्काईवॉक, जिसे यातायात की भीड़ को कम करने और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, के जून तक पूरा होने की उम्मीद है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह परियोजना, जो रक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त करने में लगने वाले समय के कारण विलंबित हो गई थी, अब तेजी से आगे बढ़ रही है।व्यस्त जंक्शन पर पैदल यात्रियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए स्काईवॉक में पाँच हॉप-ऑन स्टेशन होंगे। ये स्टेशन रायथू बाज़ार, डिफेंस कंपाउंड की दीवार, मेहदीपट्टनम बस बे, आसिफ नगर पुलिस स्टेशन और गुडीमलकापुर जंक्शन के पास स्थित होंगे।मेहदीपटनम स्काईवॉक का निर्माण एचएमडीए द्वारा किया जा रहा हैहैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) 32.97 करोड़ रुपये की लागत से स्काईवॉक का निर्माण कर रही है। डिज़ाइन में दुकानें शामिल करके, एचएमडीए इस परियोजना से राजस्व उत्पन्न करने की योजना बना रही है।स्काईवॉक से सड़कों पर पैदल चलने वालों की आवाजाही आसान हो जाएगी और यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसकी ऊंचाई 6.15 मीटर और चौड़ाई 4 मीटर होगी, साथ ही शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की सुविधा के लिए लिफ्ट कुर्सियाँ भी लगाई जा सकती हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जाति जनगणना पर केंद्रीय मंत्रिमंडल समिति गठित करें : रेवंत रेड्डी

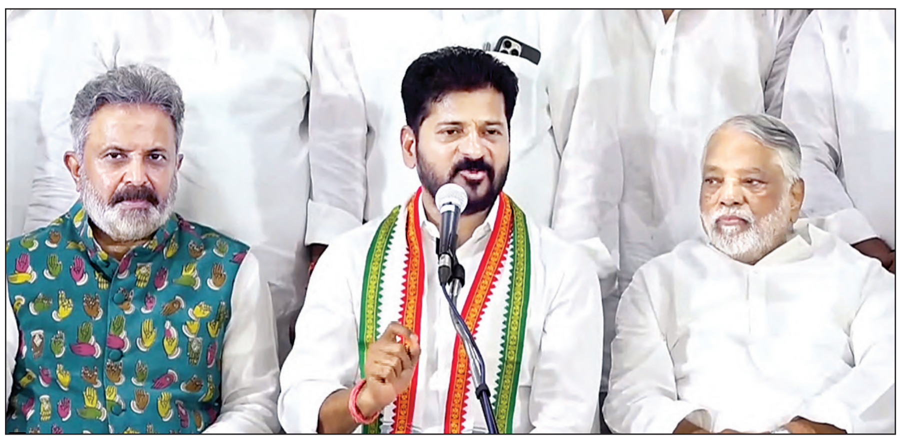

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अगली जनगणना में जाति जनगणना को शामिल किए जाने की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को सुझाव दिया कि केंद्र को इसके लिए एक केंद्रीय कैबिनेट समिति का गठन करना चाहिए।

रेवंत रेड्डी ने प्रत्येक राज्य का अध्ययन करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्रियों का एक समूह गठित करने का आह्वान किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक राज्य में अलग-अलग आरक्षण हैं। उन्होंने कहा, फिर संदर्भ की शर्तें जारी करें, और जाति जनगणना के आरंभ और समापन के लिए समयसीमा की मांग की।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं केंद्र से तेलंगाना में आयोजित जाति जनगणना का अध्ययन करने और राष्ट्रीय स्तर पर इसे लागू करने का आग्रह करता हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह घोषणा करने के लिए धन्यवाद देता हूं कि जाति जनगणना जनसंख्या जनगणना के साथ ही की जाएगी। तेलंगाना सरकार जाति जनगणना के संबंध में केंद्र की मदद करने के लिए तैयार है।

हैदराबाद में अपने आवास पर मीडिया को संबोधित करते हुए तेलंगाना के सीएम ने कहा, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वादा किया था कि जहां भी कांग्रेस की सरकार बनेगी, हम जाति जनगणना करेंगे और तेलंगाना ने ऐसा किया। उन्होंने तेलंगाना की ओर से लोकसभा में विपक्ष के नेता को धन्यवाद दिया।

जनगणना से पहले केंद्र सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि जनगणना में जातिगत डेटा को भी शामिल किया जाएगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजनीतिक मामलों की समिति के फैसले की घोषणा की।

वैष्णव ने कहा कि यह केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जाति गणना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों ने राजनीतिक कारणों से जाति सर्वेक्षण किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प है कि आगामी अखिल भारतीय जनगणना में जाति गणना को पारदर्शी तरीके से शामिल किया जाए।

कांग्रेस समेत विपक्षी दल देश भर में जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं और इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बना रहे हैं। बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने इस तरह के सर्वेक्षण किए हैं। यह प्रक्रिया अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देरी हुई। वैष्णव ने कहा, इन सभी तथ्यों पर विचार करते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति से सामाजिक ताना-बाना प्रभावित न हो, सर्वेक्षण के बजाय जाति गणना को पारदर्शी तरीके से जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे हमारे समाज का सामाजिक और आर्थिक ढांचा मजबूत होगा और देश प्रगति करता रहेगा।

वैष्णव ने कहा कि 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा को आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाना चाहिए। अधिकांश राजनीतिक दलों द्वारा जाति जन-गणना की सिफारिश किए जाने के बाद इस पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था।

मंत्री ने आरोप लगाया, इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने जाति जनगणना के बजाय केवल सर्वेक्षण कराने का फैसला किया। उस सर्वेक्षण को डएउउ के नाम से जाना जाता है। यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके खछऊख गठबंधन सहयोगियों ने इसका इस्तेमाल केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में किया है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत, 'जन-गणना' विषय को प्रविष्टि 69 के तहत संघ सूची में सूचीबद्ध किया गया है और संविधान के अनुसार, जनगणना एक संघ विषय है। केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को इसके क्रियान्वयन के लिए समयसीमा बतानी चाहिए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, हम इस (सरकार के फैसले) का पूरी तरह से समर्थन करते हैं, लेकिन हम एक समयसीमा चाहते हैं। हम जानना चाहते हैं कि यह कब तक किया जाएगा।

रेवंत रेड्डी ने सीवेज के खिलाफ युद्ध की घोषणा की

मुसी नदी में 80% सीवेज बहने से रोकने के लिए 3,100 करोड़ की मेगा योजना

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद की मूसी नदी में लंबे समय से चली आ रही सीवेज समस्या को हल करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार ने 3,100 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य नदी के उत्तरी और दक्षिणी दोनों किनारों पर दो चरणों में ट्रंक सीवर लाइनों का निर्माण करना है, जिसका उद्देश्य सीधे सीवेज प्रवाह को रोकना है।

मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमआरडीसीएल) के अधिकारियों ने खुलासा किया है कि शहर से निकलने वाला 80% अनुपचारित सीवेज वर्तमान में नदी में समा जाता है। इससे निपटने के लिए, योजना में 39 अतिरिक्त सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण शामिल है। नया बुनियादी ढांचा यह सुनिश्चित करेगा कि नदी में छोड़े जाने से पहले अपशिष्ट जल का उपचार किया जाए, जिससे इसका पारिस्थितिक संतुलन बहाल हो सके।

सीएम रेवंत रेड्डी के निर्देशों के तहत एमआरडीसीएल एक विस्तृत कार्य योजना तैयार कर रहा है। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के इंजीनियरों के साथ समन्वय में जल्द ही एक क्षेत्र-स्तरीय सर्वेक्षण किया जाएगा ताकि उन प्रमुख स्थानों की पहचान की जा सके जहां अनुपचारित सीवेज नदी में प्रवेश करता है। इस डेटा का उपयोग ट्रंक लाइनों और एसटीपी के लेआउट को अंतिम रूप देने के लिए किया जाएगा। सरकार ने इस परियोजना को दो साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस पहल से हैदराबाद के निवासियों को स्थायी राहत मिलने और मूसी में प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है, जो वर्तमान में शहर और आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के बीच 55 किलोमीटर से अधिक प्रदूषित क्षेत्र के रूप में बहती है।

इस उच्च लागत वाली पहल का समर्थन करने के लिए, तेलंगाना सरकार सक्रिय रूप से वित्तप-ोषण के रास्ते तलाश रही है। एमआरडीसीएल ने इस बात पर जोर दिया कि यह परियोजना सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्वच्छ और रहने योग्य हैदराबाद को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जीएचएमसी ने हैदराबाद में प्रमुख सड़क चौड़ीकरण फ्लाईओवर परियोजनाओं को मंजूरी दी

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की स्थायी समिति ने गुरुवार, 1 मई को सड़क विकास योजनाओं, पशु आश्रय पट्टे सहित विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी।

समिति ने बंदलागुड़ा क्रॉस रोड पर कृष्णा पेयजल आपूर्ति चरण-2 मुख्य रिंग 1 पाइपलाइन स्थानांतरण कार्य के लिए 2.12 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी को मंजूरी दी, जिसमें नफीस गार्डन फंक्शन हॉल से रॉयल स्टील ट्रेडर्स तक का क्षेत्र शामिल है।इसने बंदलागुडा हाउसिंग कॉलोनी से येर्रागुंटा तक एक बॉक्स ड्रेन के निर्माण को भी मंजूरी दी।इसके बाद समिति ने गोपनपल्ली गांव में 4,350 वर्ग गज जमीन को ऑल फॉर एनिमल्स फाउंडेशन को पट्टे पर देने की मंजूरी दे दी, जो मूल रूप से रांकी फाउंडेशन को 25 साल के लिए आवंटित की गई थी। इस जमीन का इस्तेमाल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और उपकरणों के साथ एक पशु आश्रय के निर्माण और रखरखाव के लिए किया जाएगा।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने दबीरपुरा पुलिस स्टेशन से नागबौली जंक्शन तक 40 फीट की सड़क को चौड़ा करने और विकसित करने के लिए 5.10 करोड़ रुपये की परियोजना को भी हरी झंडी दे दी है। इसके अतिरिक्त, इसने अप-ोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी दी, जिसके तहत अपोलो तीन साल के लिए रोड नंबर 36 पर बांस पार्क (4,000 वर्ग मीटर) और जुबली हिल्स चेक पोस्ट पार्क (5,373 वर्ग मीटर) का विकास और प्रबंधन करेगा।

बैठक में संपत्ति अधिग्रहण के प्रस्तावों पर मुख्य रूप से चर्चा की गई, जिसमें तोपखाना मस्जिद से उस्मानगंज तक 18 मीटर चौड़ी सड़क के लिए 43 संपत्तियों का अधिग्रहण, गोशामहल से उस्मानगंज तक सड़क विस्तार के लिए 19 संपत्तियों का अधिग्रहण, पुलिस भूमि के उत्तर-पश्चिमी कोने से दारुस्सलाम रोड और मालकुंटा रोड से पुराने तोपू खाना रोड तक सड़क विस्तार के लिए 112 संपत्तियों का अधिग्रहण, तथा घोड़े की खबर से बेगम बाजार तक सड़क को 12 मीटर से 18 मीटर चौड़ा करने के लिए 95 संपत्तियों का अधिग्रहण, साथ ही 200 मीटर का विस्तार शामिल है।हैदराबाद के खाजागुडा-गाचीबोवली खंड के लिए 749 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी

749 करोड़ रुपये की लागत वाली एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना को भी मंजूरी मिली, जिसके तहत खाजागुड़ा जंक्शन, आईआईटी जंक्शन और साइबराबाद सीपी कार्यालय से गचीबोवली तक 215 फीट चौड़ी सड़क का विकास किया जाएगा।

इस परियोजना में बहुस्तरीय फ्लाईओवर और ग्रेड सेपरेटर का निर्माण, तथा हैदराबाद में अंजैया नगर से रांकी टॉवर रोड तक 150 लेन की सड़क का विकास शामिल है।तालिका में शामिल मदों में, जीएचएमसी समिति ने सिकंदराबाद सर्कल के बौद्ध नगर में 2.95 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सीसी सड़क के पुनर्निर्माण को मंजूरी दी। इसमें सड़क के दोनों ओर बॉक्स नालियों का पुनर्निर्माण और सेंट एल्बंस स्कूल में आरसीसी बॉक्स नाली का निर्माण शामिल है।

इसके अतिरिक्त, चूंकि एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग प्रबंधन के लिए ईईएसएल एजेंसी के साथ अनुबंध 30 अप्रैल को समाप्त हो गया था, इसलिए समिति ने एक अंतरिम व्यवस्था को मंजूरी दी, जिसके तहत ईईएसएल को दो और महीनों तक या नई एजेंसी के तय होने तक स्ट्रीट लाइटिंग का प्रबंधन जारी रखने की अनुमति दी गई।

बीआरएस ने गलत सूचना फैलाने के लिए तेलंगाना कांग्रेस की आलोचना की

हरीश राव ने पार्टी छोड़ने की अफवाहों का खंडन किया

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के प्रदर्शन की बढ़ती आलोचना के बीच, सत्तारूढ़ पार्टी जनता का ध्यान भटकाने के लिए हताश-ाजनक हथकंडे अपनाती दिख रही है, जिसमें भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के भीतर आंतरिक मतभेदों को गढ़ने का प्रयास भी शामिल है।

बीआरएस नेताओं द्वारा बार-बार स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद, ऑनलाइन मीडिया का एक वर्ग पार्टी नेतृत्व के भीतर कथित दरार के बारे में अटकलें लगाने वाली रिपोर्टें प्रकाशित करना जारी रखे हुए है, जिसमें विशेष रूप से वरिष्ठ नेता टी हरीश राव को निशाना बनाया जा रहा है।इस कथित गलत सूचना अभियान में नवीनतम घटना एक ऑनलाइन रिपोर्ट थी, जिसमें दावा किया गया था कि पूर्व मंत्री हरीश राव को पार्टी में दरकिनार किया जा रहा है और वे पार्टी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश राव ने तीखा खंडन जारी करते हुए इन दावों को पूरी तरह से झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया। उन्होंने तेलंगाना कांग्रेस और उसके आईटी सेल पर चुनिंदा मीडिया लीक और निराधार अटकलों के ज़रिए इस तरह की कहानी गढ़ने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार राज्य पर शासन करने में अक्षम और अक्षम है, और उसमें जनता की जांच का सामना करने का साहस नहीं है। लेकिन पार्टी गलत सूचना देने में नंबर एक पर है। तेलंगाना कांग्रेस आईटी सेल द्वारा की गई ये अनियंत्रित हरकतें एक दिवालिया और भ्रष्ट राजनीतिक मानसिकता को दर्शाती हैं, उन्होंने कहा कि अगर बदनाम करने का अभियान जारी रहा तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पार्टी सूत्रों ने पुष्टि की कि बीआरएस के भीतर कोई असंतोष नहीं है और अफवाहों को मुख्य विपक्ष के भीतर कलह पैदा करने की एक सोची-समझी कोशिश करार दिया। बीआरएस नेताओं का मानना है कि चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने, जिसमें रैतु भरोसा योजना को लागू करने में देरी भी शामिल है, के कारण बढ़ते दबाव के कारण कांग्रेस आलोचना को टालने के लिए ध्यान भटकाने वाली रणनीति अपना रही है।

बोनालु उत्सव की तारीखों की घोषणा

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान का आधार, बहुप्रतीक्षित बोनालू उत्सव इस साल हैदराबाद में अपनी भव्य वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। देवस्वोम विभाग ने आधिकारिक तौर पर उत्सव का कार्यक्रम जारी कर दिया है, जो जून में शुरू होगा और जुलाई तक चलेगा, जिसमें शहर के कई स्थानों पर उत्सव मनाया जाएगा।बोनालू उत्सव का पहला आयोजन ऐतिहासिक गोलकोंडा किले में 26 जून, 2025 को होगा। शहर में उत्सव की शुरुआत को चिह्नित करते हुए देवी जगदम्बिका को बोनालू अर्पित किया जाएगा। गोलकोंडा बोनालू आषाढ़ महीने तक चलेगा, जिसका समापन 24 जुलाई को होगा। उत्सव की एक महत्वपूर्ण विशेषता स्वर्ण बोनम का अर्पण है, जिसमें भक्त पूरे महीने में हर गुरुवार और रविवार को देवी को अर्पण करते हैं।गोलकुंडा में नौ बोनम की तिथियां इस प्रकार हैं:

पहला बोनम: 26 जून (गुरुवार), दूसरा बोनम: 29 जून (रविवार), तीसरा बोनम: 3 जुलाई (गुरुवार), चौथा बोनम: 6 जुलाई (रविवार),
पांचवां बोनम: 10 जुलाई (गुरुवार), छठा बोनम: 13 जुलाई (रविवार), सातवां बोनम: 17 जुलाई (गुरुवार), आठवां बोनम: 20 जुलाई (रविवार) एवं नौवां बोनम: 24 जुलाई (गुरुवार) गोलकोंडा बोनालू के अलावा अन्य महत्वपूर्ण समारोह भी होंगे। सिकंदराबाद के उज्जैन में महाकाली अम्मन का बोनालू 13 जुलाई, 2025 को होगा। लाल दरवाजा सिंहवाहिनी अम्मन बोनालू 20 जुलाई, 2025 को निर्धारित है। हैदराबाद शहर में बोनाला जात्रा, जगदम्बिका मंदिर में स्वर्ण बोनम द्वारा चिह्नित, आषाढ़ महीने के पहले गुरुवार या रविवार को शुरू होगी, जो उत्सव के जीवंत माहौल को जारी रखेगी।इस साल का बोनालू उत्सव एक भव्य आयोजन होने का वादा करता है, जिसमें तेलंगाना की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए हज़ारों भक्त एक साथ आएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.